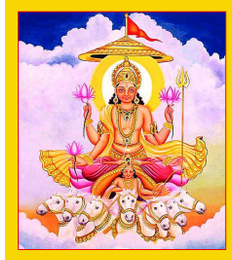

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

1 जनवरी- 7 जनवरी 2025

पौष, पक्ष - शुक्ल, तिथि - द्वितीया , संवत 2081 पृष्ठ : 8+4 जयपुर, बुधवार वर्ष-10, अंक-44, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

बोरवेल खुला छोड़ना ही त्रासदी है!

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

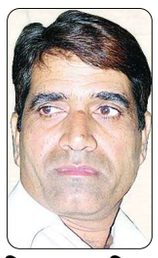

खेतों में अच्छी फसल के लिए पानी की जरूरत होती है। पानी होगा तभी सिंचाई होगी और सिंचाई होगी तभी अच्छी फसल होगी। बीते जमाने में बहुतेरे कुएं होते थे। कुओं से सिंचाई होती थी। नाव (चड़स) चलते थे, जिनसे खेतों में पानी दिया जाता था। जहां पानी की कमी होती थी वहां तालाब हुआ करते थे। तालाबों से क्रमवार तरीके से पानी दिया जाता था। क्रमवार से तात्पर्य है कि आज एक खेत वाले का नंबर तो कल दूसरे खेत वाले का नंबर आता था सिंचाई के लिए। धीरे-धीरे कुओं में पानी नीचे जाने लगा और अंत में कुएं सूख गए। तालाबों का अस्तित्व भी लगभग समाप्ति की ओर है। सब तालाब अधिकांशतः अतिक्रमण की भेंट चढ़ गए। रियासतकाल में तो तालाबों का पूरा ध्यान रखा जाता था। समय बदल गया है। तकनीकी का जमाना आ गया है। अब कुएं खुदवाने की जरूरत नहीं है। अब तो बोरवेल खुदवाए जाते हैं पानी भले ही कितने ही नीचे हो, आखिरकार वहां तक पहुंच बना ली जाती है। पानी निकल आता है और सिंचाई होने लगती है। फसल भी अच्छी होने लग जाती है। पानी और बिजली का संगम है अच्छी खेती। लेकिन मनुष्य का स्वभाव है लालच और स्वार्थ। जब बोरवेल में पानी नीचे चला जाता है तो कई किसान तो उसे और गहरा करा देते हैं कुछ आर्थिक तंगी के चलते उस बोरवेल से पाइप निकाल लेते हैं और उस बोरवेल वाले गड्ढे को खुला ही छोड़ देते हैं। गड्ढे को खुला छोड़ देना ही दुर्घटना को आमंत्रण देना हो जाता है। बोरवेल के गड्ढे में गिरने से कितने ही पशु घायल हो जाते हैं, कितने ही पशुओं के पैर टूट जाते हैं। मगर, पशुओं की कौन बात करता है। बात तो आदमियों की होती है। खेत में परिवार के छोटे-बड़े सभी सदस्य जाते हैं। खेत में काम करते हैं। परिजन खेत में काम करते रहते हैं और छोटे बच्चे खेलते-खेलते अचानक उस बोरवेल के खुले गड्ढे में गिर जाते हैं। बच्चे के बोरवेल में गिरते ही चारों तरफ हा-हाकार मचने लगता है। बोरवेल से बच्चे को निकालने का प्रयास किया जाने लगता है। शासन और प्रशासन दोनों ही सक्रिय हो जाते हैं। टीवी और अखबारों में खबरें आने लगती हैं। क्षेत्रीय जनसेवक भी मौके पर पहुंचने लगते हैं। उनके आगे-पीछे खबरनवीस लग जाते हैं। बयानबाजी होती है। पीड़ित परिवार को ढांढ़स बंधाया जाता है। एक दिन, दो दिन तीन-चार दिनों तक नई-नई मशीनों से खुदाई होती है। भगवान की कृपा हुई तो बच्चा जीवित निकल आता है वरना तो बच्चे का शव ही बाहर आता है। ऐसे में सोचने की बात यह है कि ऐसी दुर्घटनाओं को आमंत्रण ही क्यों दिया जाए। जैसे ही बोरवेल से पाइप निकाले जाते हैं, तुरन्त ही उसे मिट्टी से भर देना चाहिए। लेकिन पाइप निकालते समय तो आंखें बंद रहती है और जब दुर्घटना हो जाती है तब छाती पीटना शुरू हो जाता है। जन प्रतिनिधियों और सरकार द्वारा ऐसे निष्क्रिय बोरवेल को तुरन्त मिट्टी से भरने के लिए किसानों और आमजन को अभियान चलाकर जागरूक किया जाना चाहिए। तभी ऐसी दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है, वरना ये क्रम जैसे चलता आ रहा है वैसे ही चलता रहेगा।

shivdayalmishra@gmail.com

न्यू ईयर के जश्न के लिए गुलमर्ग में उमड़े पर्यटक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। धरती पर जन्नत कहे जाने वाले खूबसूरत टूरिस्ट प्लेस गुलमर्ग, जहां माइनस 12 डिग्री के तापमान में देश के अलग-अलग राज्यों से आए पर्यटक अनोखे अंदाज में नए साल का जश्न मनाते दिखे। श्रीनगर से 55 किलोमीटर दूर कश्मीर का सबसे खूबसूरत पर्यटन स्थल गुलमर्ग हजारों पर्यटकों से भरा हुआ है। विशाल हिमालयी परिदृश्यों के बीच, गुलमर्ग बर्फ से लदे स्वर्ग में बदल गया है। बर्फ की चमचमाती चादर से सजा प्रसिद्ध स्की रिसॉर्ट एक जन्नत जैसे नजारे में बदल गया है। ठंडी बर्फीली वादियों में पर्यटक नाचते घूमते गाते दिख रहे हैं। ऐसा लग रहा है जैसे वे जीवन के हर पल को पूरी तरह जीना चाहते हैं।

गुलमर्ग में रोचक हुआ माहौल

कोई बर्फ से खेल रहा है, कोई बर्फ में नाच-गा रहा है तो कोई तस्वीरें खींच रहा है। यहां हर कोई नए साल की

शुरूआत इस खूबसूरत एहसास के साथ करना चाहता है और इस नए साल को यादगार बनाकर अपने जीवन में संजोकर रखना चाहता है। देश के अलग-अलग राज्यों से नए साल का जश्न मनाने गुलमर्ग पहुंचे पर्यटकों ने कहा कि यह जगह जितनी खूबसूरत है, उतनी ही शांति से भरी हुई है। यहां आकर ऐसा लगता है कि धरती पर अगर कहीं स्वर्ग है तो वह कश्मीर की इन खूबसूरत ठंडी आबोहवा की गोद में है।

दुनिया में सबसे पहले किरीटीमाटी में नए साल का आगाज

दुनिया में सबसे पहले नए साल का आगाज किरीटीमाटी द्वीप पर 3.30 बजे हुआ। यह द्वीप प्रशांत महासागर में स्थित है और किरिबाती रिपब्लिक का हिस्सा है। यहां का समय भारत से 7.30 घंटे आगे है, यानी जब भारत में 3:30 बजे होते हैं, तो किरीटीमाटी में नया साल शुरू हो जाता है। इसके बाद चैथम द्वीप न्यूजीलैंड में भी नए साल का जश्न शुरू हो गया है। जैसे ही घड़ी में रात के 12 बजेंगे वैसे ही पुराना साल विदा हो जाएगा और नए साल का स्वागत होगा। सबसे आखिरी में नए साल का जश्न दक्षिण प्रशांत में अमेरिकी समोआ और नीयू द्वीप में होता है। अलग-अलग टाइम जोन के कारण कई देश अलग-अलग समय पर नए साल का जश्न मनाएंगे। भारत से पहले 41 देश ऐसे हैं, जहां नया साल मनाया जाता है।

सरकार 2025 में और अधिक मेहनत करने तथा विकसित भारत के लिए दृढ़ संकल्पित-मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2024 में उनकी सरकार की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि सरकार वर्ष 2025 में और भी अधिक मेहनत करने तथा विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। मोदी ने माई गोव इंडिया द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर पोस्ट किए गए वीडियो पर प्रतिक्रिया करते हुए कहा, " सामूहिक प्रयास और परिवर्तनकारी परिणाम! 2024 में कई उपलब्धियां हासिल हुई हैं, जिन्हें इस वीडियो में बहुत ही शानदार ढंग से दर्शाया गया है। हम 2025 में विकसित भारत के अपने सपने को साकार करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।"

आज से 10 दिन तबादलों से बैन हटा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार ने तबादलों पर लगा बैन हटा दिया। आज से 10 जनवरी तक के लिए हटाया गया। शिक्षा विभाग में अभी तबादलों पर बैन जारी रहेगा। ग्रेड थर्ड शिक्षकों के तबादले नहीं होंगे।

राज्य सरकार के आदेश के अनुसार, प्रारंभिक शिक्षा, उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा विभाग में तबादले नहीं होंगे। इसके अलावा वोटर लिस्ट के अपडेशन में लगे अफसर कर्मचारियों के तबादलों पर 7 जनवरी तक प्रतिबंध रहेगा। इन कर्मचारियों के तबादले 8 तारीख से होंगे, ऐसे में इनके लिए बैन केवल 3 दिन ही खलु रहेगा। तबादलों पर लगा बैन हटाने से लंबे समय से अपने तबादलो को इंतजार कर रहे सरकारी कर्मचारियों को राहत मिलेगी। अनुमान के अनुसार, ढाई लाख से अधिक सरकारी कर्मचारी अपने तबादलों के इंतजार में बैठे हैं।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज

ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

- मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
- सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
- असाध्य घाव/शुगर के घाव
- कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
- अचानक बहरापन (Hearing Loss)
- डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

राजस्थान विधान सभा के लिए वर्ष 2024 रहा स्वर्णिम काल

विधानसभा का सदन अब गुलाबी और डिजिटल

देश में अनूठी बनी राजस्थान विधानसभा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधान सभा के अध्यक्ष पद पर वासुदेव देवनानी का एक वर्ष 21 दिसम्बर को पूरा हो गया। प्रखर राजनीतिज्ञ, तकनीकी शिक्षाविद्, सदन की कार्य प्रणाली के गहन अध्येता, गंभीर संभाव, और सदन की गरिमा को नई ऊचाइयां देने वाले, समयानुसार नवाचार और जनसमस्याओं का तत्वरित समाधान करने वाले वासुदेव देवनानी राजस्थान विधानसभा के 18 वें अध्यक्ष है। 16 वीं राजस्थान विधानसभा में उन्हें पक्ष और विपक्ष के सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से अध्यक्ष निर्वाचित किया था। देवनानी ने सदन में अध्यक्ष पद पर आसीन होने पर कहा था '' राजस्थान विधान सभा के सदन की परम्पराएं महान रहीं हैं। सदन की मान-मर्यादा को बनाए रखने के लिए सर्वदा प्रयास करते रहेंगे। ''

सदन की ज्यादा से ज्यादा बैठकें और सार्थक बहस की आवश्यकता बताते हुए देवनानी ने पहली बार विधानसभा अध्यक्ष आसन पर बैठते ही सदन की गरिमा एवं निष्पक्षता को बनाये रखने के लिये विधान सभा सदस्यों को भरोसा दिलाया था। देवनानी के मार्गदर्शन में राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा को सक्रिय मंच के रूप में परिवर्तित किया गया है। संसदीय कार्यवाही में पारदर्शिता के पोषक देवनानी के सदप्रयत?नों से विधान सभा के सदन के स्वरूप को विश्व की गुलाबी नगरी जयपुर के वैभव के अनुरूप गुलाबी रंग में परिवर्तित किया गया है, साथ ही अब यह सदन डिजिटल हो गया है। सदन की कार्यवाही अब पेपरलैस होगी। विधान सभा का प्रत्येक सदस्य सूचना तकनीक के उपयोग के साथ सदन में जनसमस्याओं पर चर्चा करेगा।

ई- विधान से हो गई है विधान सभा पेपरलैस -

वासुदेव देवनानी ने विधान सभा को पेपरलैस बनाने की प्रक्रि या को अपने कार्यकाल के प्रथम वर्ष में ही पूरा कर दिया है। 16वीं विधान सभा का तृतीय सत्र डिजिटल पद्धति से संचालित होगा। विधान सभा सचिवालय की कार्य प्रणाली भी पेपरलैस हो गई है। वन नेशन-वन एप्लीचकेशन के तहत ई-विधान एप्लीकेशन नेवा का उपयोग राजस्थान विधान सभा को डिजिटल बनाये जाने के लिए किया गया। इससे विधान सभा के सदन से संबंधित विधेयक, रिपोर्टस, वीडियो आदि मीडिया अनुसंधानकर्ता और आम नागरिक को अब सरलता से ऑन लाईन उपलब्ध हो रहे है।

सर्वदलीय बैठक

वासुदेव देवनानी की राजस्थान विधान सभा में सदन चलाने के लिए सर्वदलीय बैठक का आयोजन एक ऐतिहासिक पहल है। राजस्थान विधान सभा में ऐसा पहली बार हुआ है। सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए देवनानी ने सदन में सार्थक चर्चा कराये जाने का सभी दलों को भरोसा दिलाया। देवनानी की सोच है कि विधान सभा का सदन अधिक से अधिक दिन चले, इसके लिए सभी दलों के सभी सदस्यों को सकारात्मक भूमिका निभानी होगी। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के रणनीतिक प्रयासों से 16वीं विधान सभा का प्रथम एवं द्वितीय सत्र शान्तिपूर्वक चला। जब कभी भी गतिरोध की स्थिति आयी तो उन्होंने सहजता से पक्ष और प्रतिपक्ष के सदस्यों को सुना, उनके समाधान के मार्ग निकाले और दोनों पक्षों के सदस्यों को विश्वास में लेकर विधानसभा की कार्यवाही के गतिरोध को दूर कर सदन संचालन में बेहतर मिसाल पेश की। देवनानी ने प्रक्रिया एवं कार्य संचालन के नियम 269 का हवाला देते हुए विधान सभा में दी गई व्यवस्था का पालन कराया। इसके तहत जब आसन पैरों पर हो तो सदन से सदस्य और दीर्घा से अधिकारी बाहर नहीं जायेंगे।

सनातन संस्कृ ति के प्रतीक

विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी सनातन संस्कृति के प्रतीक है। हिन्दी, सिन्धी, संस्कृत और अंग्रेजी भाषा में अच्छी पकड रखने वाले देवनानी ने राजस्थान विधान सभा के सदस्य की शपथ संस्कृत भाषा में ली। उनका मानना है कि संस्कृत सनातन संस्कृ ति का पर्याय है। विज्ञान, ज्योतिष, खगोल, चिकित्सा के प्रमाणिक ग्रन्थी संस्कृात भाषा में उपलब्धज है। वे राष्ट्र प्रथम की भावना को जन-जन में जागरूकता लाने के लिए सभी समारोह में जिक्र करते है। उनका मानना है कि हमे भारतीय संस्कृति पर गर्व करना चाहिए। एक, श्रेष्ठ और अखण्ड भारत का संकल्प के लिए युवाओं को प्रेरित करने वाले देवनानी का कहना है कि विकसित भारत की संकल्प को साकार करने में प्रत्ये क भारतीय को सक्रिय सहभागिता निभानी होगी। विश्व में गूंजे हमारी भारती, जन-जन उतारे आरती, धन्य भारत महान को पूरे विश्व में गुंजायमान की चाहत देवनानी रखते है। वे स्वदेशी की भावना को नई पीढी में पैदा करने की जरूरत बताते है। उनका मानना है कि बच्चों को राष्ट्र के महान वैज्ञानिकों के जीवनी और उनके द्वारा किये गये आविष्कारों का अध्ययन करना चाहिए। भारत पुरातनकाल से समृद्ध है।

विदेशों में राजस्थान विधान सभा की बनाई पहचान

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी अजमेर जिले के पहले व्यक्ति हैं, जिन्होंने आस्ट्रेलिया में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के 67वें सम्मेलन को सम्बोधित किया। उन्होंने सम्मेलन में संसदीय प्रक्रियाओं और परम्पराओं में कृत्रिम बुद्धिमता के उपयोग, अवसर व चुनौतियां, संसदीय संस्थाओं की सुदृढता के लिए सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को अपनाने हेतु मानक व दिशा-निर्देश और लिंग आधारित हिंसा के मुकाबले के लिए कानून निर्माण विषयों पर प्रभावी प्रस्तुतीकरण दिया। विभिन्न विधान मंडलों के विश्लेषण के साथ राजस्थान विधान मंडल के परिप्रेक्ष्य में दिये गये प्रस्तुतीकरण की विदेशी धरती पर शामिल संभागियों ने प्रशंसा की। उनके लौटने पर बड़ी संख्या में समर्थक व आमजन

एक वर्ष का यह समय राजस्थान विधान सभा के लिए स्वर्णिम काल रहा है। वासुदेव देवनानी द्वारा अपने इस समय में नवीन ऊर्जा के साथ विधान सभा को ऐतिहासिक गति और नई दिशा प्रदान की है। नवाचारों से राजस्थान विधान सभा देश की सर्वश्रेष्ठ विधान सभा बनने की ओर अग्रसर है।
डॉ. लोकेश चन्द्र शर्मा, उप निदेशक, जनसम्पर्क, राजस्थान विधान सभा, जयपुर

प्रदेश में जगह-जगह जुटे, उनका नागरिक अभिनंदन किया गया तथा मार्ग में अनेक स्थानों पर भव्य स्वागत किया गया। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के सम्मेलन में भारत, राजस्थान, अजमेर और खासकर अजमेर उत्तर के प्रतिनिधि के रूप में विधान सभा अध्यक्ष का शामिल होना, सम्बोधन करना प्रदेश के लिए गर्व की बात है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज पूरे विश्व में भारत की पहचान एक सशक्त राष्ट्र के रूप में है। भारतीयों को आज पूरे विश्व में एक अलग सम्मान और स्नेह प्राप्त है। ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, सिंगापुर और जापान की यात्रा में भारतवंशियों, विदेशियों और खासकर राजस्थानियों से हुई मुलाकातों और चर्चाओं में भारत देश के प्रति वैश्विक स्तिर पर निरन्तर बढ रहे स्नेह को उन्होंने महसूस किया।

राष्ट्रीय गौरव और राष्ट्रीय चेतना के वाहक

अध्यक्ष वासुदेव देवनानी राष्ट्रीय गौरव और राष्ट्रीय चेतना के वाहक है। वे युवाओं को 4 डी का ध्यान रखने के लिए कहते है। डिसीप्लेन यानि अनुशासन, डिटरमिनेशन यानि प्रतिबदधता, डिवोसन यानि समर्पण से यदि कोई व्यक्ति कार्य करता है तो चौथा डी डवलपमेन्ट यानि विकास उसे स्वतत: ही प्राप्त हो जाएगा। उन्होंने अपने शिक्षा मंत्री काल के दौरान प्रदेश की विद्यालय शिक्षा में अकबर महान के अध्याय को हटवाकर प्रताप महान का नया अध्याय शामिल करवाया था। इस प्रभावशाली कदम और चुनौतीपूर्ण पहल से देश और प्रदेश के इतिहास में महाराणा प्रताप को गौरवशाली स्थान मिला।

जनहित के मुद्दों पर सदन देर तक भी चलेगा

देवनानी का मानना है कि सदन जनहित के मुद्दों पर चर्चा करने का पवित्र स्थल है। सदन की गरिमा को बनाऐं रखना विधान सभा सदस्यों की जिम्मेदारी है। समस्याओं का हल बातचीत से होता है। सदन में समस्याओं के निस्तारण का प्रयास होता है। सदन में सदस्यों की बातों को गम्भीरता से लिया जाता है, उनके द्वारा उठाई गई समस्याओं का निस्तारण भी कराया जाता है।

प्रश्नों के जवाब समय सीमा में आये

देवनानी ने प्रश्नों के उत्तर समय सीमा में मंगाने आरम्भ कर दिये है। समय पर जवाब नहीं आने की उनकी चिन्ता का आभास राज्ये सरकार को हो गया है। समितियों की रिपोर्ट भी समय पर मंगाना सुनिश्चित हो रहा है, जिनकी आवश्यक रूप से सदन में चर्चा भी कराई जा रही है। विधान सभा अध्यक्ष ने कहा कि सदन में स्थगन के साथ पूर्व की भांति पर्ची के माध्यम से अविलम्बनीय लोक महत्व के उठाये जाने वाले विषयों की व्यवस्था को पुन: लागू किया गया। पर्ची से उठाये जाने वाले विषयों पर जवाब भी दिलाया जा रहा है।

विधान सभा जनदर्शन

राजस्थान विधान सभा के द्वार आमजन के लिए खोल दिए गये है। विधान सभा में बना राजनैतिक आख्यान संग्रहालय को लोग अब देखने आ रहे है। दिन प्रतिदिन आमजन की संख्या संग्रहालय को देखने के लिए बढती जा रही है। देवनानी की इस पहल की प्रदेश में सभी जगह प्रशंसा हो रही है। देवनानी ने डिजिटल म्यूजियम को देश के पर्यटन नक्शे से जुडवाया है। इससे राजस्थान की समृद्ध संस्कृति और राजनैतिक इतिहास की देश और विदेशों में पहचान बन रही है। संग्रहालय में संविधान दीर्घा का शुभारम्भ भी देवनानी की शोधपरक दृष्टि का परिचायक है। इस संविधान दीर्घा में मूल संविधान के बाईस भागों के आरम्भ में दर्शायी गयी कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया है। संविधान दीर्घा का उद्देश्य आमजन और युवाओं में राष्ट्र और राष्ट्र के संविधान का बोध कराने के साथ ही संविधान, सांस्कृतिक और नैतिकता के प्रति जागरुकता लाना है। संविधान के बाईस भागों के मुख पृष्ठ पर भारत की संस्कृति और स्वाभिमान को दिखाती हुई तस्वीरें है। इन तस्वीरों में भारत की प्राचीन सभ्यता मोहेंजोदडो से लेकर महाभारत में कुरुक्षेत्र और कृष्ण द्वारा दिए गए गीता के ज्ञान, भगवान श्री राम की लंका विजय, भगवान बुद्ध का जीवन चरित्र, महान सम्राट अशोक, उज्जैन के न्यायप्रिय महाराज विक्रमादित्य के राजदरबार, प्राचीन वैदिक गुरुकुल, नालंदा विवि, भगवान नटराज, रामभक्त हनुमान के साथ ही झांसी की रानी लक्ष्मी बाई, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस, छत्रपति वीर शिवाजी और गुरु गोविन्द सिंह को प्रदर्शित किया गया है।

विधान सभा डायरी और कैलेण्डर में ऐतिहासिक नवाचार

राजस्थान विधान सभा द्वारा प्रकाशित कैलेण्डर और डायरी में ऐतिहासिक नवाचार हुए है। इस वर्ष प्रकाशित कैलेण्डर और डायरी में वीर वीरांगनाओं और महापुरूषों के चित्र समाहित हुए है। यही नहीं राजस्थान विधान सभा देश की ऐसी पहली विधान सभा बन गई है, जहां की दैनन्दिनी का प्रकाशन भारतीय वर्ष के अनुसार किया गया है। राजस्थान विधान सभा के इतिहास में ऐसा प्रकाशन पहली बार हुआ है। नवसंवत्स र 2081 के माह चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से दैनन्दिनी का आरम्भ कि या ग या है।

मुख्यमंत्री की भरतपुर संभाग के विधायकों के साथ बैठक

जनआकांक्षाओं को पूरा करना राज्य सरकार का लक्ष्य

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश के हर क्षेत्र की जनआकांक्षाओं को पूरा करते हुए प्रदेश के विकास को गति प्रदान करना राज्य सरकार का लक्ष्य है। इसी दिशा में सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास की भावना के साथ सभी विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा, चिकित्सा, पानी, बिजली, सड़क आदि मूलभूत सुविधाओं एवं विभिन्न विकास कार्यों की बजटीय घोषणाएं राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर भरतपुर संभाग के विधायकों के साथ बजट वर्ष 2024-25 में की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विधायक, सरकार एवं जनता के बीच की अहम कड़ी है। ऐसे में सभी विधायक क्षेत्र के लोगों के साथ संवाद करने से लेकर बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन तक सक्रिय जनप्रतिनिधि की भूमिका निभाएं।

ईआरसीपी से बहेगी विकास की गंगा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से विधायकों ने कहा कि संशोधित पीकेसी-ईआरसीपी परियोजना का मार्ग प्रशस्त होने से पूर्वी राजस्थान के लोगों में उत्साह का माहौल है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के लिए वरदान साबित होगी। मुख्यमंत्री ने भरतपुर संभाग के विधायकों से विधानसभावार बजट घोषणाओं की अनुपालना में होने वाले विकास कार्यों की वित्तीय स्वीकृति, भूमि आवंटन और प्रगतिरत कार्यों के संबंध में चर्चा की। उन्होंने विधायकों से कहा कि क्षेत्र की आवश्यकता के अनुरूप आगामी बजट में शामिल किए जाने वाले जनहित के विकास कार्यों के सुझाव भी देवें।

पंचगौरव प्रोत्साहन से जिले को नई पहचान

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक जिले में एक उपज, एक उत्पाद, एक प्रजाति, एक पर्यटन एवं एक खेल को बढ़ावा देने के लिए पंच गौरव कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संबंधित जिले में इन श्रेणियों में चयनित तत्वों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि इनके संरक्षण और प्रोत्साहन को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने अटल ज्ञान केन्द्रों की स्थापना तथा मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्रों के संचालन के संबंध में भी विधायकों से चर्चा की।

स्थानीय उद्योग क्षेत्र के विकास की धुरी

शर्मा ने कहा कि स्थानीय उद्योगों का क्षेत्र के विकास में अहम योगदान होता है। इसी कड़ी में हाल ही में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत जिला स्तर पर भी एमओयू किए गए हैं। उन्होंने विधायकों से कहा कि समिट के दौरान हुए एमओयू की निरंतर मॉनिटरिंग की जाए, ताकि समय पर इनकी रि यान्विति सुनिश्चित हो सके।

इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, विधायक जगत सिंह, डॉ. शैलेश सिंह, बहादुर सिंह, जितेन्द्र गोठवाल, दर्शन सिंह, हंसराज मीना एवं डॉ. ऋतु बनावत उपस्थित रहे।

जागरूक खबरें

14 को होगा लाडेसर अभियान का शुभारंभ

जयपुर @ जागरूक जनता। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिला कलेक्टर ने कुपोषित एवं अति कुपोषित बच्चों की स्थिति में सुधार हेतु जिले में लाडेसर अभियान के शुरूआत के लिए निर्देश दिए गए। दिनांक 14 जनवरी 2025 से जिले में लाडेसर अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। अभियान के अन्तर्गत कम वजन एवं अति कम वजन वाले बच्चों के पोषण पर निगरानी रखी जाएगी तथा प्रत्येक कम वजन एवं अति कम वजन वाले बच्चों को प्रतिमाह एक-एक लाडेसर पोषाहार किट का वितरण किया जाएगा एवं साथ ही इसके उपयोग के सुनिश्चितता हेतु आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा बच्चों के माता-पिता की समझाइए की जाएगी एवं नियमित रूप से बच्चों की प्रति 10 दिवस में वजन/ऊंचाई/ लंबाई ली जाएगी।

तहसील राजस्व लेखाकार नियुक्ति के लिए दस्तावेज सत्यापन 8 से

जयपुर @ जागरूक जनता। कनिष्ठ लेखाकार एवं तहसील राजस्व लेखाकार भर्ती परीक्षा 2023 के तहत तहसील राजस्व लेखाकार पद हेतु पात्र अभ्यर्थियो के मूल प्रमाण-पत्रों का सत्यापन राजस्व मंडल अजमेर में 8 एवं 9 जनवरी को किया जाएगा। राजस्व मंडल निबंधक महावीर प्रसाद ने बताया कि 179 अभ्यर्थियो के दस्तावेजो की जांच सुबह 11 से सायं 5 बजे तक की जाएगी। इनमें चयनित अभ्यर्थी व्यक्तिशः उपस्थित होकर दस्तावेजो के जांच करवा सकेंगे। चयनित अभ्यर्थियो की सूची बेवसाइट landrevenue.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

यूपी-बिहार समाज का स्नेह मिलन समारोह संपन

जयपुर @ जागरूक जनता। उत्तर प्रदेश-बिहार संयुक्त समाज का स्नेह मिलन समारोह वीकेआई रोड नंबर नौ स्थित श्याम होटल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा और विशिष्ट अतिथि बिहार के पूर्व मंत्री सुरेंद्र कुशवाहा थे।

मुख्यमंत्री की जयपुर संभाग के विधायकों के साथ बैठक

गुड गवर्नेंस के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध

आमजन से जुड़े मुद्दों पर विधायक लें तुरंत एक्शन, संसाधनों की कमी नहीं-शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार प्रदेशवासियों को गुड गवर्नेंस देने के लिये संकल्पित है। उन्होंने कहा कि विधायकगण जनता से जुड़े मुद्दों पर तुरंत एक्शन लेते हुए उन्हें राहत पहुंचाने का कार्य करें। साथ ही, जिला प्रशासन से समन्वय स्थापित करते हुए बजटीय घोषणाओं का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। श्री शर्मा ने कहा कि आमजन से जुड़े विकास कार्यों के लिए राज्य सरकार के पास संसाधनों की कोई कमी नहीं है।

शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर जयपुर संभाग के विधायकों के साथ बजट वर्ष 2024-25 में की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पूरी निष्पक्षता के साथ सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में जनता और जनप्रतिनिधियों की मांग अनुरूप बजट घोषणाएं की और उनका क्रियान्वयन सुनिश्चित किया। विधायक जिला कलक्टर से संवाद कर इन सभी छोटे-बड़े कार्यों की क्रियान्विति सुनिश्चित करें।

8 करोड़ के परिवार के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि इस वर्ष जुलाई में प्रस्तुत बजट 2024-25 में विधायकों ने जितना मांगा, उससे ज्यादा दिया। हमारी सरकार आगामी बजट में भी विधायक सहित जनप्रतिनिधियों की मंशा अनुरूप घोषणाएं करते हुए उनका रि यान्वयन सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि हम प्रदेश की आठ करोड़ जनता के उत्थान और कल्याण के लिए समर्पित होकर सेवाभाव से निरंतर कार्य कर रहे हैं।

जनसेवा के लिए तत्पर रहें मंत्री-विधायक

मुख्यमंत्री ने कहा कि कल्याणकारी योजनाओं के समयबद्ध रि यान्वयन से जनसेवा करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि विधायकों द्वारा प्रेषित सभी विषयों पर मंत्रीगण तत्परता से कार्य करें। जनप्रतिनिधियों की सक्रि यता से ही हम 'आपणो अग्रणी राजस्थान' की परिकल्पना को पूर्ण रूप से साकार कर सकेंगे।

वन क्षेत्र में रास्तों के प्रकरणों का होगा समुचित समाधान

शर्मा ने विधायकों द्वारा दिए गए सुझावों पर संज्ञान लेते हुए वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा को वन क्षेत्र में रास्तों के प्रकरणों पर अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रकरणों का समुचित परीक्षण कर वन विभाग द्वारा समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। वहीं, जिन प्रकरणों में आवश्यकता है उन्हें मार्गदर्शन के लिए केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय को प्रेषित किया जाएगा।

अनुपयोगी सामानों से जरूरतमंद का जीवन सुधारें

मुख्यमंत्री ने कहा कि जरूरतमंद व्यक्तियों को सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्रों की शुरूआत की गई है। इन केन्द्रों के माध्यम से कोई भी अनुपयोगी सामान जरूरतमंदों को उपलब्ध करा सकता है जिससे उनके जीवन में सुधार आएगा। उन्होंने विधायकों से आग्रह किया कि वे इस जनसेवा के कार्य में आगे आकर आमजन को प्रोत्साहित करें।

इलेक्ट्रिक और सीएनजी बसों का शीघ्र होगा संचालन

शर्मा ने कहा कि प्रदूषण मुक्त सुगम यातायात के लिए प्रदेश के प्रमुख शहरों में इलेक्ट्रिक एवं सीएनजी बसों के संचालन की कार्ययोजना को जल्द ही पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुरूप वोकल फोर लोकल को प्रोत्साहित करते हुए हमने पंच गौरव कार्यक्रम की शुरूआत की है। इसके तहत एक जिला-एक उपज, एक प्रजाति, एक उत्पाद, एक पर्यटन स्थल और एक खेल का चिन्हीकरण कर जिले की विशेषताओं को नई पहचान दी जा रही है। उन्होंने विधायकों को पंच गौरव कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निवेश प्रस्तावों का क्रियान्वयन सामूहिक जिम्मेदारी

मुख्यमंत्री ने कहा ही राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के अंतर्गत हुए निवेश प्रस्ताव का रि यान्वयन सामूहिक जिम्मेदारी है। विधायक अपने जिला कलक्टर से निरंतर संवाद स्थापित करते हुए छोटे-बड़े सभी निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए संकल्पित होकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि हम प्रत्येक माह इन सभी प्रस्तावों के रि यान्वयन की गहन समीक्षा कर रहे हैं। निवेश की राशि को श्रेणियों में विभक्त कर जिला कलेक्टर से लेकर मुख्य सचिव तक के स्तर तक अनवरत समीक्षा भी जारी है।

राइजिंग राजस्थान समिट का आयोजन अनुकरणीय पहल

केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने एक वर्ष में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कर एक मिसाल कायम की है। सरकार गठन के एक वर्ष के भीतर ही राइजिंग राजस्थान जैसी अनुकरणीय पहल कर कई राज्यों के लिए उदाहरण प्रस्तुत किया है।

बैठक में जयपुर संभाग की बजट घोषणाओं की वित्तीय स्वीकृति, जमीन आवंटन और प्रगतिरत कार्यों के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। विधायकों ने जिलों के पुनर्गठन के निर्णय पर मुख्यमंत्री को बधाई दी।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं डॉ. प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा सहित जयपुर संभाग से आने वाले विधायकगण उपस्थित रहे।

सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला 2024

महिला स्वयं सहायता समूह राष्ट्र के आर्थिक विकास का आधार-बागड़े

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे जेकेके में आयोजित "सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला 2024" पहुंचे। उन्होंने इस दौरान वहां देशभर से आए महिला स्वयं सहायता समूह की प्रतिनिधियों से संवाद किया। मेले में देशभर की महिला स्वयं सहायता समूह प्रतिनिधिमंडल से भी उन्होंने इस दौरान बातचीत की।

उन्होंने कहा कि यह मेला "एक भारत श्रेष्ठ भारत" का अनुपम उदाहरण है। राज्यपाल ने मेले में विभिन्न राज्यों के महिला स्वयं सहायता समूहों के उत्पाद स्टॉल का अवलोकन किया। राज्यपाल ने कहा कि महिला स्वयं सहायता समूह राष्ट्र के आर्थिक विकास का प्रमुख आधार है। महिला सशक्तिकरण के लिए इस तरह के मेलों को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से महिला उत्पादों को बड़े स्तर पर बाजार मिलता है। उन्होंने वहां प्रदर्शित भारत के विभिन्न प्रांतों के हस्तशिल्प, कारीगरी, वस्त्र उत्पादों का अवलोकन कर उनकी सराहना की। राज्यपाल को राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् के भास्कर सांवत ने उनकी अगवानी की। अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रेया गुहा ने विभिन्न स्टॉल और उत्पादों के बारे में बताया।

राज्यपाल ने रणथंभौर नेशनल पार्क का किया भ्रमण, बाघिन रिद्धि और शावकों का दीदार

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को सवाई माधोपुर स्थित रणथंभौर नेशनल पार्क का सपरिवार भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने पार्क एरिया में बाघिन रिद्धि और उसके शावकों को देखा। कुछ देर वहीं ठहरकर उन्होंने बाघिन रिद्धि और शावकों की अठखेलियां देखी। राज्यपाल ने बाघिन परिवार के साथ ही अन्य वन्यजीवों एवं रणथंभौर की प्राकृतिक सुंदरता की सराहना की। उन्होंने अरावली पहाड़ियों और विंध्य पठार के आसपास स्थित, रणथंभौर वन को भी बहुत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि वन्य जीव अभ्यारण पर्यटन की दृष्टि से देश का यह महत्वपूर्ण स्थान है। इससे पहले रणथंभौर राष्ट्रीय पार्क स्थित जोगी महल में सवाई माधोपुर के वन अधिकारियों ने उनकी अगवानी की तथा राष्ट्रीय पार्क की पारिस्थितिकी के बारे में बताया।

नव वर्ष पर राज्यपाल की बधाई और शुभकामनाएं

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने नव वर्ष 2025 के लिए सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। राज्यपाल बागडे ने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि नव वर्ष सभी के जीवन में सुख समृद्धि और खुशहाली लिए हो। उन्होंने नये साल में हर पल, हर दिन कुछ नया करते हुए राष्ट्र और समाज के लिए अपना सर्वस्व अर्पण करने का आह्वान किया है।

रीट-2024 सभी 41 जिलों में होगी, बोर्ड ने शुरू की तैयारियां

निरस्त हुए नौ जिलों में नहीं बनेंगे सेंटर, महिला अभ्यर्थी गृह जिले में देंगी परीक्षा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश के नवगठित नौ जिले रद्द होने के फैसले के बाद रीट2024 के आयोजन को लेकर राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अलर्ट मोड पर आ गया है। जिन नौ जिलों को राज्य सरकार ने रद्द किया, उनमें सेंटर नहीं बनाया जाएगा। उन जिलों से आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को अब गृह जिला संशोधन का मौका दिया जाएगा। पहली बार प्रदेश के सभी 41 जिलों में सेंटर बनाए जाएंगे। इस बार महिला अभ्यर्थियों का सेंटर उनके गृह जिले में ही दिया जाएगा। बोर्ड की कोशिश रहेगी कि पुरुष अभ्यर्थियों को भी गृह जिला ही मिले। अगर ऐसा नहीं भी हुआ तो पास ही का जिला आवंटन किया जाएगा। जिन अभ्यर्थियों को गृह जिले से संबंधित आशंका है, उन्हें करेक्शन का अवसर भी दिया जाएगा। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से रीट का आयोजन जिला मुख्यालयों पर ही कराया जाता रहा है। साल 2022 में भी 33 जिलों में सेंटर बनाए गए थे। अब इस बार सरकार ने 50 की जगह जिलों को घटाकर 41 कर दिया। ऐसे में परीक्षा का आयोजन 41 जिलों में ही होगा।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सचिव और रीट के समन्वयक कैलाश चंद्र शर्मा ने बताया कि सभी कलेक्टर व मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी से परीक्षा सेंटरों की सूची 5 जनवरी तक मांगी है। सरकार ने राज्य में जिले 41 ही रखे हैं तो परीक्षा भी उसी अनुसार 41 जिलों में ही करवाई जाएगी। जिला स्तर पर भी रीट के लिए कमेटियों का गठन किया गया है। जिला कलेक्टर की अध्यक्षता वाली इन कमेटियों में 10 मेंबर है। अब तक लेवल वन में 66 हजार 662, लेवल टू में एक लाख 60 हखार 395 और दोनों ग्रुप में 19 हजार 620 ने आवेदन किया हैं। इस प्रकार यह संख्या करीब 2.5 लाख के करीब है। सेंटरों की संख्या रीट में आने वाले आवेदन की संख्या के आधार पर तय होगी।

मात्र 42 दिनों का समय

स्टूडेंट्स को एग्जाम की तैयारी का समय पिछली बार से कम मिलेगा। 16 दिसंबर से आवेदन की प्रक्रिया शुरू हुई, जो 15 जनवरी तक चलेगी। एग्जाम 27 फरवरी को होगा। आवेदन करने की लास्ट डेट से एग्जाम डेट में 43 दिन का समय है। 2022 में हुई परीक्षा में 70 दिन मिले थे। इसी प्रकार 2017 में 72 दिन, 2021 में 229 दिन मिले थे। इस बार बीएड-डीएलएड प्रथम वर्ष के विद्यार्थी भी रीट दे सकेंगे। अब तक रीट वही विद्यार्थी दे सकता था, जिसने या तो बीएड-डीएलएड पास कर ली हो या बीएडडीएलएड के अंतिम वर्ष में अध्ययनरत हो।

जयपुर को नए साल पर मिलेगा हैरिटेज का मेयर! 24 नाम फाइनल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजधानी जयपुर में हैरिटेज सरकार का 'मंत्रिमंडल' नए वर्ष में सामने आने की उम्मीद है। पिछले दस दिन से तैयारी चल रही है। पहले भाजपा विधायकों, विधानसभा चुनाव लड़ चुके प्रत्याशियों व महापौर ने पार्षदों के नाम पर एक राय बनाई। इसके बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और स्वायत्त शासन विभाग के मंत्री झाबर सिंह खर्रा को सूची सौंपी गई है। 24 पार्षदों के नाम चेयरमैन पद के लिए निगम से सरकार-संगठन को भेजे गए हैं। प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा एक दौर की चर्चा भी कर चुके हैं। हैरिटेज निगम में बोर्ड बनने के बाद समितियों का गठन नहीं हो पाया है। अब महापौर भी भाजपा से हैं और राज्य में सरकार भी भाजपा की है। ऐसे में उम्मीद है कि चेयरमैन के नामों की घोषणा हो जाएगी।

कांग्रेस पार्षदों को भी इंतजार

अपनी महापौर का विरोध करने वाले कांग्रेस पार्षद मनोज मुद्गल, दशरथ सिंह शेखावत, उत्तम शर्मा सहित अन्य पार्षदों को चेयरमैन बनने की उम्मीद है। इसके लिए ये पार्षद लामबंद भी हैं।

कुसुम को बनाया गया था कार्यवाहक महापौर

भ्रष्टाचार के आरोप के चलते मुनेश गुर्जर के निलबंन के बाद हैरिटेज निगम की दूसरी महिला मुखिया के रूप में कुसुम यादव को चैयरमेन बनाया गया था। कुसुम यादव को 60 दिनों के लिए कार्यवाहक महापौर नियुक्त किया गया था।

भक्तों को ज्यादा देर तक दर्शन देंगे गोविंद देवजी

जयपुर @ जागरूक जनता। अंग्रेजी नववर्ष-2025 के दिन बुधवार को ठाकुरजी भक्तों को ज्यादा देर तक दर्शन देंगे। आज (1 जनवरी) मंगला झांकी प्रातः सवा चार से साढ़े पांच बजे तक खुली रहेगी। मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि दोनों दिन दर्शनार्थियों की संख्या कई गुणा बढ़ जाती है इसलिए समय बढ़ाया गया है। अभी मंगला झांकी मात्र पंद्रह मिनट खुली रहती है। ज्यादातर लोग साल के पहले दिन की शुरुआत ठाकुरजी के दर्शन से करना चाहते है। इस दिन इस झांकी में सर्वाधिक संख्या में लोग दर्शन करने आते हैं।

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने वर्ष 2024 के कार्यो की ली समीक्षा बैठक

नई प्रेरणा के साथ शहर को स्वच्छ, सुन्दर बनाने के करेंगे बेहतर प्रयास

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने मंगलवार को निगम मुख्यालय पर वर्ष 2024 के कार्यो की समीक्षा बैठक ली। बैठक में आयुक्त रूकमणि रियाड़, चैयरमेन लक्ष्मण नूनीवाल, विनोद चौधरी, जोन एवं मुख्यालय उपायुक्त, अधिशाषी अभियन्ता मौजूद रहे। महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने बैठक में रैन बसेरे, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था, सड़कों के पेचवर्क के कार्य इत्यादि पर संबंधित अधिकारियों से चर्चा की। महापौर ने बताया कि पूरे साल भर के कार्यो की समीक्षा की गई और साल में जो अच्छे कार्य हुये जिन अधिकारियों ने अच्छे काम किये है उनको शाबाशी भी दी गई है और जिन कामों में कमियां है उनको सुधार करके वर्ष 2025 में नये संकल्प, नई प्रेरणा के साथ नगर निगम ग्रेटर, जयपुर शहर को अधिक स्वच्छ बनाने के लिये और सुन्दर बनाने के लिये आमजन की समस्याओं का निस्तारण करने के लिये कार्य करेंगा

जयपुर के अजमेरा ऑक्सीजन गैस प्लांट में लीकेज, 200-300 मीटर तक गैस का हुआ रिसाव

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान की राजधानी जयपुर के वीकेआई रोड नंबर- 18 स्थित अजमेरा ऑक्सीजन गैस प्लांट में मंगलवार शाम गैस रिसाव की घटना सामने आई। बताया जा रहा है कि प्लांट के 29 टन वाले ऑक्सीजन टैंकर का बल्ब टूट गया था, जिसकी वजह से 200-300 मीटर तक ऑक्सीजन का रिसाव हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस, सिविल डिफेंस और एंबुलेंस की टीमें मौके पर पहुंचीं। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को काबू किया और प्लांट में गैस रिसाव को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई की। रिसाव के कारण किसी भी प्रकार की जनहानि की खबर नहीं है। फिलहाल ऑक्सीजन की सप्लाई को प्लांट में बंद कर दिया गया है।

ऑल इण्डिया टी-20 प्रीमियर लीग 2024

राजस्थान ज्यूडिसियल एम्पलोईज टीम ने जीती लीग

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान ज्यूडिसियल एम्पलोई एसोसियेशन जयपुर के तत्वाधान में आयोजित 26 दिसम्बर से 5 दिवसीय ऑल इंडिया टी-20 प्रीमियर लीग 2024 के फाइनल मैच में राजस्थान ज्यूडिसियल एम्पलोईज टीम विजयी रही।

लीग का आयोजन राजस्थान न्यायिक कर्मचारी संघ के अध्यक्ष नरेन्द्र यादव, मुख्य संरक्षक बद्रीलाल चौधरी, स्पोर्ट्स सेक्रेटरी कपिल दीक्षित, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुगर सिंह गुर्जर सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारी की उपस्थित में किया गया। फाइनल मैच राजस्थान ज्यूडिसियल एम्पलोई टीम बनाम दिल्ली हाईकोर्ट टीम राजस्थान ज्यूडिसियल एम्पलोईज टीम के बीच खेला गया। मैन ऑफ दा मैच रोनी चौधरी को दिया गया। विजेता टीम को मुख्य अतिथि न्यायाधिपति अशोक कुमार जैन, राजस्थान उच्च न्यायालय ने प्रतिभागियों को पुरूस्कार प्रदान किए।

नगरीय निकाय उपचुनाव दिसंबर 2024 -जनवरी 2025
नगरीय निकाय उपचुनाव क्षेत्रों में मतदान दिवस पर

सार्वजनिक अवकाश घोषित करने के लिए जिला कलक्टर अधिकृत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश के 9 जिलों के 9 नगरीय निकायों के रिक्त पदों पर होने वाले उपचुनावों के लिए मतदान दिवस 9 जनवरी 2025 को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने के लिए जिला कलेक्टर को अधिकृत किया गया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन (ग्रुप-2) विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदेश के 9 जिलों बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, दौसा, हनुमानगढ़, जयपुर, झालावाड़, जोधपुर ग्रामीण, सवाई माधोपुर एवं सीकर में 9 नगरीय निकायों के रिक्त पदों पर उप चुनाव माह दिसंबर 2024 एवं जनवरी 2025 में करवाए जा रहे हैं। इन नगरीय निकायों में मतदान 9 जनवरी, 2025 गुरुवार को होगा। अतः मतदान दिवस को संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में सार्वजनिक अवकाश घोषित करने के लिए संबंधित जिला कलेक्टर (जिला निर्वाचन अधिकारी) को अधिकृत किया गया है। साथ ही पुनर्मतदान की स्थिति में जहां पुनर्मतदान होगा उस क्षेत्र में पुनर्मतदान की तिथि को भी सार्वजनिक अवकाश घोषित करने के लिए भी संबंधित जिला कलेक्टर (जिला निर्वाचन अधिकारी) को अधिकृत किया गया है।

सम्पादकीय

धर्म की समझ, संघ प्रमुख का अहम संदेश

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अमरावती में धर्म के नाम पर गलतफहमियों और अत्याचारों पर चिंता जाहिर की। वह कहते हैं कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण अच्छा है पर हर जगह मंदिर पर विवाद खड़ा करना ठीक नहीं है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने अमरावती में एक कार्यक्रम के दौरान जो कुछ कहा, वह बात हालिया घटनाओं की रोशनी में खासी अहम हो जाती है। उन्होंने कहा कि दुनिया में धर्म के नाम पर जितने भी अन्याय,अत्याचार होते हैं उनके पीछे धर्म की गलत समझ काम कर रही होती है। बीते सप्ताह ही RSS प्रमुख ने यह भी कहा था कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण होना अच्छी बात है, लेकिन जगह-जगह मंदिर के विवाद खड़े करना ठीक नहीं है। संघ प्रमुख के इन बयानों के पीछे छिपी गंभीर चिंता को समझे जाने की जरूरत है।

संघ प्रमुख ने बिल्कुल ठीक कहा कि धर्म बड़ा जटिल विषय है और इसे समझने में अक्सर गलती होने की आशंका रहती है। कब धर्म की उदार वृत्ति पर संप्रदाय विशेष की संकीर्ण दृष्टि काबिज हो जाती है और कब धार्मिक समावेशिता को सांप्रदायिक कट्टरता ढक लेती है, यह कई बार समझ में नहीं आता। भारतीय उपमहाद्वीप के संदर्भ में देखा जाए तो बांग्लादेश में हाल के सत्ता परिवर्तन ने कैसे समाज को कट्टरपंथी तत्वों के चंगुल में ला दिया, यह सबके लिए सबक हो सकता है। ऐसे उदाहरण दुनिया के दूसरे हिस्सों में भी देखने को मिलते हैं। एक धर्म विशेष के नाम पर पिछले कुछ दशकों में दुनिया भर में आतंकवाद का जैसा खौफनाक अभियान चला, उसे उस धर्म की सही समझ का उदाहरण कतई नहीं माना जा सकता। लेकिन संघ प्रमुख की बातें सिर्फ दूसरे देशों के संदर्भ में नहीं कही गई हैं। धर्म की गलत व्याख्या के कारण 'सबका साथ, सबका विकास' का अजेंडा पीछे छूटने का खतरा अपने देश में भी कम नहीं है। इसी खतरे की ओर संकेत करते हुए संघ प्रमुख ने कहा है कि जगह-जगह मंदिर का विवाद खड़ा करना ठीक नहीं है। विविधताएं हमारा वर्तमान तो हैं ही, ये हमारे अतीत का भी हिस्सा रही हैं। अलग-अलग धर्म, संस्कृति से जुड़े लोग यहां आते रहे, शुरुआती मतभेद और कड़वाहट दफन करते हुए विशाल भारतीय संस्कृति में घुलते-मिलते रहे। तभी इन विविधताओं के बीच एकता के मजबूत सूत्र विकसित हुए। देश भर में ऐसे हजारों श्रद्धाकेंद्र हैं जहां एक से अधिक धर्मों के चिह्न, संकेत, सबूत ढूंढे जा सकते हैं। इस आधार पर वर्तमान में विवाद खड़ा करना हमें कहीं नहीं ले जाएगा। इसी खतरे से बचने के लिए कानून के जरिए यह तय किया गया कि देश की आजादी के वक्त जिस पूजा स्थल का जैसा स्वरूप था, उसे अंतिम मान लिया जाए। अब चाहे जिस किसी भी बहाने से ऐसे विवाद खड़े किए जाएं, वे सामाजिक समरसता के लिए ठीक नहीं होंगे और देश के विकास में बाधा बनेंगे।

नया साल हमें नई शुरुआत का बहाना देता है। यह उसका दूसरा फायदा है। यह एक स्टार्टिंग लाइन बन जाता है, जिसके बाद 12 महीनों के लिए गोल सेट किए जा सकते हैं, डेडलाइन तय की जा सकती है और दीवार पर लटके कैलंडर के जरिए टारगेट को हासिल होता हुआ नापा जा सकता है।

भविष्य का अछूता टुकड़ा

शुभम वर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

वर्ष 2024 चला गया और 2025 का आगाज हो गया। लेकिन वह क्या चीज है जो एक सेकंड को दूसरे से, एक दिन को दूसरे दिन से और एक साल को दूसरे साल से अलग करती है? कुछ नहीं। टाइम एक बिना जोड़ का धागा है अनंत तक पसरा हुआ, वे हम हैं, जो इसे अपनी सहूलियत के लिए टुकड़ों में बांटते हैं, उन्हें कोई अच्छा-सा नाम देते हैं और उन पर अपनी पसंद टिकाते हैं।

फिर भी आइए, एक साल को विदा कर दिया और नए साल की खुशियों में शामिल हो गए, क्योंकि सबसे अच्छा यही है जो हम कर सकते हैं। यही हमारे पुरखों ने किया, जब उन्होंने जिंदगी को बरसों में बांटा। आप वक्त को यों ही भटकने नहीं दे सकते- किसी जंगली घोड़े की तरह, उसे अनाम, अरूप नहीं छोड़ सकते, क्योंकि तब वह आप पर हावी हो जाएगा, बरसों की दूरियां अनंत में तब्दील हो जाएंगी। उसे दुश्मन बनने से रोकना है तो उसे बांट देना होगा, टुकड़ों का मुकाबला करना आसान है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वक्त के खिलाफ जंग में मुब्तिला रहना ही इंसान का शगल हो। आखिर खुशियां भी इसी वक्त में लिपटी आती हैं, इसलिए वक्त के होने का अहसास किया जाता है- उसके बीतने को याद करके, जाने का जश्न और आने का उत्सव मना कर।

ऐसा नहीं है कि हमेशा वक्त ही हमारे साथ खेलता हो, हम भी उसके साथ खेलते हैं। यह ताकत इंसान को ही मिली है, जो उसे देवताओं की संतान और बाकी जीवों का राजा बनाती है।

ऐसा नहीं है कि हमेशा वक्त ही हमारे साथ खेलता हो, हम भी उसके साथ खेलते हैं। यह ताकत इंसान को ही मिली है, जो उसे देवताओं की संतान और बाकी जीवों का राजा बनाती है।

नए साल के दो पहलू हैं- एक, उससे जुड़ी धार्मिकता और दूसरे, कुदरत का चक्र । हर धर्म का अपना-अपना बरस है और बरस का पहला दिन हर जगह नई उम्मीद, खुशी और त्योहार का दिन बनता है। माना जाता है कि आज से एक नई शुरुआत होने जा रही है, जब देवताओं को खुश करने का एक और मौका हमें मिलेगा। लेकिन जैसा कि आप जानते हैं, सभी धर्म प्रकृति पूजा से निकले हैं, इसलिए साल का आगाज किसी कुदरती वाकये से भी जुड़ा होता है, जैसे सीजन में बदलाव, बड़ी कुदरती घटनाएं (बाढ़ या सूखा) और सूरज-चांद की बदली चाल। साल का रूप पहले जो भी रहा हो, यह पता होने के बाद उसने ठोस शक्ल अख्तियार कर ली होगी कि इतने दिन में कुदरत बदलाव का एक चक्कर पूरा कर लेती है। इस तरह 365 दिनों का सौरवर्ष बना, हालांकि यह समझने में काफी अरसा लगा कि इस दौरान धरती ने सूरज का एक चक्कर लगा लिया है। इस बरस की शुरुआत तो कहीं से भी हो सकती थी। कहते हैं कि पहले मार्च में कभी साल शुरू होता था, लेकिन फिर वह तारीख 1 जनवरी मान ली गई, जिसका रिश्ता जीसस के पैदा होने के आठ दिन गुजर जाने से है। यह कुदरती हो रहे बरस पर आस्था के लेवल लगाने का मामला है। मानवीय इतिहास ऐसे ही एक्सचेंज की कहानी है।

यह लेवलिंग कई तरह के प्रैक्टिकल फायदे दिलाती है। पहला और सबसे चालू फायदा तो यही कि हम न्यू ईयर्स डे का इस्तेमाल एक टैग की तरह करते हुए अपनी जिंदगी में कुछ फर्क ला सकते हैं। यही वजह है कि न्यू ईयर रेजोल्यूशन का चलन सारी दुनिया में है और काफी जोरदार है। नए साल को हाजिर-नाजिर मानकर अपने आप से किया गया यह वादा एक पवित्र, लेकिन अधार्मिक गरिमा हासिल कर लेता है, जिसके नैतिक दबाव से पार जाना हम मुश्किल समझते हैं। इस दिन ज्यादातर लोग अच्छा बनने, फिट रहने, परिवार के साथ ज्यादा वक्त बिताने या अधूरे काम पूरे करने की हलफ उठाते हैं। उनमें से ज्यादातर पूरी नहीं होतीं, लेकिन तो भी मुझे यकीन है कि दुनिया को भला बनाए रखने में नए साल का हाथ जरूर रहता होगा।

नया साल हमें नई शुरुआत का बहाना देता है। यह उसका दूसरा फायदा है। यह एक स्टार्टिंग लाइन बन जाता है, जिसके बाद 12 महीनों के लिए गोल सेट किए जा सकते हैं, डेडलाइन तय की जा सकती है और दीवार पर लटके कैलंडर के जरिए टारगेट को हासिल होता हुआ नापा जा सकता है।

तीसरा फायदा है वक्त को मैनेजेबल बना लेगा, उसके लगातार गुजरते पलों में तरतीब लाना। यह सिर्फ एक अमूर्त सोच नहीं है, जिसका जिक्र मैंने शुरू में किया, यह एक लाइफ टूल भी है। टाइम का ट्रैक न रखें तो बहुत जल्द वह काबू से बाहर निकल जाता है, चीजें इस कदर गड्ड-मड्ड हो जाती हैं कि फिर उनके साथ बहने के अलावा कुछ नहीं सूझता, जबकि कामयाबी का राज यही है कि वक्त की लगाम ढीली न होने दी जाए। आखिर इतना कुछ किया जाना होता है कि वक्त कभी पूरा नहीं पड़ेगा, अगर आप उसे इस्तेमाल करना नहीं जानेंगे।

ये कैसा नववर्ष आया, विश्व पर युद्ध का साया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

संपूर्ण विश्व में कड़वाहट अनवरत रूप से बढ़ती जा रही है एक दूसरे को शिकस्त देते हुए मानवता के ह्रास के लिए विश्व आतुर खड़ा दिखाई दे रहा है। चारों ओर जहां नववर्ष का अभिनंदन करने को पलक पावड़े बिछाकर इंतजार किया जा रहा है वही युद्ध की छाया संपूर्ण विश्व को सहमा रही है। पहले यूक्रेन जला तो रुस भी बहुत पीछे चला गया। उसके बाद जब गाजा पट्टी में हमास और इजरायल उलझे तो मानवता और विकास दोनों का बहुत बड़ा ह्रास हुआ। ईरान और इजरायल के उलझने की संभावनाएं बड़ी तीव्रता के साथ बढ़ रही थी तो सीरिया जॉर्डन व यमन सुलगने लग गए।अब नया ही फंदा अफगानिस्तान व पाकिस्तान का लगने वाला है तो अमेरिका की भागीदारी सभी जगह सुनिश्चित हो रही है। छोटा सा देश बांग्लादेश भारत को उकसा रहा है ड्रेगन अलग ही कुटिल चाल चलने की तैयारी कर रहा है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि जैसे भगवान ने इस इंसान को बना कर बहुत बड़ी भूल की हो। आदिकाल से मानव लड़ता झगड़ता चला आ रहा है पहले यह पत्थरों से लड़ता था फिर धीरे-धीरे हथियारों तलवारों, भालों आदि का विकास होने लगा, हथियारों के विकास ने जब उन्नति की गति पकड़ी तो बंदूक,तोप-गोले आदि का युग आता चला गया। अब तो उससे भी कुछ आगे बढ़कर मिसाइल के साथ युद्ध हो रहा है। जो की संपूर्ण मानवता के लिए बहुत ही घातक है। विकास के चरम पर पहुंचने के बाद युद्ध लड़ने की शैली में भी परिवर्तन हुआ है। मिसाइल के साथ-साथ जैविक युद्ध और उससे भी ऊंचा परमाणु युद्ध की संभावनाएं अति प्रबलता के साथ आगे बढ़ रही हैं। किसी भी धर्म ग्रंथ में यह नहीं कहा गया की आप हिंसा का मार्ग अपनाओ, युद्ध की ओर अग्रसर हो,एक दूसरे का संहार करो, तो फिर मानव में इन गुणों का विकास क्यों हुआ? क्यों मानव एक दूसरे के खून का प्यासा नजर आता है? क्यों एक दूसरे पर राज करने की परिणति का विकास हो रहा है?

यतेन्द्र पाण्डेय
पत्रकार
@jagrukjanta.net

खैर प्रश्न विचारणीय है किंतु जवाब शायद शून्य है। इस शून्यता में भी यदि थोड़ा सा भी मंथन करें तो यह बात जरूर जहन में आएगी क्या युद्ध से कभी किसी का भला हुआ है? क्या युद्ध से विकास संभव हुआ है? क्या युद्ध के दौरान किसी भी देश ने उन्नति की है? युद्ध हमेशा विनाश करता है और भविष्य के लिए दुखों का सागर छोड़ जाता है। एक ऐसी पीड़ा पीछे रह जाती है जिसे आने वाली पीढ़ियों को भी भुगतना पड़ता है। ऐसा लगता है कि वर्ष 2025 और भी मानवता के लिए घातक होने वाला है।खैर ऊपर वाला सद्बुद्धि प्रदान करें विश्व शांति की ओर अग्रसर हो यही हमारी भावना है।

यूं चुनें बच्चे के लिए नर्सरी स्कूल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

क्या आप चाहते हैं कि आपके बच्चे का एडमिशन एक बढ़िया स्कूल में हो? उस स्कूल में न केवल पढ़ाई का स्तर ऊंचा हो, बल्कि खेलकूद और दूसरी एक्टिविटीज में भी बच्चे को पूरा मौका मिले?

प्रतिभा मिश्रा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

कोई भी अभिभावक इन सवालों का जवाब 'ना' में नहीं देगा। हमारे देश में बढ़िया स्कूल को उज्ज्वल भविष्य की नींव माना जाता है। यही वजह है कि जहां IIT और IIM में दाखिले के लिए कड़ा कॉम्पिटीशन होता है, वहीं नर्सरी में एडमिशन की दौड़ भी कम कड़ी नहीं होती। पिछले साल प्रदेश में हजारों से अधिक स्कूलों में लाखों बच्चों का एडमिशन हुआ। महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में एक सीट के सैंकड़ों आवेदन आए। इसी से अंदाजा लगा सकते हैं कि एक-एक सीट के लिए कितनी कड़ी प्रतिस्पर्धा थी और कितने सारे अभिभावकों को अपने बच्चों के लिए पसंद का स्कूल नहीं मिला होगा। एडमिशन एक जंग की तरह है और इसकी तैयारी फॉर्म भरने से भी महीनों पहले से होने लगती है। अभिभावक जान-पहचान वालों से स्कूलों के बारे में पता करना शुरू कर देते हैं। नर्सरी स्कूल चुनने के लिए उन्हें कुछ पॉइंट्स को ध्यान में रखना चाहिए, जिससे उनकी तलाश आसान हो जाएगी।

स्कूल जितना पास हो, उतना ही अच्छा। इससे आपका भी समय बचेगा और बच्चे का भी। बच्चे को थकान कम महसूस होगी। ट्रांसपोर्ट खर्च बचेगा। शिक्षा विभाग के नियमों के अनुसार, स्कूल के पास रहने वाले बच्चों को एडमिशन में प्राथमिकता मिलती है। यह जांचना बेहद जरूरी है कि हर साल कितनी फीस देनी पड़ेगी। अपनी इनकम का ख्याल रखते हुए ही स्कूल का चुनाव करें। महंगे स्कूल शुरुआत में कुछ वक्त अच्छे लगते हैं, लेकिन फिर उनकी फीस के कारण घर का बजट बिगड़ने लगता है। यह फीस भी हर साल बढ़ती जाती है। साथ में, पढ़ाई से जुड़े दूसरे खर्चे भी होते हैं। याद रखिए, जरूरी नहीं कि ज्यादा फीस देने पर पढ़ाई भी अच्छी मिले।

स्कूल चुनते समय पता करें कि वहां पढ़ाई कैसी होती है, उसकी रेपुटेशन कैसी है। इसके लिए आसपास के लोगों से राय ले सकते हैं। अगर ऐसे अभिभावक से परिचय हो, जिनके बच्चे उस स्कूल में पढ़ रहे हों या पढ़ चुके हों, तो उनसे जरूर पूछना चाहिए। यह पहले ही पता कर लेना चाहिए कि पढ़ाने के कौन-से आधुनिक तरीकों का इस्तेमाल उस स्कूल में किया जाता है। इंटरनेट, वाइटबोर्ड, प्रोजेक्टर वगैरह के जरिये पढ़ाई होती है या नहीं, स्मार्ट क्लास है या नहीं। नई शिक्षा नीति भी बच्चों को नए तरीकों से पढ़ाने पर जोर देती है। स्कूल के बुनियादी ढांचे जैसे कि इमारत, खेल के मैदान, कक्षाओं, कंप्यूटर लैब, एम्फीथियेटर वगैरह के बारे में जानकारी हासिल करें। स्कूल ऐसा होना चाहिए, जिसमें बच्चों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान दिया जाए। यह भी जानना जरूरी है कि स्कूल में पढ़ाई पर कितना जोर है और खेलों पर कितना, हर साल कितनी और किस तरह की इवेंट होती हैं, कहीं कोई अतिरिक्त फीस तो नहीं ली जाती, आखिरी बार फीस कब बढ़ाई गई थी और क्या इस बारे में पैरेंट्स को बताया गया था। सीखने की शुरुआत घर से होती है। स्कूल से ज्यादा बच्चा घर पर वक्त बिताता है, तो उसमें सीखने की आदत घर से डालें। उसे खुश रहना और सवाल पूछना सिखाएं। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का कहना था कि, 'एक छात्र में सबसे महत्वपूर्ण गुण यह है कि वह बिना घबराए अपने अध्यापक से सवाल पूछे।' जब बच्चा खुशी-खुशी स्कूल जाएगा और वहां बिना हिचक के सवाल पूछ सकेगा, तो उसमें पढ़ाई के प्रति उत्सुकता बनी रहेगी। सबसे ज्यादा जरूरी यही है कि बच्चा स्कूल जाने के लिए शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से तैयार हो।

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

वे ही इसमें व्याप्त हो रहे हैं और स्वयं वे ही इसके रूप में प्रकट हो रहे हैं। यह सब होने पर भी वे इस संसार और इसके कारण प्रकृति से सर्वथा परे हैं। यह विश्व प्रपंच उन्हीं की माया से उनमें अध्यस्त है। यह कभी प्रतीत होता है तो कभी नहीं, परन्तु उनकी दृष्टि ज्यों की त्यों एक सी होती रहती है। वे इसके साक्षी हैं और उन दोनों को ही (विश्व प्रपंच और माया) देखे रहते हैं। वे सबके मूल हैं और अपने मूल भी वही हैं। कोई दूसरा उनका कारण नहीं है। वे ही समस्त कार्य और कारणों से अतीत हैं। प्रलय के समय लोक, लोकपाल और इन सबके कारण सम्पूर्ण रूप से नष्ट हो जाते हैं। उस समय केवल अत्यंत घना और गहरा अंधकार ही अंधकार रहता है। परन्तु अनन्त परमात्मा उससे सर्वथा परे विराजमान रहते हैं। उनकी लीलाओं का रहस्य जानना बहुत ही कठिन है। वे नट की भांति अनेक वेष धारण करते हैं। उनके वास्तविक स्वरूप को न ेात देवा जानते हैं और न ऋषि ही। कोई भी उसका वर्णन नहीं कर सकता। जिनके परम मंगलमय स्वरूप का दर्शन करने के लिए महात्मागण संसार की समस्त आसक्तियों का त्याग कर देते हैं, ब्रह्मचर्य आदि अनेक व्रतों का पालन करते हैं तथा अपने आत्मा को सबके हृदय में विराजमान समझकर स्वाभाविक ही सबकी भलाई करते हैं। न उनके जन्म कर्म हैं और न नाम रूप। **क्रमशः**

समसामयिक

आओ नूतन वर्ष मना लें

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

गृह विहीन बन वन प्रयास का,
तप्त आंसूओं, तप्त श्वास का,

एक और युग बीत रहा है,आओ इस पर हर्ष मना ले,आओ नूतन वर्ष मना लें।

नविता
पत्रकार
@jagrukjanta.net

यूं तो विश्व में नया साल अलग-अलग दिन मनाया जाता है लेकिन अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार 1 जनवरी से नए साल की शुरुआत मानी जाती है और नए कैलेंडर दीवार पर टांगने का जश्न भी मनाया जाता है जनवरी से शुरू होता नया वर्ष हमें उत्साहित करता है नए लक्ष्य नए आइडिया नई उम्मीदें और नए सपनों के लिए।

एक बात की नए साल के शुरुआत में बड़ी चर्चा रहती है- "न्यू ईयर रेजोल्यूशन" यानी नए साल का संकल्प।

नए साल का संकल्प यानी एक ऐसा लक्ष्य जिसे हम अपने लिए निर्धारित करते हैं ताकि हम एक बेहतर इंसान बन सके यह लक्ष्य प्राय स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन के लिए होते हैं। कुछ नए वर्ष के नए संकल्पों से हम अपने जीवन को और बेहतर बना सकते हैं जैसे की-

एक व्यवस्थित दिनचर्या

एक व्यवस्थित दिनचर्या ही आपके जीवन को एक अच्छी दिशा दे सकती है।सही दिनचर्या से दक्षता बढ़ती है और रोजमर्रा के जरूरी कामों को आदत बनाना आसान हो जाता है। अनुशासित दिनचर्या से समय की बचत भी होती है और समय अमूल्य है इसका उपयोग कर आप पिछले वर्ष से बेहतर आर्थिक, सामाजिक और शारीरिक अवस्था में आ सकते हैं।

जीवन शैली में योग का योग बनाएं

जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए योग को जीवन का हिस्सा बनाएं।अब तो योग पद्धति को पाश्चात्य ने भी खुले हृदय से स्वीकार लिया है,तो हम योग से मुंह कैसे फेर सकते हैं।योग शरीर और मस्तिष्क के सामंजस्य के लिए एक महत्वपूर्ण साधन है।योग में शारीरिक मुद्राओं और सचेतन श्वास का संयोजन होता है,जो शरीर को स्वस्थ रखने के साथ मानसिक शांति और तनाव में कमी भी लाता है।

संतुलित आहार बचाएगा बीमारियों से

वर्तमान में जिस तरह की बेलगाम दौड़ में सब दौड़ रहे हैं उसमें संतुलित आहार और संतुलित विचार आपको बचाए रखने में मददगार साबित होंगे नए साल में जंक फूड को सिर्फ चीट मिल यानी (बहुत कम उपयोग किए जाने वाला) का संकल्प और पाचन तंत्र को दुरुस्त रखें।

परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बताएं

भागदौड़ और आर्थिक सुख समृद्धि के लिए हम परिवार के साथ बैठकर उन्हें प्रेम भावना और उनके प्रति कृतज्ञता दिखाने का समय निकालना भूल जाते हैं। परिवार और मित्र जनों के साथ बैठ अच्छा समय बताएं। याद रखें परिवार और मित्र सिर्फ सोशल मीडिया की काल्पनिक दुनिया में ही नहीं वास्तविक जीवन में भी वास करते हैं।

स्क्रीन टाइम को कम करने का संकल्प ले

स्क्रीन टाइम यानी मोबाइल फोन लैपटॉप,कंप्यूटर और टीवी जैसे उपकरणों का उपयोग करने का समय। इन उपकरणों का उपयोग करने की स्पष्ट और यथार्थवादी सीमाएं तय करनी होगी। मोबाइल फोन को शारीरिक रूप से दूर रखने का प्रयास करें खासकर खाना खाते समय,सोने जाने से पहले और योग-व्यायाम करते समय।"ए-आई" के उपयोग के साथ अपनी बौद्धिक क्षमताओं का भी उपयोग करें,क्या पता कब इंटरनेट आपको धोखा दे दे। परंतु आपकी बौद्धिक क्षमताएं आपका हमेशा साथ देगी।

अध्यात्म देगा आंतरिक ऊर्जा

केंद्रित और एकाग्र ध्यान आध्यात्मिक व्यक्ति की पहचान है। चाहे कुछ मिनट के लिए ही सही ईश्वर से मौन रहकर सुंदर जीवन के लिए धन्यवाद दें। शोध से पता चला है कि जो लोग आध्यात्मिक अभ्यास परंपरा से जुड़े होते हैं, वह अधिक लचीले और जीवन के विभिन्न तनाव से बेहतर ढंग से निपटने में सक्षम होते हैं।

इस तरह एक संयमित जीवन शैली अपनाकर नए साल में नई ऊर्जा और चेतना भरे।

जागरूक जनता Selfie विद डॉटर

उदीपति, देवांश डॉटर/सन खुशबू-विक्रम अचार्य, जयपुर

हमे भेजें

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

पंचांग

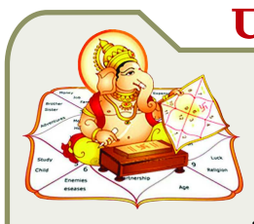

ज्योतिर्विद्
अक्षय शास्त्री
साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 01/01/2025

सूर्योदय : 07:20 **सूर्यास्त :** 17:40 **चन्द्रोदयः** 08:33 **चन्द्रास्त :** 19:07 **शक सम्वत :** 1946 क्रोधी **अमान्ता महीना :** पौष **पूर्णिमांत :** पौष **सूर्य राशि :** धनु **चन्द्र राशि :** मकर **पक्ष :** शुक्ल **तिथि :** द्वितिया, 26:22 तक **वार :** बुधवार **चन्द्रमास पौष :** पूर्णिमान्त **विक्रम सम्वत :** 2081 पिङ्गल **पौष :** अमान्त **गुजराती सम्वत :** 2081 नल

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : उत्तराषाढ़ा, 23:36 तक
योग : व्याघात, 16:59 तक
प्रथम करण : बालवा, 14:53 तक
द्वितिय करण : कौवाला, 26:22 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	05:25 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:52 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	12:04 पी एम से
विजय मुहूर्त	02:08 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	05:32 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	05:35 पी एम से
अमृत काल	07:14 पी एम से
निशिता मुहूर्त	11:57 पी एम से
त्रिपुष्कर योग	3:21 ए एम, जनवरी 1 से

निवास और शूल
दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास : पश्चिम में
होमाहुति : सूर्य
अग्निवास : पाताल, आकाश

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	: 07:19 - 08:36	उद्वेग	: 17:40 - 19:22
अमृत	: 08:36 - 09:54	शुभ	: 19:22 - 21:04
काल काल वेला	: 09:54 - 11:12	अमृत	: 21:04 - 22:47
शुभ	: 11:12 - 12:29	चरः	22:47 - 00:29
रोग वार वेला	: 12:29 - 13:47	रोग	: 00:29 - 02:12
उद्वेग	: 13:47 - 15:04	काल	: 02:12 - 03:54
चर	: 15:04 - 16:22	लाभ	: 03:54 - 05:37
लाभ	: 16:22 - 17:40	उद्वेग	: 05:37 - 07:19

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघड़िया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघड़िया माना जाता है।

आज द्वितीया

आज कौन सा कार्य करें

चतुर्थी, नवमी व चतुर्दशी रिक्ता तिथियां हैं। इनमें कोई भी मांगलिक कार्य नहीं करने चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

पौष, शुक्ल, द्वितीया, 2081 बुधवार, 1 जनवरी - 7 जनवरी, 2025

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

वृषभ ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो

व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

मिथुन क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह

विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

कर्क हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कन्या टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते

संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृश्चिक तो,ना,नी, नू,या,यी,यू

नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे

नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

मकर भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,

परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

कुंभ गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा

नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

मीन दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि

आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

देश का प्रकृति परीक्षण अभियानः एनसीआईएसएम ने जारी किए आंकड़े

एनआईए जयपुर देश में रहा प्रथम

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के चिकित्सकों ने 193.52% की स्ट्राइक रेट के साथ 2,38,609 लोगों का प्रकृति परीक्षण करके प्रथम स्थान प्राप्त किया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। देश के नागरिकों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा "देश का प्रकृति परीक्षण" अभियान के अंतर्गत पूरे देश में आम जन का प्रकृति परीक्षण किया गया। अभियान के अंतर्गत पूरे देश में आयुष मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले संस्थानों द्वारा 26 नवम्बर से 25 दिसम्बर तक किए जाने वाले प्रकृति परीक्षण के आंकड़ों को एनसीआईएसएम द्वारा जारी किया गया। एनसीआईएसएम द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार पूरे देश मे अभियान के अंतर्गत नागरिकों का प्रकृति परीक्षण किया गया। पूरे देश में प्रकृति परीक्षण करने वाले संस्थानों में से जयपुर स्थित राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के चिकित्सकों द्वारा 2,38,609 नागरिकों का प्रकृति परीक्षण करके देश में प्रथम स्थान पर रहा।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा ने बताया आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, एवं भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (NCISM) के सहयोग से राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के चिकित्सकों द्वारा 'देश का प्रकृति परीक्षण

अभियान' के अंतर्गत 26 नवम्बर से 25 दिसम्बर तक आमजन के बेहतर स्वास्थ्य के लिए प्रकृति परीक्षण किया गया। अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर द्वारा 193.52% की स्ट्राइक रेट के साथ 2,38,609 लोगो का प्रकृति परीक्षण करने पर एनसीआईएसएम द्वारा राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान को प्रथम स्थान दिया गया है।

कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा ने संस्थान को प्रथम स्थान मिलने पर कहा "देश के प्रकृति परीक्षण अभियान" के अंतर्गत राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा इतनी बड़ी संख्या में आमजन का प्रकृति परीक्षण करने में संस्थान के चिकित्सको, विद्यार्थियों, अधिकारियों ओर कर्मचारियों की कड़ी मेहनत का परिणाम है, जिसके कारण पूरे देश के आयुष संस्थानों में से राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान को प्रथम स्थान मिला है। कुलपति ने राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के चिकित्सकों के साथ सरकारी एवं निजी संस्थानो, शिक्षण संस्थाओं, समाजसेवी संगठन एवं इस अभियान में जुड़े प्रत्येक व्यक्ति का सहयोग के लिये आभार जताया। कुलपति ने देश का प्रकृति परीक्षण अभियान से जुड़े सभी चिकित्सकों एवं अधिकारियों को धन्यवाद पत्र दिया। उन्होंने बताया इस अभियान के अंतर्गत अपना प्रकृति परीक्षण करवाने वाले लोगों को उनकी दोष-प्रकृति (शारीरिक प्रकृति) को समझने में सहायता मिलेगी और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करेगी।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर से देश का प्रकृति परीक्षण अभियान के नोडल अधिकारी डॉ भानु प्रताप सिंह ने बताया आयुष मंत्रालय भारत सरकार की पहल पर पूरे देश के आयुर्वेद संस्थानों के साथ राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर द्वारा जयपुर के साथ अन्य जिलों में आमजन एवं युवाओं का बड़ी संख्या में प्रकृति परीक्षण किया गया। हमारे अच्छे स्वास्थ्य के लिए हमारे शरीर की प्रकृति को जानना हम सभी के लिये बहुत जरूरी है इसके लिए इस अभियान को चलाया गया है। 26 नवम्बर से 25 दिसंबर तक अभियान के अंतर्गत सरकारी एवं निजी कार्यालय, संस्थानों, सार्वजनिक स्थानो पर आमजन का राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के चिकित्सकों द्वारा प्रकृति परीक्षण करने के साथ उनके स्वास्थ्य से संबंधित सलाह भी दी गई।

जेएलएन मेडिकल कॉलेज, अजमेर के 1999 बैच का एलुमनाई रीयूनियन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। हाल ही में, जेएलएन मेडिकल कॉलेज, अजमेर के 1999 बैच के एलुमनाई ने एक यादगार रीयूनियन का आयोजन किया, जिसमें देश-विदेश से 65 डॉक्टर शामिल हुए। इस आयोजन ने उनके कॉलेज के दिनों में बने मजबूत बंधनों को फिर से जीवित किया, जैसे कि ये अनुभवी चिकित्सक पुराने दिनों को याद करते हुए और प्यारे पलों को फिर से बनाते हुए मिले। इनमें से कई एलुमनाई ने अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है, जिससे उन्हें पहचान और प्रशंसा मिली है। यह रीयूनियन उन्हें फिर से जुड़ने, अनुभव साझा करने और अपने छात्र जीवन की सहयोगिता को फिर से जीने का एक शानदार अवसर प्रदान करता है। इस कार्यक्रम का आयोजन करने वाली समर्पित टीम में डॉ. अंकित बंसल, डॉ. विशाल गुप्ता, डॉ. गोविंद शर्मा, डॉ. रजनीश सिंघल, डॉ. अजय शर्मा, डॉ सुमन कंवर एवं डॉ. वीरेंद्र गुप्ता शामिल हैं। इनके अथक प्रयासों ने सभी उपस्थित लोगों ने एक सुगम और आनंददायक कार्यक्रम के लिए आयोजन समिति को बधाई दी।

छात्रों ने जाने प्रदूषण नियंत्रण जागरूकता के पहलू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने पर्यावरण संरक्षण के बारे में छात्रों की समझ बढ़ाने हेतु सत्र आयोजित किया। सत्र में आरएसपीसीबी के सदस्य सचिव विजय एन. और आरएसपीसीबी के एसीईई भुवनेश माथुर ने भाग लिया, जिन्होंने पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। माथुर ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्राथमिक कार्य के बारे में बताते हुए शुरुआत की, जिसका उद्देश्य उद्योगों में प्रदूषण के स्तर को विनियमित करना और निगरानी करना है, यह सुनिश्चित करना कि व्यवसाय पर्यावरण कानूनों और मानकों का अनुपालन करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पीसीबी वायु, जल और भूमि संसाधनों को नुकसान पहुँचाने वाले प्रदूषकों को नियंत्रित करके पर्यावरण क्षरण को रोकने के लिए काम करता है। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड परमिट जारी करने, निरीक्षण करने और यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है कि कंपनियाँ अपशिष्ट प्रबंधन की ज़िम्मेदारी लें। बोर्ड प्रदूषण से प्रभावित समुदायों के लिए जागरूकता बढ़ाने और समाधान प्रदान करने में भी मदद करता है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने प्रदूषण नियंत्रण में आरएसपीसीबी की नई पहल ग्रीन वॉर रूम के माध्यम से जन भागीदारी के महत्व पर प्रकाश डाला। छात्र और नागरिक सतर्क रहकर, उल्लंघनों की रिपोर्ट करके और अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं का पालन करके एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पीसीबी जैसे संगठनों द्वारा चलाए जाने वाले जन जागरूकता अभियान स्वच्छ पर्यावरण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी बनाने में सहायक होते हैं।

कृषि जोत को करना होगा आधार से लिंक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में खेती की जमीन को फर्जीवाड़े से बेचने, फर्जी तरीके से नामांतरण पर रोक लगाने के लिए सरकार अगले साल से नया कार्य करने पर विचार कर रही है। नए साल से कृषि भूमि को आधार से लिंक किया जाएगा। इसके लिए अभी से तैयारियां शुरू हो गई है। पहले चरण में पटवारियों को प्रशिक्षण दिया जाने लगा है। इसके बाद आधार की तरह खेत की जमीन की एक यूनीक लैंड आईडी बनाई जाएगी, जिसमें उस व्यक्ति की अचल संपत्ति से जुड़ी पूरी जानकारी होगी। लिंक करवाने के लिए किसान को जमाबंदी की नकल, आधार व तथा मोबाइल नम्बर देने होंगे। इसके लिए अलग से शिविर लगाए जाएंगे। हालांकि अभी विस्तृत गाइड लाइन जारी नहीं हुई है। यह अगले साल जारी हो सकती है।

दिल्ली ड्रम सर्कल के तालवादकों द्वारा तबला वादक स्व.जाकिर हुसैन को दी श्रद्धांजली

बीकानेर हाउस के संडे मार्केट में छाई विभिन्न संगीत वाद्यों की गूंज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में हर रविवार को लगने वाली संडे मार्केट में विभिन्न संगीत वाद्यो की गूंज ने उपस्थित आगंतुकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। दिल्ली की गुलाबी ठंड के इस मौसम में सैकड़ों पर्यटकों और आगंतुकों ने संडे मार्केट में आकर विभिन्न मनोरंजक कार्यक्रमों का आनंद लिया।

आवासीय आयुक्त कार्यालय के अधिकारियों ने बताया कि इस साप्ताहिक संडे मार्केट में विभिन्न आयु वर्ग के लोगों के आकर्षण के लिए बीकानेर हाउस को नए वर्ष की थीम के अनुसार सजाया गया था। आगंतुकों के मनोरंजन के लिए प्रसिद्ध दिल्ली ड्रम सर्कल के तालवादकों द्वारा तबलों पर एक विशेष प्रस्तुति आयोजित की। यह प्रस्तुति तबला वादक जाकिर हुसैन को श्रद्धांजलि के रूप में आयोजित की गई थी। इसके अतिरिक्त इस संगीतमय प्रदर्शन में सैक्सोफोन वादक के साथ तालवादकों का एक समूह शामिल था।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष के अंतिम रविवार को आयोजित इस साप्ताहिक बाजार में विभिन्न वर्गों की सैकड़ों की भीड़ और सर्दी की मौसम को देखते हुए विभिन्न प्रकार के व्यंजनों की भी व्यवस्था की गई थी। जिसके स्वाद को सभी लोगों ने खूब सराहा। उन्होंने बताया कि इस बाज़ार में जैविक उत्पाद, बैग, ऊनी कपड़े, टिकाऊ फैशन, कारीगर चॉकलेट, प्राचीन वस्तुएँ और अन्य उत्पादों के स्टॉलों के प्रति लोगों में बाजार के प्रति जबरदस्त उत्साह और उमंग दिखा। उन्होंने बताया कि 10 नवम्बर से शुरू हुए इस साप्ताहिक बाजार में आने वाले पर्यटकों और आगंतुकों की सप्ताह दर सप्ताह बढ़ती संख्या इसकी प्रसिद्धि का प्रमाण है।

सामूहिक विवाह सम्मेलन में शामिल होंगी उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी

जयपुर @ जागरूक जनता। हिंदू युवा वाहिनी के प्रकल्प सनातन सेवा ट्रस्ट के तहत सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। हिन्दू युवा वाहिनी के केशव जी ने बताया कि डिप्टी सीएम दीया कुमारी को कार्यक्रम का निमंत्रण दिया गया है। जिसे उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी जी ने सहर्ष स्वीकार करते हुए कार्यक्रम में आने की अनुमति प्रदान की।

श्री वार्ष्णेय वैश्य खेल महोत्सव 5 को, हाथोज धाम महाराज ने किया पोस्टर विमोचन

जयपुर @ जागरूक जनता। श्री वार्ष्णेय वैश्य स्पोर्ट्स क्लब, जयपुर द्वारा 5 जनवरी को स्पोर्ट्स विला, गली नं.-1ए निर्माण नगर में आयोजित खेलो इंडिया-खेला अभियान के तहत एक दिवसीय श्री वार्ष्णेय वैश्य खेल महोत्सव और सांस्कृतिक आयोजन किया जा रहा है। स्पोर्ट्स क्लब के महामंत्री संजय वार्ष्णेय ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हवामहल विधायक, हाथोज धाम महाराज श्री बालमुकुन्द आचार्य जी होंगे। इस दौरान महाराज श्री द्वारा विजयी प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। इससे पूर्व हाथोज धाम पर महाराज श्री बालमुकुन्द आचार्य जी द्वारा कार्यक्रम का पोस्टर विमोचन भी किया गया। इस दौरान संजय वार्ष्णेय, पत्रकार शिव दयाल मिश्रा, गिरीश वार्ष्णेय, राजीव वार्ष्णेय, पारस, तुलसी व अन्य उपस्थित थे।

शिविर में 61 लोगों ने किया रक्तदान

जयपुर @ जागरूक जनता। मानव समाज सेवा संस्थान राजस्थान, सनराइज फ्रेंड्स सोसाइटी एवं ढन्ड डायबिटीज एसोसिएशन द्वारा न्यू सांगानेर रोड स्थित 70, कटेवा नगर में रक्तदान एवं चिकित्सा जांच शिविर आयोजित किया गया जिसमें 61 लोगों ने रक्तदान किया। इस मौक़े पर ब्लड प्रेशर,ब्लड शुगर,थाइरोइड,बी एम डी, फाइब्रोस्कैन एवम आंखों की जाँच की गई। संस्थान के अध्यक्ष डॉ मुकेश गुप्ता ने बताया कि शिविर में डॉ सुनील ढन्ड,डॉ अजीत सहारण, डॉ प्रवीण कुमार, डॉ जलज मीना ने अपनी सेवाएँ प्रदान की। इस अवसर पर विजय सैनी, दिलखुश मीणा,आशीष पोरवाल, विपिन गुप्ता,काली चरण गुप्ता आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।

एम्प्रेस क्लब ने किया क्रिसमस डे व न्यू ईयर सेलिब्रेशन

जयपुर @ जागरूक जनता। एम्प्रेस क्लब द्वारा बीते दिनों क्रिसमस डे और न्यू ईयर सेलिब्रेशन किया गया। जहाँ बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं। कार्यकम पिंक ट्रीट वैशाली में आयोजित किया गया। कार्यक्र म की आयोजक खुशबू शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर महिलाओं ने खूब मस्ती की। माँ और बच्चों का कांटेस्ट रखा गया जिसमें सबने खूब एन्जॉय किया।

लोगों को कचरे के स्रोत पर पृथक्करण और होम कंपोस्टिंग के महत्व को लेकर जागरूक किया

जयपुर @ जागरूक जनता। नगर निगम ग्रेटर द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वं. श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में 25 दिसम्बर से 31 दिसम्बर 2024 तक स्वच्छता सप्ताह कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसके तहत नगर निगम ग्रेटर द्वारा वार्ड नं. 16, 145, 137, 136 एवं 144 मुरलीपुरा जोन एवं मालवीय नगर जोन में निवासियों को कचरे के स्त्रोत पर पृथक्करण और होम कम्पोस्टिंग के महत्व को लेकर जागरूकर किया गया। अतिरिक्त आयुक्त सीमा कुमार ने बताया कि टीमों ने घरों से निकलने वाले कचरे को सूखे और गीले कचरे को अलग-अलग करने के फायदे साथ ही होम कम्पोस्टिंग की सरल और प्रभावी विधियों की जानकारी भी दी गई। उन्होंने बताया कि टीमों द्वारा किस प्रकार जैविक कचरे से खाद तैयार कर पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने में योगदान दिया जा सकता है।

सुप्रसिद्ध रंगकर्मी प्रो.एमएल गोयल विकल्प संस्था के अध्यक्ष निर्वाचित

जयपुर @ जागरूक जनता। सुप्रसिद्ध रंगकर्मी प्रोफ़ेसर मोहनलाल गोयल को विकल्प नाट्य संस्था का सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया है। उन्होंने 'मीरा नृत्य नाटक' सहित 20से अधिक नाटकों का निर्देशन किया जिनका 25से अधिक स्थानों पर प्रदर्शन हुआ। उन्होंने नृत्य नाटक 'धरती धोरां री' का भी निर्देशन किया,जिसे 2011में मॉरीशस के राष्ट्रपति के सम्मान में प्रस्तुत किया गया था।गोयल को पाँच दशक काशैक्षणिक क्षेत्र में सेवा का अनुभव है। उन्होने क्षेत्रीय निदेशक के रूप में राजस्थान के अग्रणी डीएवी संस्थानों की जिम्मेदारी भी संभाली। उन्हें26 देशों काअंतरराष्ट्रीय और वैधिक अनुभव है। वे भारत और पाकिस्तान में दक्षिण एशियाई बिरादरी और फोरम फॉर पीस एंड डेमोक्रेसी के कार्यकारी सदस्य हैं। प्रो. गोयल ने बताया कि अगले वर्ष मार्च में जवाहर कला केन्द्र में संस्था का भव्य स्वर्ण जयंती समारोह मनाया जाएगा। चुनाव में बीड़ी कृपलानी महासचिव और हरीनारायण कोषाध्यक्ष मुकुन्द अग्रवाल संरक्षक,फारूक आफरीदी, प्रेमचंद गांधी और सुशील गुप्ता सलाहकार,वुजय स्वामी मीडिया प्रभारी चुने गए।

राज्य में लॉजिस्टिक्स हब और नए औद्योगिक नोड्स विकसित करने के लिए राज्य सरकार उपयुक्त स्थानों की कर रही है पहचान

राज्य के औद्योगिक विकास को मिलेगी नई दिशा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के सफल आयोजन के एक महीने के भीतर ही राज्य सरकार राज्य के औद्योगिक विकास को एक नयी दिशा देने में लग गयी है। इसके तहत लॉजिस्टिक्स हब, नए औद्योगिक नोड्स और मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है और इसके लिए राज्य के अंदर मौजूद उपयुक्त भूखंडों की पहचान की जा रही है, ताकि 'ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस' और अच्छा हो सके और निवेशकों को कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। इसके मद्देनजर, उद्योग विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा और रीको के मैनेजिंग डायरेक्टर (एमडी) इंद्रजीत सिंह के नेतृत्व में वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम ने इन परियोजनाओं के लिए रणनीतिक स्थानों की पहचान करने के उद्देश्य से सोमवार को जयपुर के आसपास के औद्योगिक भूखंडों का दौरा किया।

इसके तहत, राज्य सरकार के अधिकारियों ने मांडा, फुलेरा (जो वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरीडोर के पास है) और बिचून औद्योगिक क्षेत्रों का दौरा किया और लॉजिस्टिक्स हब व औद्योगिक क्षेत्रों के विकास से संबंधित परियोजनाओं के लिए इन क्षेत्रों में उपलब्ध विभिन्न भूखंडों की उपयुक्तता का आकलन किया। इसके अलावा, बागावास गांव में लगभग 67 हेक्टेयर भूमि की उपयुक्तता पर भी विचार किया गया। प्रदेश में लॉजिस्टिक्स पार्क और औद्योगिक क्षेत्रों के विकास के लिए राज्य सरकार लगभग 200-250 हेक्टेयर जमीन चिन्हित करने की तैयारी कर रही है। इसके अलावा, अधिकारियों ने मांडा औद्योगिक क्षेत्र का विस्तार प्रस्तावित लैंड एग्रीगेशन पॉलिसी के तहत करने और बिचून औद्योगिक क्षेत्र के तेजी से विकास पर भी विचार किया।

उद्योग विभाग के प्रमुख शासन सचिव श्री अजिताभ शर्मा ने कहा कि नए लॉजिस्टिक्स पार्क और औद्योगिक क्षेत्रों के निर्माण से कारोबार के परिचालन में आसानी होगी और व्यापार की लागत कम होगी। दौसा-बांदीकुई क्षेत्र (जो दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के निकट है) और मांडा एक्सटेंशन (जो वेस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर के निकट है), जो राज्य के दो औद्योगिक क्षेत्र हैं, में विकास और विस्तार की अपार संभावनाएं हैं। बांदीकुई और मांडा औद्योगिक क्षेत्रों में रीको सरकारी जमीन और एकत्रीकरण के जरिए ली गयी निजी जमीनों पर निवेश और लॉजिस्टिक क्षेत्र विकसित करेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुसार व्यापार करने में आसानी बढ़ाने और इन्वेस्टमेंट समिट के समय में हस्ताक्षरित निवेश प्रस्तावों (एमओयू) को परियोजनाओं में बदलने के लिए राज्य सरकार द्वारा हर संभव प्रयास किया जा रहा है। गौरतलब है कि उद्योग विभाग के प्रमुख शासन सचिव शर्मा के नेतृत्व में अधिकारियों के एक दल ने कुछ ही दिनों पहले मुंबई-दिल्ली एक्सप्रेसवे के नजदीक स्थित दौसा-बांदीकुई औद्योगिक क्षेत्र का भी दौरा किया था, ताकि राज्य में एक नया निवेश क्षेत्र स्थापित करने के उपयुक्त भूखंडों की पहचान की जा सके। उद्योग विभाग और रीको के ये प्रयास 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के दौरान किए गए वादों को साकार करने की दिशा में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं, ताकि राजस्थान का औद्योगिक विस्तार और सतत विकास सुनिश्चित किया जा सके।

'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 9 दिसंबर को किया था। मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान 35 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड निवेश प्रस्तावों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

लोक में प्रचलित चिकित्सा पद्धतियों का वैज्ञानिकीकरण करने के प्रमुख उद्देश्य से पाठ्यक्रम किया जा रहा प्रारंभ

आयुर्वेद विवि एवं गौ संवर्द्धन आश्रम, मोकलावास के साथ एम ओ यू के अंतर्गत हो रहा पाठ्यक्रम प्रारंभ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय है जहां अब "स्वस्थ जीवन के लिए स्वावलंबी चिकित्सा का आधारभूत पाठ्यक्रम " शीघ्र ही प्रारंभ किया जा रहा है।जिसमें गौ आधारित-पंचगव्य एवं पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को सिखाया जाएगा। साथ ही लोक में प्रचलित चिकित्सा पद्धतियों का वैज्ञानिकीकरण करने के प्रमुख उद्देश्य से यह पाठ्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है। कुलपति प्रोफेसर प्रजापति ने बताया कि इस अभिनव डिप्लोमा पाठ्यक्रम का उद्देश्य समाज में दो प्रमुख स्तरों पर महत्वपूर्ण कार्य करना है।

बीमारी के मूल कारणों का निवारण

प्राथमिक स्तर पर स्वास्थ्य के जागरूक कार्यकर्ता तैयार किए जाएंगे, जो गांवों और दूर-दराज़ के क्षेत्रों में रोगों के निवारण के लिए परामर्श और सरल उपचार उपलब्ध कराएंगे। इससे अस्पतालों पर भार कम होगा और गंभीर रोगियों को बेहतर उपचार की सुविधा मिल सकेगी।

रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना

यह पाठ्यक्रम आम व्यक्ति को सिखाएगा कि वह कैसे स्वस्थ रहे और बीमारियों से बचे। प्रशिक्षित कार्यकर्ता गांव और छोटे स्थानों पर प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों का उपयोग कर लोगों को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाएंगे।

पाठ्यक्रम के प्रमुख बिंदु

- यह डिप्लोमा पाठ्यक्रम आयुर्वेद, पंचगव्य चिकित्सा, प्राकृतिक चिकित्सा, एक्यूप्रेशर, चुंबक चिकित्सा, और अन्य वैकल्पिक पद्धतियों पर आधारित है।
- 6 माह की अवधि के इस कोर्स में सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ प्रायोगिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। 12 वी परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थी इस कोर्स को कर सकते है।
- प्रशिक्षण के लिए गौ संवर्द्धन आश्रम, मोकलावास के साथ समझौते के आधार पर अभ्यास भी कराया जाएगा।
- यह पाठ्यक्रम गांव आधारित चिकित्सा और ग्रामीण उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देकर रोग-प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने पर केंद्रित है। इससे गांवों और छोटे कस्बों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित होगी।
- पंचगव्य और प्राकृतिक चिकित्सा का प्रचार-प्रसार व्यापक स्तर पर हो सकेगा। पहले से कार्यरत पारंपरिक चिकित्सा विशेषज्ञों को मान्यता और प्रमाणन मिलेगा।
- प्रधानमंत्री जी के "स्वस्थ भारत मिशन" को बल मिलेगा और भारतीय चिकित्सा पद्धतियों को वैश्विक मंच पर स्थापित करने में योगदान होगा।
- यह प्रयास न केवल ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करेगा, बल्कि लोगों में प्रकृति आधारित जीवन शैली अपनाने के प्रति जागरूकता भी बढ़ाएगा।
- आयुर्वेद वि वि प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय होगा जहां अब गौ आधारित -पंचगव्य एवं पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को सिखाया जाएगा।

श्री श्री कृष्ण बलराम करेंगे नए वर्ष पर करेंगे आशीर्वाद की बौछार, निकलेगी शोभायात्रा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। गुप्त वृन्दावन धाम नए वर्ष पर साल का सबसे बड़ा आयोजन करने जा रहा है। श्री श्री कृष्ण बलराम नव वर्ष में जनमानस पर आशीर्वाद बरसाने के लिए गुलाबी नगरी में रथ यात्रा पर निकलेंगे, पूरा जयपुर हरिनाम संकीर्तन की धुन पर भाव विभोर होकर नृत्य करेगा। 2 जनवरी, गुरुवार को दोपहर 3 बजे से जयपुर के गुप्त वृन्दावन धाम की तरफ से शोभा यात्रा का आयोजन होगा, शोभा यात्रा का शुभारम्भ श्री आनंद कृष्ण बिहारी जी के मंदिर से होगा, इसके बाद त्रिपोलिया गेट, चौड़ा रास्ता, बापू बाज़ार, जौहरी बाज़ार, बड़ी चौपड़ से वापसी में त्रिपोलिया बाज़ार, छोटी चौपड़, त्रिपोलिया गेट से होते हुए श्री आनंद कृष्ण बिहारी जी मंदिर पर समाप्त होगी। इस विशेष शोभा यात्रा में पूरे जयपुर शहर से लाखों लोग शामिल होंगे और अपने नए वर्ष की शुरुआत श्री श्री कृष्ण बलराम के आशीर्वाद के साथ करेंगे। गुप्त वृन्दावन धाम की शोभा यात्रा के लिए श्री श्री कृष्ण बलराम के रथ को विशेष रूप से सजाया गया है, इस रथ पर जयपुर के महलों पर दिखने वाली सुनहरी नक्काशी की गई है, रथ की बनावट जयपुर के कारीगरों की द्वारा गई है। श्री श्री कृष्ण बलराम के रथ को बेंगलुरु, दिल्ली, वृन्दावन से मंगवाए विशेष फूलों से सजाया गया है। गुप्त वृन्दावन धाम के अध्यक्ष अमितासना दास ने बताया की नए वर्ष के पहले दिन मंदिर भक्तों के लिए दिन भर खुला रहेगा, उन्होंने बताया की जो व्यक्ति भगवान् श्री कृष्ण को उनके रथ पर देख लेता है वह इस भौतिक जगत में फिर जन्म नहीं लेता।

शर्मा ज्योतिष में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। इंजीनियर कुलदीप शर्मा वैदिक ज्योतिषी और केपी विशेषज्ञ को सनातन ज्योतिष स्थापना और सम्मान समारोह के अवसर पर ऑडिटोरियम साइंस पार्क शास्त्री नगर जयपुर में उनके योगदान के लिए एंजेल स्टार रिसर्च फोंडेशन के संस्थापक डॉ.मनोज कुमार गुप्ता द्वारा सनातन ज्योतिष विस्तार पर उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

सड़क सुरक्षा जागरूकता के लिए चलाया जाएगा विशेष अभियान

सड़क सुरक्षा अभियान के तहत वाहनों का किया जाएगा सघन निरीक्षण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश में नव वर्ष की शुरुआत के साथ पूरी जनवरी सड़क सुरक्षा माह मनाया जाएगा और इस माह के दौरान वाहनों का सघन निरीक्षण भी किया जाएगा। सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाले एवं मोटर व्हीकल एक्ट के तहत नियमों की पालना नहीं करने वाले वाहनों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही परिवहन विभाग द्वारा विशेष पहल कर सड़क सुरक्षा अभियान को जन-जन का अभियान बनाया जाएगा। शासन सचिव एवं परिवहन आयुक्त शुचि त्यागी ने शनिवार को परिवहन भवन में प्रदेश के सभी प्रादेशिक परिवहन अधिकारियों एवं अन्य उच्चाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक कर जनवरी माह में चलाए जाने वाले सड़क सुरक्षा अभियान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अपर परिवहन आयुक्त एवं संयुक्त शासन सचिव रेणु खंडेलवाल, अपर परिवहन आयुक्त सड़क सुरक्षा श्रीमती निधि सिंह, मुख्यालय के उच्चाधिकारी उपस्थित थे। साथ ही पूरे प्रदेश के प्रादेशिक परिवहन अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में भाग लिया।

सड़क सुरक्षा जागरूकता के लिए चलाए जाएं विशेष अभियान

बैठक में परिवहन आयुक्त ने कहा कि हाल ही में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सड़क सुरक्षा के संबंध मे बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए थे। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा संबंधी नियमों का पालन हम सभी की जिम्मेदारी है और यातायात नियमों की पालना के साथ नियमों की जानकारी होना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में सड़क सुरक्षा के लिए 6E एजुकेशन, इंजीनियरिंग, एनफोर्समेंट, इमरजेंसी केयर, इवेल्यूएशन, एन्फोजमेंट आधारित रणनीति के तहत कार्यवाही प्रारंभ की जाए। उन्होंने कहा कि जनवरी से सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएं तथा इसके अन्तर्गत स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। साथ ही, जनसाधारण को ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने कहा कि जागरूकता के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं को न्यूनतम करने का प्रयास जाए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा अभियान को जन-जन का अभियान बनाते हुए सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी भी दी जाए। साथ ही, जनसाधारण को ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

वाहनों का किया जाएगा सघन निरीक्षण

त्यागी ने कहा कि सड़क सुरक्षा माह के दौरान वाहनों का सघन चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान मोटर व्हीकल एक्ट के तहत नियमों की पालना सुनिश्चित न करने वाले वाहनों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी प्रादेशिक परिवहन अधिकारियों को वाहनों के दस्तावेजों की जांच के भी निर्देश दिए। उन्होंने ओवरलोडिंग, ओवरहैंगिंग, ओवरक्राउडिंग आदि के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। वाहनों के फिटनेस प्रमाण पत्र जांच सहित सभी व्यवस्थाएं चाक चौबंद रखने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में बैरिकेडिंग, साइन बोर्ड, स्पीड ब्रेकर, सहित तमाम प्रबंध सुनिश्चित किया जाए जिससे दुर्घटनाओं की रोकथाम की जा सके। अनाधिकृत पार्किंग, सड़कों पर अनाधिकृत कट पर तुरंत कार्रवाई की जाए ताकि दुर्घटना की संभावना को न्यूनतम किया जा सके। उन्होंने जिला प्रशासन से भी इस संबंध में विशेष अभियान चलाए जाने का आह्वान किया। त्यागी ने कहा कि यातायात नियमों की सख्ती से पालना सुनिश्चित की जाए तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

आयोग ने जारी किया वर्ष 2025 में प्रस्तावित परीक्षाओं का कार्यक्रम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा वर्ष 2025 के जनवरी से दिसंबर माह तक आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं का प्रस्तावित कार्यक्रम जारी किया गया है। कार्यक्रमानुसार जनवरी से दिसंबर माह तक 31 भर्तियों के अन्तर्गत कुल 162 परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा। इसमें आयोग द्वारा 210 प्रश्नपत्रों की परीक्षाओं का आयोजन 80 दिवसों में किया जाएगा। आयोग की परीक्षाओं के संदर्भ में विगत समय से अभ्यर्थियों की अपेक्षा रही है कि संघ लोक सेवा आयोग की भांति राजस्थान लोक सेवा द्वारा भी भर्ती परीक्षाओं का कैलेण्डर जारी किया जाए ताकि परीक्षार्थियों को परीक्षा की तैयारी हेतु समुचित समय मिल सके। इसीके दृष्टिगत आयोग द्वारा परीक्षा की प्रस्तावित परीक्षा दिनांक विज्ञापन के साथ अथवा कुछ समय के बाद ही जारी करते हुए नियत कार्यक्रमानुसार परीक्षाओं के आयोजन का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में आयोग द्वारा वर्ष 2025 में प्रस्तावित परीक्षाओं के कार्यक्रम में 10 भर्ती परीक्षाओं की पूर्व में प्रस्तावित दिनांक में संशोधन एवं 7 अन्य भर्ती परीक्षाओं की प्रस्तावित परीक्षा तिथि को सम्मिलित किया गया है। उक्त सभी परीक्षाओं का विस्तृत कार्यक्रम यथासमय जारी कर दिया जाएगा।

आयोग द्वारा घोषित आगामी परीक्षाओं की प्रस्तावित परीक्षा दिनांक

क्र.	परीक्षा का नाम	प्रस्तावित परीक्षा दिनांक
1	असिस्टेंट प्रोसेक्यूशन ऑफिसर (प्रारंभिक) प्रतियोगी परीक्षा-2024	19/01/2025
2	राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी (प्रारंभिक) परीक्षा-2024	2/02/2025
3	लाइब्रेरियन ग्रेड-।। (स्कूल एजुकेशन) प्रतियोगी परीक्षा-2024	16/2/2025
4	आरओ ग्रेड-द्वितीय, ईओ ग्रेड-चतुर्थ प्रतियोगी परीक्षा-2024	23/3/2025
5	एग्रीकल्चर ऑफिसर प्रतियोगी परीक्षा-2024	20/04/2025
6	पीटीआई एंड लाइब्रेरियन (संस्कृत कॉलेज एजुकेशन) प्रतियोगी परीक्षा-2024	4 से 6 मई 2025
7	असिस्टेंट माइनिंग इंजिनियर, जियोलोजिस्ट (माइंस एंड जियोलोजी डिपार्टमेंट) प्रतियोगी परीक्षा- 2024	7/5/2025
8	सीनियर साइंटिफिक ऑफिसर प्रतियोगी परीक्षा-2024	12 से 16 मई 2025
9	असिस्टेंट प्रोफेसर (मेडिकल ऐजुकेशन) प्रतियोगी परीक्षाः वि.सं 18/2024-25	12 से 16 मई 2025
10	पब्लिक रिलेशन ऑफिसर प्रतियोगी परीक्षा-2024	17 /05/ 2025
11	असिस्टेंट प्रोसेक्यूशन ऑफिसर (मुख्य) प्रतियोगी परीक्षा-2024	1 /06/ 2025
12	असिस्टेंट प्रोफेसर (मेडिकल एजुकेशन) प्रतियोगी परीक्षाः वि.सं 23/2024-25	23 जून से 6 जुलाई 2025
13	लेक्चरर एंड कोच- (स्कूल शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा-2024	23 जून से 6 जुलाई 2025
14	टेक्निकल असिस्टेंट (जियोफिजिक्स) प्रतियोगी परीक्षा-2024	7/07/2025
15	बायोकेमिस्ट प्रतियोगी परीक्षा-2024	7/07/2025
16	जूनियर केमिस्ट प्रतियोगी परीक्षा-2024	8/07/2025
17	असिस्टेंट टेस्टिंग ऑफिसर (पीडब्ल्यूडी) प्रतियोगी परीक्षा-2024	8/07/2025
18	असिस्टेंट डायरेक्टर (साइंस एंड टेक्नोलॉजी विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024	9/07/2025
19	रिसर्च असिस्टेंट (मूल्यांकन विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024	10/07/2025
20	डिप्टी जेलर प्रतियोगी परीक्षा-2024	13/07/2025
21	असिस्टेंट फिशरीज डवलेपमेंट ऑफिसर प्रतियोगी परीक्षा-2024	29/07/2025
22	ग्रुप इंस्ट्रक्टर/सर्वेयर/असिस्टेंट अप्रेंटशिप प्रतियोगी परीक्षा-2024	29/07/2025
23	वाइस प्रिंसीपल/सुपरीटेंडेंट आइटीआई प्रतियोगी परीक्षा-2024	30 जुलाई से 1 अगस्त 2025
24	एनालिस्ट कम प्रोग्रामर प्रतियोगी परीक्षा-2024	17/08/2025
25	सीनियर टीचर (माध्यमिक शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024	7 से 12 सितंबर 2025
26	प्रोटेक्शन ऑफिसर प्रतियोगी परीक्षा-2024	13/09/2025
27	सहायक अभियंता (प्रारंभिक) संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2024	28/09/2025
28	सहायक सांख्यिकी अधिकारी (आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024	12/10/2025
29	एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट परीक्षा-2024	12 से 19 अक्टूबर 2025
30	सब इंस्पेक्टर (टेलीकॉम) प्रतियोगी परीक्षा-2024	09/11/2025
31	असिस्टेंट प्रोफेसर (कॉलेज शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024	1 से 12 दिसंबर, 15 से 19 दिसंबर एवं 22 से 24 दिसंबर 2025

गोपालन विभाग ने जारी किए दिशा निर्देश, गौशाला संचालक और गोपालक बरतें विशेष सतर्कता

गौवंशों के शीतकालीन स्वास्थ्य एवं सामान्य प्रबंधन की नियमित करें मॉनिटरिंग

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश की गौशालाओं और डेयरियों में संधारित गौवंश के शीतकालीन स्वास्थ्य एवं सामान्य प्रबंधन के लिए गोपालन विभाग ने एडवायजरी जारी की है। पशुपालन, गोपालन और डेयरी सचिव डॉ समित शर्मा ने दिशानिर्देश जारी करते हुए कहा है कि राजस्थान के शुष्क मरूस्थलीय, मैदानी तथा पठारी क्षेत्रों में अत्यधिक ठंडे तापमान, कम आर्द्रता और सीमित वनस्पति के कारण कठोर सर्दी पड़ती है। इस अवधि के दौरान गौवंश के उचित वैज्ञानिक प्रबंधन से उनके स्वास्थ्य, उत्पादकता और अस्तित्व को सुनिश्चित करने के लिए विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है। इसलिए तीक्ष्ण सर्दी, पाला एवं शीत लहर की स्थिति को देखते हुए गोपालन विभाग गौवंश के लिए शीत ऋतु में प्रबंधन के लिए दिशानिर्देश जारी करता है।

उन्होंने पशुपालकों को सलाह दी है कि वे सर्दी के मौसम में अपने पशुओं का विशेष ध्यान रखें। उन्हें ठंड से बचाने के लिए शेड में रखकर उन्हें चारों तरफ से कंबल या जूट के बोरों से ढकें। गौ आश्रयों को गर्म रखने के लिए सूखी घास, पुआल या अन्य तापरोधी सामग्री का इस्तेमाल करें। उन्होंने बूढ़े, कमजोर एवं छोटे बछड़ों का विशेष ध्यान रखने की सलाह देते हुए कहा कि शीत ऋतु इनके लिए विशेष रूप से कठिन होती है। इसलिए नवजात बछड़ों को दूध पर्याप्त मात्रा में पिलाया जाना चाहिए और उन्हें गर्म रखने के लिए उचित व्यवस्था करनी चाहिए।

डॉ शर्मा ने कहा कि गौवंश के शरीर को गरम बनाए रखने में मददगार सांद्र आहार जैसे चापड़, खल, बांटा, गुड़ आदि ऊर्जा युक्त पशु आहार खिलाना चाहिए। निर्जलीकरण को रोकने के लिए ताजा एवं गुनगुना पानी पिलाना चाहिए और उचित मात्रा में आवश्यकतानुसार पूरक आहार भी खिलाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बीमार गौवंश के लिए अलग बाड़े की व्यवस्था की जानी चाहिए ताकि स्वस्थ गौवंश को संक्रमण से बचाया जा सके। उन्होंने बीमारियों से रोकथाम के लिए गौवंश को उचित उपचार एवं टीकाकरण की भी सलाह दी।

डॉ शर्मा ने कहा कि गौवंश के स्वास्थ्य की नियमित रूप से निगरानी के लिए पशु आहार, स्वास्थ्य और उत्पादकता का सटीक संधारण किया जाना चाहिए। शासन सचिव ने विभाग के जिला अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि वे गोष्ठियों, चौपाल, सोशल, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया जैसे विभिन्न माध्यमों से गौशाला संचालकों और गोपालकों को नियमित रूप से जागरूक करते रहें।

जागरूक खबरें

डॉ. कर्नाटक मानद फेलो- 2024 के लिए नामित

उदयपुर @ जागरूक जनता। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के कुलपति डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक को कीट विज्ञान अनुसंधान में श्रेष्ठ कार्य सम्पादन हेतु भारतीय कीटविज्ञान सोसायटी, नई दिल्ली द्वारा मानद फेलो- 2024 के लिए नामित के लिए किया गया। यह पुस्कार उन्हें 7 जनवरी को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय संगोष्ठी फ्रंटियर्स इन एंटोमोलॉजी-2025 के दौरान दिया जाएगा। यह समारोह भारतीय कीटविज्ञान सोसायटी की स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के डब्ल्यूटीसी ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा।

सेमीनार में बागवानी उत्पादक बिक्री की दी जानकारी

डूंगरपुर @ जागरूक जनता। राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजनान्तर्गत दो दिवसीय कृषक सेमीनार का आयोजन किया गया। सेमीनार का उद्घाटन संयुक्त निदेशक उद्यान उदयपुर डॉ. रविन्द्र कुमार वर्मा और सेवानिवृत संयुक्त निदेशक कृषि (वि) जिला परिषद डूंगरपुर गोरीशंकर कटारा के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। सेमीनार में किसानो को उद्यानिकी फसल उत्पादन विपणन की जानकारी दी। उद्यानिकी योजनाओ राष्ट्रीय बागवानी मिशन पर ड्रोप मोर क्रोप पीडीएमसी एमआईएस योजनान्तर्गत ड्रीप, मिनि स्प्रीकलर व स्प्रीकलर सेट की जानकारी दी गई। राजस्थान संरक्षित खेती मिशन आरपीसीएम व प्रधानमंत्री कुसुम कम्पोनेंट बी योजनान्तर्गत सोलर पम्प सेट की जानकारी दी। जिले से 100 कृषको ने भाग लिया। प्रशिक्षण में केवीके फलोज डूंगरपुर से कार्यक्रम समंवयक डॉ. सीएम बलाई, प्रो. डॉ. बाबूलाल, कृषि महाविद्यालय उदयपुर से डॉ. एचएल बैरवा, डॉ. शालिनी, प्रो. कृषि अर्थशास्त्र डॉ. हरिशंकर और संयुक्त निदेशक कृषि (वि) परेश कुमार पण्ड्या कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

कोहरे के साथ दिन की शुरूआत, पारे में गिरावट से जनजीवन प्रभावित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। शहर सहित जिले में बादलों के छटते ही एक बार फिर शीतललहर चलने लगी है। रविवार शाम से ही गलन महसूस होने लगी है। सिर्फ 2 ही दिनों में न्यूनतम तापमान में 8.2 डिग्री की गिरावट आ गई है। रात का तापमान 13.5 डिग्री से गिर कर 5.3 डिग्री पर आ गया है। जबकि अधिकतम तापमान में इसका ज्यादा असर नहीं पड़ा है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तरी हवाओं से गलन और ज्यादा बढ़ेगी। रात के साथ-साथ दिन का तापमान भी कम होने की संभावना है। लगातार कई दिनों से बादल छाए हुए थे। दो दिन बारिश भी हुई।

बादलों के छटते ही अचानक गलन बढ़ने लगी। शाम होते ही ठंडी हवाओं ने कंपा दिया। खास तौर पर रात्रि में ठंड से बचने के लिये लोग उनी वस्त्र, अलाव का सहारा ले रहे है। सोमवार सुबह की शुरूआत घने कोहरे के साथ हुई। कोहरे के कारण बस व रेल यातायात प्रभावित हुआ, वही विजिबलिटी ना के बराबर होने से सड़कों पर यातायात कम था, वाहन धारी हेड लाईट का उपयोग कर चल रहे थे। हालांकि धीरे-धीरे कोहरा समाप्त हो गया, वही 9 बजे बाद धूप खिलने और बादल छटने से ठंड का प्रभाव बढ़ने लगा। धूप तो खिली लेकिन गलन बरकरार है। वहीं तापमान की बात करे तो पिछले 24 घंटे में न्यूनतम तापमान 3.5 डिग्री और 48 घंटों में 8.2 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग की माने तो उत्तरी हवाओं के प्रभाव से चित्तौड़गढ़ में ठिठुरन बढ़ी है। आगामी दिनों में तापमान में और ज्यादा गिरावट दर्ज हो सकती है।

गौ भक्तों ने किया गौशाला का निरीक्षण

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। गांधीनगर स्थित गोपाल गौशाला का गौ भक्तों द्वारा निरीक्षण किया गया, जहाँ कई अव्यवस्थाएँ पायी गई, यह गौशाला नगर परिषद द्वारा संचालित है। गौ भक्तों ने आयुक्त रविन्द यादव को सूचना दी गई जिस पर आयुक्त को गौशाला का निरीक्षण कराते हुए चिकित्सक नियुक्त करने, दो जगह टीन शेड लगाने, गोबर के लिए व्हील गाड़ी, गौ शाला में ओपन वायरिंग से शॉर्ट सर्किट के खतरे को सुनिश्चित करने, गौशाला में रंग रोगन करने, सीसी टीवी कैमरा लगाने, उपलब्ध ओवर लोडेड गौधन की उचित व्यवस्था करने सहित कई अव्यवस्थाओं के निराकरण की मांग की। आयुक्त यादव ने सात दिवस में सभी समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया। व्यवस्थाएँ नहीं सुधरने पर आन्दोलन किया जायेगा। इस मौके पर धर्मेन्द्र मूंदड़ा, मुकेश नाहटा, अविनाश, केशव कालानी, मनोज साहू, बंटी मूंदड़ा, बाबू डांगी, नारायण बल्दवा, शुभम गोखरू, दीपक राजोरा, अमन गौड़, लोकेश साहू, भारतसिंह, गोविन्द ईनाणी, दीपक धोबी, रौनक सोनी, अंकित वैष्णव, मोहित पटवा आदि गौ भक्त मौजूद रहे।

गर्ग ब्राह्मण समाज की क्रिकेट प्रतियोगिता सम्पन्न

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। तीन दिवसीय गर्ग ब्राह्मण समाज रि केट प्रतियोगिता का समापन हुआ। दिनेश गर्ग ने बताया कि समापन पर हुए मैच में गर्ग इलेवन स्टार भीलवाड़ा विजेता तथा एनबी क्लब फलीचड़ा उपविजेता रही। समापन कार्यकम में रणजीत सिंह भाटी, प्रधान देवेंद्र कवर, महंत भारत मुनि महाराज उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों को ट्रॉफी और नकद पुरस्कार देकर शुभकामनाएं दी। कार्यकम में सूर्यप्रकाश गर्ग, गणेश, विशाल, चंचल, गोपाल, सोहन, अशोक, राधेश्याम, मनोज, पंकज, राहुल, अर्जुन सहित खेल प्रेमी व समाजजन उपस्थित रहे।

फर्स्ट रनरअप बनी लवली

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भरतपुर। एस. के. स्टार इवेंट सीजन-25 की फर्स्ट रनर रहीं भरतपुर की बेटी लवली शर्मा उर्फ सीमा का का कहना है कि परिवार की जिम्मेदारियों के बीच इस प्रकार के प्रयास थोड़े मुश्किल जरूर होते हैं, लेकिन अगर आपका लक्ष्य और दृढ़ निश्चय हो तो मुश्किल अपने आप आसान हो जाती है। साथ ही, अगर परिवार का भी इसमें साथ हो तो फिर कहना ही क्या।

गाजियाबाद की मुकुल रीजेंसी में प्रिया प्रजापति की ओर से आयोजित एस. के. स्टार इवेंट लवली शर्मा ने भाग लिया। इस शो में सेलिब्रिटी अभिमन्यु शर्मा और लिटिल काका ने भी भाग लिया । शो के चीफ गेस्ट बत्रा राजपूत रहे। शो की कॉर्डिनेटर दिवा क्रीन अभिलाषा चौधरी, वरिंदर कौर एवं दिव्या शर्मा रहीं। एस. के स्टार इवेंट सीजन-25 में भरतपुर निवासी लवली शर्मा (सीमा) मिसेज फर्स्ट रनर अप रहीं। सीमा भरतपुर में पहले भी रनर अप में फर्स्ट विनर रही हैं। साथ ही गवर्मेंट इवेंट में कल्चरल प्रोग्राम में भी वे फर्स्ट विनर रह चुकी हैं, जिन्होंने भरतपुर का नाम रोशन किया है। सीमा की ग्रूमिंग अभिलाषा चौधरी ने कराई। शो में ऑल इंडिया से आए मॉडल्स ने स्टेज पर अपनी वॉक से धूम मचाई ।

अब 50 रुपए में घूम सकेंगे चंबल रिवर फ्रंट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोटा। चंबल रिवर फ्रंट पश्चिमी किनारे (वेस्टर्न साइड) का किराया कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए) की ओर से 200 रुपए से घटाकर एक चौथाई कर दिया गया है। अब महज 50 रुपए का टिकट लेकर कुन्हाड़ी की ओर रिवर फ्रंट के नजारे देख सकेंगे। इसमें एलईडी गार्डन का भी बिना अतिरिक्त चार्ज लुत्फ लिया जा सकेगा। पश्चिमी किनारे पर कम मोन्यूमेंट होने के कारण काफी कम पर्यटक पहुंच रहे थे। लोगों की ओर से रिवर फ्रंट का किराया कम करने की भी मांग हो रही थी।

दोनों साइड 200 रुपए में देख सकेंगे

रिवर फ्रंट के दोनों किनारों को देखने के लिए अब भी प्रति व्यक्ति टिकट 200 रुपए होगा। इसमें चंबल रिवर फ्रंट के दोनों किनारे देखे जा सकेंगे। रिवर फ्रंट के एक किनारे को देखने के बाद पर्यटकों की सुविधा के लिए बोट सुविधा मुहैया करवाई गई है। इसके लिए प्रति व्यक्ति 50 रुपए टिकट होगा। रिवर फ्रंट में बोटिंग के लिए प्रति व्यक्ति 200 रुपए का टिकट लेना होगा।

चंबल रिवर फ्रंट के पश्चिमी घाट का किराया 50 रुपए कर दिया गया है। पर्यटकों को यहां एलईडी गार्डन के लिए भी अलग से चार्ज नहीं देना होगा।

कुशल कुमार कोठारी,
सचिव, केडीए

एक बार फिर यूआईटी आबू को भंग करने की उठी मांग, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष से मिले सिरोही भाजपा नेता बताया दुखड़ा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही। जिले में यूआईटी आबू को भंग करने की मांग तेज हों चुकी है। 30 दिसम्बर को एक दिवसीय दौरे पर आये राजस्थान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के समक्ष भाजपा नेताओं नें मजबूती से बात रखते हुए नगर सुधार न्यास आबू (UIT) आबू को भंग करने की मांग पुनःजोर तरिके से उठाई है। आज राठौड़ सिरोही दौरे पर थे सर्वप्रथम आबूरोड़ पहुंचे जहा पर भाजपाइयों नें गरमजोशी स्वागत किया उसके बाद वे माउंट आबू गये और भाजपा नेता नरपत चारण के पिता के निधन पर व पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष जालमगिरी के निधन पर शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधवाया उसके बाद उनका काफिला स्वरूपगंज़ पहुंचा जहा पर भाजपा के पिण्डवाड़ा प्रधान

नितिन बंसल के पिता के निधन होने पर परिवार को ढाढंस बढ़वाया गया। इस दौरान कई भाजपाई मौजूद रहें।

प्रदेश अध्यक्ष के समक्ष उठी यह मांग

प्रदेश अध्यक्ष को बताया की UIT आबू से ग़रीब आमजन को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है, उन्हें गरीबो का दुःख अवगत करवाया एक स्वीकृति के लिए ग़रीब ललोगों दर दर की ठोकरें खानी पड़ रहीं है। उनके काम नहीं होते, साथ भारी आर्थिक नुकसान भी उन्हें उठाना पड़ रहा है, लेकिन उनका दर्द कोई सुनने वाला नही है। यानि भाजपाइयों नें कहा की इस यूआईटी से क्षेत्र वासी खूब दुखी त्रस्त है।

भाजपा नेता द्वारा ज्ञापन में यह भी किया ज़िक्र

सिरोही के भाजपा के दिग्ज नेता भुवनेश पुरोहित नें बताया की नगर सुधार न्यास को करीब 15 वर्ष हो चुके है, लेकिन यूआइटी आबू के अधिन आने वाले आदिवासी गाँवो में आज भी कुछ भी विकास का कार्य यूआइटी आबू ने नही करवाये है। इसके विपरित अनावश्यक रुप से ग्रामीणो व किसानो एवं आदिवासीयो को अपने छोटे मोटे कार्य भवन निर्माण स्वीकृति भूमि संपरिवर्तन जैसे कार्यों मै यूआइटी आबू द्वारा लाखो रुपयो का शुल्क वसूल किया जा रहा है।

गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के शहीदी गुरुपर्व के उपलक्ष्य में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

आयुर्वेद और होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर में 333 रोगियों को सुविधा उपलब्ध

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति प्रोफेसर (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति की गरिमामयी उपस्थिति में विशेष आयुर्वेद और होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसके प्रभारी डॉ. संजय श्रीवास्तव एवं सह-प्रभारी डॉ सौरभ अग्रवाल रहे । यह शिविर गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के शहीदी गुरुपर्व के उपलक्ष्य में आयोजित वार्षिक कीर्तन समागम के अंतर्गत आयोजित किया गया।

शिविर सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक चला, जिसमें बड़ी संख्या में मरीजों को निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गई। आयुर्वेद और होम्योपैथी के विशेषज्ञों ने विभिन्न बीमारियों के लिए परामर्श और उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई। शिविर में आयुर्वेदिक दवाओं का वितरण, जीवनशैली परामर्श और रोगों की रोकथाम के लिए जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

विशेषज्ञ डॉक्टरों ने वात व्याधि, मधुमेह, मोटापा, हृदय रोग, खांसी, जुकाम, बुखार, उच्च रक्तचाप, गठिया रोग और संधि वात जैसी बीमारियों के लिए निशुल्क परामर्श और औषधियों का वितरण किया। संजीवनी चिकित्सालय के अधीक्षक प्रो. गोविंद प्रसाद गुप्ता ने बताया कि शिविर में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रश्मि शर्मा और डॉ. आशा के.पी., स्वास्थवृत्त एवं योगा विभाग से डॉ. सौरभ अग्रवाल, काय चिकित्सा विभाग से डॉ. भानुप्रिय चौधरी और होम्योपैथी विशेषज्ञ डॉ. ऋषिकेश आचार्य ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। इनके साथ स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. रामहेत नागर, डॉ. सरोज चौधरी, डॉ. किरण परिहार और डॉ. इंसाफ अली, नर्सिंग स्टाफ श्वेता व्यास, सीमा परमार, पूजा कुमारी और सहायक पूरण सिंह ने भी शिविर में योगदान दिया। इस शिविर में 248 लोगों ने आयुर्वेद चिकित्सा का तथा 85 लोगों ने होम्योपैथी चिकित्सा द्वारा लाभ उठाया। शिविर आयोजक जितेंद्र सिंह बत्रा-अध्यक्ष, जगमोहन सिंह सचिव, रमन सोबती सह सचिव ने कुलपति प्रो.प्रजापति सहित सभी सहयोगियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए इसे सफल व प्रेरणादायक पहल बताया।

पीएचडी मंत्री व अधिशासी अभियंता से स्वच्छ पानी सप्लाई की मांग

कीचड़ युक्त पानी पीने को मजबूर है नदिया मौहल्ला के लोग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भरतपुर। शुद्ध पानी पिलाने का दावा करने वाली राज्य सरकार के दावों को जलदाय विभाग फेल करता हुआ नजर आ रहा है। शहर के नदिया मौहल्ला में जलदाय विभाग द्वारा सप्लाई किए जाने वाला पानी कीचड़ युक्त आ रहा है । कीचड़ मिला हुआ पानी आमजन के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव डाल रहा है कई बार अधिकारियों से साफ सुथरा पानी सप्लाई करने के लिए स्थानीय लोगों ने आग्रह किया है लेकिन आमजन की भावनाओं पर जलदाय विभाग द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है और लोग मजबूरी में कीचड़ युक्त पानी पीने को मजबूर हो रहे हैं। लोहागढ़ उत्थान मोर्चा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शिवकुमार वशिष्ठ सहित स्थानीय निवासी रमेश शर्मा, विनोद शर्मा ओम शांति, पवन शर्मा टम्पू, रिंकू, फिरोज लावन्या, अजीत, शीला देवी, राम प्रकाश, आदि ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के मंत्री एवं अधिशासी अभियंता को पत्र लिखकर बताया कि कई महीनो से नदिया मौहल्ला में दूषित व कीचड़ युक्त पानी आ रहा है ,इसकी शिकायत कई बार जलदाय विभाग के अधिकारियों को की गई है लेकिन आमजन की इस ज्वलंत समस्या की ओर जलदाय विभाग के अधिकारियों का ध्यान नहीं है।

पाइपलाइन बदलने का जलदाय विभाग के अधिकारी आश्वासन देते हैं । लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। गंदा पानी आने की वजह से लोगों को मजबूरी में खरीद कर पानी पीने को मजबूर होना पड़ रहा है । कीचड़ युक्त आ रहे पानी से आमजन के लिये तो क्या पशुओं के उपयोग में भी नहीं आ पा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वच्छ पेयजल सप्लाई कर आम जन को बेहतर स्वास्थ्य देने का दावा करती है लेकिन जलदाय विभाग द्वारा सरकार की मंशा पर पलीता लगाती हुई नजर आ रही है ।

शिवकुमार वशिष्ठ ने कहा कि कई बार अधिकारियों को व्यक्तिगत व दूरभाष पर गंदे पानी सप्लाई की शिकायत दर्ज कराई गई है । लेकिन केवल उनके द्वारा आश्वासन दिया जाता है । गंदा कीचड़ युक्त पानी उपयोग में लेने से बीमारियां बढ़ रही है । लोगों को चर्म रोग जैसी बीमारी के साथ ही शारीरिक अन्य बीमारियों से भी जूझना पड़ रहा है । एक तरफ जहां सरकार नर चंबल का मीठा पेयजल लोगों को उपलब्ध कराने के लिए जगह-जगह पाइपलाइन डलवाई है और शुद्ध व मीठा पानी आमजन सप्लाई कराया जा रहा है। वहीं नदिया मौहल्ला में दूषित पानी की सप्लाई लोगों के लिए परेशानी का सबब बन रहा है ।

स्वं उम्मेद सिंह धोली को दी श्रद्धांजलि

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। जौहर स्मृति संस्थान द्वारा पूर्व अध्यक्ष राजऋषि स्व. उम्मेद सिंह धोली की छठी पुण्यतिथि पर जौहर भवन गांधीनगर पर श्रद्धांजलि अर्पण कार्यक्रम रखा गया। जिसमें सर्वप्रथम स्व. धोली के चित्र पर पं कमलेश भट्ट व संस्थान अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, शक्ति सिंह, तेजपाल सिंह शक्तावत, निर्मला कंवर राठौड़, गजराज सिंह, गोवर्धन सिंह भाटी ने धूपबत्ती कर पुष्पमाला अर्पित की। पं भट्ट ने 5 बार गायत्री मंत्र का उच्चारण करवाकर शांति पाठ किया।

एडवोकेट अक्षत अवस्थी बने इंडिपेंडेंट लीगल एक्टिविस्ट सोसाइटी के प्रदेश प्रवक्ता

आबूरोड @ जागरूक जनता। अक्षत अवस्थी बने इंडिपेंडेंट लीगल एक्टिविस्ट सोसाइटी (ILAS) राजस्थान के प्रदेश प्रवक्ता। अक्षत अवस्थी ने संगठन प्रमुख युवराज सिंह नरूका सहित संगठन के अन्य पाधिकारियों का जताया आभार। अवस्थी ने बताया कि समाज सेवा के लिए ILAS संगठन में प्रदेश के बहुत से अधिवक्ता जुड़े हुए है साथ ही वो खुद भी बहुत लंबे समय से संगठन में काम कर रहे है। संगठन का मुख्य उद्देश्य है कि समाज में कानूनी सेवाओ से वांछित वर्ग की मदद करना साथ ही भारतीय संविधान व भारतीय कानूनों के प्रति लोगों को जागरूक करना। इसी उद्देश्य के साथ ही सिरोही जिले में भी कार्यकारणी बना कर करेंगे लॉ अवेयरनेस के कई सारे कार्यक्रम।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक .....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम .....

पता : .....

.....

फोन ..... पिन कोड

राशि (रुपए) ..... बैंक का नाम .....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

● सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. .....रसीद क्रं. .....

दिनांक ..... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार
बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

बाणगंगा नदी में पानी लाये सरकार

देश में सबसे ज्यादा दुःखी किसान-पंडित रामकिशन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भुसावर। देश में सबसे ज्यादा दुःखी किसान वर्ग है और किसानों का कर्जा माफ होना चाहिये तथा अमीर लोगों पर टैक्स लगातार उस पैसे को खेती और सिंचाई के साथ साथ शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च करना चाहिये ।यह कहना है समाजवादी विचारक और पूर्व सांसद पंड़ित रामकिशन का ।पूर्व सांसद पंड़ित रामकिशन रविवार को ग्राम भैसीना में आयोजित किसान सम्मेलन में बतौर मुख्यअतिथि अपना उद्बोधन दे रहे थे, उन्होंने कहा कि देश में 88% किसान छोटी जोत बाले है जब किसान को सस्ता पानी मिलेगा तो उसकी आमदनी बढ़ेगी और बिजली का खर्चा कम हो जायेगा । उन्होंने कहा कि देश में गरीब और अमीर का फर्क बढ़ता जा रहा है तथा गलत नीतियों के ही कारण आज भारत में चीन और अमेरिका से ज्यादा अरबपति हो गये है जिनके साथ ज्यादा सम्पति और अधिक आमदनी होने की वजह से देश में आर्थिक गैर बराबरी बढ़ती ही जा रही हैं तथा आम उपभोक्ता की क्रय शक्ति कम होती जा रही है ।

नरेगा में 200 दिन की गारंटी दे सरकार

उन्होंने कहा कि नरेगा के कार्य दिवस को बढ़ाकर सरकार को 200 दिन कार्य दिवस की गारन्टी देनी चाहिये । उन्होंने कहा कि सरकार जहाँ एक तरफ 28 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर करने की बात कह रही है जबकि 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज दे रही है अब सबाल उठता है कि जब देश में गरीबी कम हुई है तो दूसरी और आयकर दाताओं की संख्या भी तो बढ़नी चाहिये । उन्होंने कहा कि देश की कुल आवादी में से महज एक प्रतिशत लोग ही टैक्स दे रहे है , कर्जाभार और विकास की जरूरत को देखते हुऐ टैक्स के दायरे को और धनाढ्य लोगों पर बढ़ाना चाहिये ताकी उस टैक्स के पैसे से पानी ' शिक्षा और स्वास्थ्य की और बेहतरीन व्यवस्था हो सके ।

गत तीन दशक में 40000 किसानों ने की आत्महत्याएं

उन्होंने कहा कि आजादी से अब तक देश में 70 हजार किसानों ने आत्महत्याऐं की है लेकिन पिछले तीन दशकों में 40 हजार किसानों ने आत्म हत्याऐं की है। किसान आन्दोलन में विगत वर्षों में करीब 700 किसानों की मौते हुई है। उन्होंने कहा की उपभोक्ताओं को सस्ता खाद्यान मिले , मंहगाई कम रहे इस नाम पर सरकारों ने पूरा वजन डाल दिया किसानों पर जिसकी बजह से किसान कर्जदार होता चला गया ।

किसान उत्पादों का बाजार में लाभकारी मूल्य के लिए गारंटी कानून बने

उन्होंने कहा कि इस वर्ष बैंको ने 16 लाख करोड़ से अधिक का कर्जा माफ किया है लेकिन उसमें से 12 लाख करोड़ से अधिक का कर्जा बड़े उद्योगपतियों और कम्पनियों का ही कर्जा माफ किया है। सभा मे किसान नेता इन्दल सिंह जाट ने कहा कि जब तक किसानों को उनके उत्पादों का बाजार में लाभकारी मूल्य की गारन्टी का कानून नहीं बनता तब तक किसानों की हालत नहीं बदल सकती । उन्होंने कहा कि खाद , बीज ' कीटनाशक , टेक्ट्रर' डीजल ' बिजली आदी के दाम कई गुने अधिक बढ़ गये जिसकी बजह से खेती की लागत बढ़ी और किसान कर्जदार होता चला गया ।

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक आएंगे किसान सम्मेलन में

किसान नेता इन्दल सिंह ने कहा कि अपने हकों के लिये किसानों को एकजुट होकर संघर्ष करना चाहिये क्योंकि सभी सरकारों ने किसान की उपेक्षा की है । किसान नेता इन्दल सिंह जाट ने किसानों को आह्वान किया कि किसान हित में

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

Jagruk Janta World

R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758 | डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2024-26 /jagrukjanta /jagrukjantanews jagruk_janta

जयपुर, बुधवार
1 जनवरी - 7 जनवरी, 2025

जागरूक दुनिया 08 जागरूक जनता
www.jagrukjanta.net

राजस्थान की राजनीति

चर्चित चेहरों में पुरानी पीढ़ी नहीं नई पीढ़ी की चर्चा

नववर्ष की सभी देश-प्रदेशवासियों को शुभकामना। राजस्थान की राजनीति में भी पीढ़ी का अंतर दिख रहा है। प्रदेश सरकार की कमान अब नई पीढ़ी के हाथों में है। बीते वर्षों में जहां अशोक गहलोत, वसुंधरा राजे, सचिन पायलट, किरोड़ी लाल मीणा और हनुमान बेनीवाल जैसे नेताओं का बड़ा नाम था। उनका बयान सत्ता के गलियारे में मायने रखता था। वहीं अब नई पीढ़ी की चर्चा मायने रखती है। सूबे के मुखिया भजनलाल शर्मा ने सरकार की बागड़ोर खूब संभाली है। चहुंओर से प्रशंसा ही मिल रही है। इसी के साथ-साथ उपमुख्यमंत्री के पद को भी नई पीढ़ी ही सुशोभित कर रही है। पहले सवाईमाधोपुर फिर राजसमंद और अब विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र से विजयी दीया कुमार को प्रदेश का उपमुख्यमंत्री बनाया गया। इसके अलावा वित्त मंत्री का भी भार दीया कुमारी को मिला। इसके अलावा दूदू विधानसभा क्षेत्र से विजयी प्रेमचंद बैरवा को उपमुख्यमंत्री पद देकर पूरी तरह नई पीढ़ी को राजस्थान की राजनीति का सिरमौर बना दिया। वर्ष 2024 की शुरुआत में सरकार गठन के बाद से ही पुरानी पीढ़ी के दिग्गज नेताओं की चर्चा होना बंद हो गई। अशोक गहलोत, वसुंधरा राजे, सचिन पायलट, किरोड़ी लाल मीणा और हनुमान बेनीवाल के अलावा अन्य दिग्गज नेताओं के पास कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी नहीं है। प्रदेश की राजनीति के इतर कई नेता बीते विधानसभा चुनाव में अपना वजूद भी नहीं बचा सके।

जागरूक जनता सरपट
ज्ञानेन्द्र मिश्रा

कांग्रेस का स्थाई हवामहल विधानसभा क्षेत्र भी भाजपा के कब्जे में आ गया। यहां भी नई पीढ़ी ने इबारत ही लिख दी। हाथोज धाम महाराज बालमुकुन्दाचार्य जी ने बहुत कम अंतर से विजय हासिल कर आज क्षेत्र और आलाकमान के सामने अपने आप को साबित कर दिया है। अशोक गहलोत कांग्रेस के लिए अलग-अलग राज्यों में काम करते रहे हैं। कई राज्यों का प्रभार भी उन्होंने संभाला है। इस बार कांग्रेस की सरकार जाने के बाद कोई जिम्मेदारी नहीं मिली है। अशोक गहलोत को लोकसभा में भी ज्यादा देखा नहीं गया। इसलिए अब अशोक गहलोत सिर्फ विधायक बनकर रह गये हैं।

वसुंधरा राजे पिछले 25 सालों से संगठन और सरकार का मजबूत चेहरा रही हैं। इस बार लोकसभा चुनाव के प्रचार में भी ज्यादा एक्टिव नहीं नजर आई। राजे अभी सिर्फ विधायक हैं। प्रदेश के संगठन में उनके पास कोई जिम्मेदारी नहीं है। सचिन पायलट केंद्र के अलावा राजस्थान सरकार में मंत्री रहे हैं। राजस्थान में कांग्रेस की लम्बे समय तक बागडोर भी संभाली है। लोकसभा चुनाव में सचिन पायलट एक्टिव रहे। उनके पास छत्तीसगढ़ राज्य का प्रभार भी है। मगर, पावर जोन से बाहर ही रहे। पायलट भी सिर्फ विधायक हैं।

किरोड़ी लाल मीणा और हनुमान बेनीवाल खुद की 'राजनीति' करते हैं। बेनीवाल चार बार विधायक और दो बार सांसद बने। लेकिन उन्हें मंत्री बनने का मौका नहीं मिल पाया। हालांकि, बेनीवाल का बयान जरूर सुर्खियां बटोरता है। किरोड़ी लाल मीणा भी मंत्री बने जरूर लेकिन उनका इस्तीफा आज भी पहेली बना हुआ है। उनके समर्थक भी असमंजस की स्थिति में हैं। उन्हें भी साफ और सटीक राह नहीं दिख रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अपनी सरकार में अच्छे खासे रूतबे में थे, लेकिन कांग्रेस के विधानसभा चुनाव हारन के बाद नाथी का बाड़े से सुर्खियां बटोरने वाले गोविन्द सिंह डोटासरा भी अपनी रवानियत खो चुके। हालांकि उन्हें विधानसभा चुनाव में विजय जरूर मिल गई।

कंचन आश्रम, आन्यौर, गोवर्धन

कंचन धाम, गैण्डोली, बूंदी

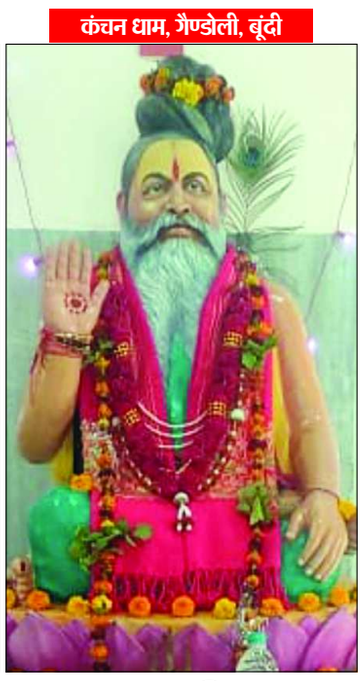

रामानन्द आश्रम, कंवल वाला हनुमान, गोवर्धन

गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज की बिखरी विरासत का संचालन!

तीन स्थानों की स्थापित प्रतिमाओं में देखो, किसमें उतरी है श्रीकृष्णदास कंचन महाराज की छवि

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। श्रीकृष्णदास कंचन महाराज इस असार संसार से 13 अप्रेल 2019 को गौ लोक चले गए। वे जब तक इस संसार में रहे, पता नहीं कितने ही भक्त उनके चरणों में शीश नवाते रहे। उन्होंने अपनी दिव्य साधना से कितने ही लोगों और श्रद्धालुओं के काम किए। कितनों के ही कष्ट दूर किए। उनसे मिलने वालों का तांता ही लगा रहता था। आम आदमी से लेकर बड़े-बड़े सेठ साहूकार, नेता, जन नेता, सरकार में भारी भरकम दायित्व संभालने वाले राजनेताओं में भी उनका सान्निध्य प्राप्त करने की लालसा रहती थी और उनकी सेवा में उपस्थित होते थे। अब जब उनको इस दीन दुनिया को छोड़े लगभग सात वर्ष होने को आ रहे हैं। उनके बनाए शिव लोकों में सन्नाटा सा छाया रहता है। अगर गोवर्धन दानघाटी स्थित रामानन्द आश्रम को छोड़ दें (क्योंकि यहां राम अनुग्रहदास जी के सान्निध्य में नित्य ही कुछ न कुछ कार्यक्रम होते रहते हैं), तो उनके दो आश्रम एक आन्यौर व कंचनधाम खटकड़ में व्यवस्थाएं सही नहीं कही जा सकती। महाराजश्री जब भी इन आश्रमों में आते थे तो आगंतुकों की गहमा-गहमी रहती थी। मगर अब आन्यौर में तो ये स्थिति है कि आने वाला भक्त कोई बाहर से गेट ही बजाता रहे, अन्दर से दिन में भी ताला लगा रहता है। अगर आवाज सुनली तो दरवाजा खुलता है वरना हरि इच्छा। जबकि आन्यौर वाला आश्रम गोवर्धन महाराज के परिक्रमा मार्ग में स्थित है, जहां हमेशा परिक्रमा करने वालों की लाइन लगी रहती है। अब बात करें खटकड़ (बूंदी) वाले कंचन धाम की तो वहां महाराजश्री ने अपनी कल्पना के अनुसार द्वादश ज्योतिर्लिंगों की स्थापना शास्त्रोक्त प्रमाण के अनुसार की और एक बहुत ही रमणीय और सुन्दर शिवलोक का निर्माण कराया। उनके समय में 13-14 पंडितों सहित अन्य कामगारों का लगभग 20 आदमियों का स्टाफ कार्य करता था। आश्रम के पास ही गायों के लिए गऊशाला खोली। खेती की भी लंबी-चौड़ी जमीन है। मगर फिर भी व्यवस्थाओं के नाम पर सही नहीं कही जा सकती। अब आश्रम में बहुत ही कम कर्मचारी और पुजारी शेष रह गए हैं। इसके बावजूद भी भक्तों की श्रद्धा कम नहीं हुई है भक्तजनों ने अपना समय और धन लगाकर कंचनधाम खटकड़, कंचनधाम आन्यौर व गोवर्धन धाम के कंचनवाला हनुमान मंदिर में श्री कृष्णदास कंचन महाराज की मूर्ति स्थापित की है। तीनों मूर्तियों को गौर से देखनी चाहिए कि किस मूर्ति में महाराजश्री की छवि दिखाई देती है। हालांकि तीनों आश्रमों में विधिवत पूजा-पाठ जारी है। मगर जिस भाव से महाराजश्री ने ये आश्रम बनाए थे, कहीं न कहीं उस भाव की कमी तो नजर आती ही है। इस समय ट्रस्ट भी सक्रिय नजर नहीं आ रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रस्ट की बैठक हुए भी काफी समय हो गया है। कोई प्लान आश्रम की गतिशीलता बढ़ाने वाला सामने नहीं आ रहा है। शायद ट्रस्टियों की भी अब रुचि कम हो गई लगती है। खटकड़ वाले आश्रम में महाराजश्री कृष्णदास कंचन महाराज के सबसे ज्यादा नजदीक रहने वाले जगदीश शर्मा, द्वारिका गौतम एवं प्रमोद वकील साहब थे। हालांकि प्रमोदजी वकील साहब अब इस दुनिया में नहीं है, मगर जगदीश प्रसाद शर्मा व द्वारिका प्रसाद गौतम भी आश्रम से लगाव रखने के बावजूद कभी-कभार विशेष कार्यक्रमों में ही नजर आते हैं। जबकि इनके पास आश्रम संचालन की विधा हो सकती है। इनकी आश्रम से दूरी का कारण श्रद्धालुओं को खोजना चाहिए। कितना अच्छा हो, अगर तीनों आश्रमों का संचालन एक ही ट्रस्ट के माध्यम से चलने लगे।

जगद्गुरु स्वामीश्री रामानन्दाचार्य का 35वां जयंती महोत्सव

रामानन्द आश्रम में 11 दिवसीय कार्यक्रम 14 से शुरू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

गोवर्धन (यूपी)। भगवान श्रीकृष्ण की लीला स्थली ब्रज धाम गोवर्धन में जगद्गुरु स्वामीश्री रामानन्दाचार्य का 11 दिवसीय 35वां जयन्ती महा महोत्सव-2025 का आयोजन किया जा रहा है। श्रीरामानन्द आश्रम धर्मार्थ सेवा समिति ट्रस्ट दानघाटी श्रीधाम गोवर्धन एवं श्री शंकर राज कुटी, कंचन वाला हनुमान जी मंदिर के अध्यक्ष महाराज राम अनुग्रहदास ने महोत्सव के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि साकेतवासी गोवर्धन पीठाधीश्वर श्रीकृष्णदास कंचन महाराज की प्रेरणा से यह कार्यक्रम प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। कार्यक्रम श्री गिर्राज भक्त मंडल एवं श्रीरामानन्द उत्सव आयोजन समिति के सहयोग से किया जा रहा है। 11 दिवसीय महोत्सव में 14 जनवरी से 22 जनवरी तक प्रातः 6.30 से 7.30 बजे क श्रीराम महायज्ञ, प्रातः 7.30 बजे से 12.30 बजे तक श्रीरामचरित मानस नवाह्न पारायण, दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक हनुमन्त कथा, दोपहर 2 बजे से सायं 6 बजे तक रामलीला दर्शन एवं सायं 7 बजे से 8 बजे तक हनुमान चालीसा, गीत गोविन्द व भजन संध्या के कार्यक्रम आयोजित होंगे। 23 जनवरी को प्रातः 8 बजे से 12 बजे तक श्री सुन्दरकांड पाठ व सायं 6 बजे श्रीराम राज्याभिषेक होगा। महोत्सव के अंतिम दिन 24 जनवरी को प्रातः 9 बजे से 12 बजे तक पूर्णाहुति यज्ञ व दोपहर 12.30 बजे से संत भंडारा कार्यक्रम प्रारंभ होगा। महोत्सव के मुख्य यजमान ठा. श्री गिरिराजजी महाराज व श्री हनुमानजी महाराज होंगे। महोत्सव में रामायण पाठ उपेन्द्रनाथ शास्त्री एवं श्रीहनुमंत कथा का वाचन पूर्णप्रकाश कौशिक करेंगे। कार्यक्रम नाभाद्वाराचार्य स्वामी सुतीक्षण देवाचार्यजी महाराज (गुरुदेव) सुदामा कुटी वंशीवट वृंदावन की अध्यक्षता में आयोजित होगा। कार्यक्रम के संरक्षक पं. शंकरलाल चतुर्वेदी एवं संयोजक अशोकनारायण दास होंगे। महा महोत्सव में पं. नीरज चतुर्वेदी, सत्यम चतुर्वेदी, ऋषभ चतुर्वेदी, अर्चित पाठक व अंकित पाठक व्यवस्था की देखरेख करेंगे।

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

कुलपतियों का दल पहुंचा बस्सी-झांझड़ा

किसानों के साथ हुई संवाद बैठक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर, और इंडियन एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी एसोसिएशन (IAUA) द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ने भारतीय कृषि क्षेत्र में नए विचारों और नवाचारों की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया। इस संगोष्ठी का उद्देश्य देशभर के कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और अधिकारियों को एक मंच पर लाकर कृषि क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा करना था।

कृषि महाविद्यालय, जोबनेर का दौरा

संगोष्ठी के दूसरे दिन, कुलपतियों और अधिकारियों ने कृषि महाविद्यालय, जोबनेर का दौरा किया। उन्होंने छात्रों द्वारा तैयार मृदा प्रोफाइल, बीज उत्पादन, मधुमक्खी पालन, एरोपोनिक्स और जैवविविधता मॉडल जैसे इनोवेटिव प्रोजेक्ट्स का निरीक्षण किया। रेडी प्रोग्राम के अंतर्गत छात्रों द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए कुलपतियों ने कहा कि ऐसी प्रायोगिक गतिविधियां छात्रों के ज्ञान, कौशल और व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

रेडी एल्बम का विमोचन

संगोष्ठी के दौरान विवि की उपलब्धियों पर आधारित रेडी एल्बम का विमोचन किया गया। इस एल्बम में विश्वविद्यालय की प्रमुख गतिविधियों और नवाचारों का विवरण दिया गया है।

थारपारकर नस्ल और जल संरक्षण

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बलराज सिंह ने थारपारकर नस्ल की गाय के पर्यावरणीय अनुकूलन और इसकी सूखा प्रतिरोधी विशेषताओं की जानकारी दी। साथ ही, जल संरक्षण के लिए विकसित सीवेज वाटर पुनर्भरण प्रणाली और वर्षा जल संग्रहण की सराहना की गई।

प्रकृति कक्ष और पर्यावरण संरक्षण

अतिथियों ने प्रकृति कक्ष का निरीक्षण किया, जो छात्रों के लिए एक पर्यावरण-अनुकूल शिक्षण स्थान है। यहां प्रोसोपिस जुलिफ्लोरा से बनी दीमक-रोधी कुर्सियां न केवल पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती हैं, बल्कि छात्रों के लिए एक अनूठा अनुभव भी प्रदान करती हैं।

नई किस्में और फसल समाधान

फील्ड भ्रमण के दौरान डॉ. बलराज सिंह ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नई किस्मों, जैसे सौंफ की नई किस्म RF-290, का प्रदर्शन किया। उन्होंने सरसों और रेपसीड में ओरबैंकिं समस्या और जीरे में ब्लाइट रोग जैसी चुनौतियों पर चर्चा की।

बस्सी-झांझड़ा का भ्रमण

गांव बस्सी-झांझड़ा, जिसे "मिनी इज़राइल" के नाम से जाना जाता है, में संरक्षित खेती के अंतर्गत 1,000 से अधिक पॉलीहाउस का सफल उदाहरण देखा गया। कुलपतियों और वैज्ञानिकों ने संरक्षित खेती की तकनीकों को पूरे देश में अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

किसानों के साथ संवाद और समाधान

गांव में आयोजित कार्यक्रम में किसानों ने थ्रिप्स, व्हाइटफ्लाई और माइट जैसी समस्याओं को उठाया। कुलपति ने इन समस्याओं का समाधान जल्द ही प्रदान करने का आश्वासन दिया। सरपंच खेजड़ास ने कार्यक्रम का संचालन किया, और सरपंच दिनेश निठारवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

प्रमुख वक्ताओं के विचार

पद्मश्री डॉ. बलदेव सिंह ढिल्लों ने संरक्षित खेती में डॉ. बलराज सिंह के योगदान की सराहना की। संगोष्ठी में डॉ. पी. कौशल, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. एन.के. गुप्ता, डॉ. एम.आर. चौधरी, डॉ हरफूल सिंह, डॉ एस आर ढाका, डॉ उम्मेद सिंह और अन्य प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों ने भाग लिया एवं कहा कि दो दिवसीय चर्चा के बाद उबरे महत्वपूर्ण मुद्दों को केंद्र सरकार और राज्य सरकार के समक्ष रखने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में सैकड़ों किसानों और वैज्ञानिकों ने भाग लिया, जिससे भारतीय कृषि क्षेत्र में नवाचार और समाधान की दिशा में नए आयाम स्थापित हुए।

राज्यपाल द्वारा कुलपति डॉ. कर्नाटक को उच्च स्तरीय समिति का सदस्य मनोनित किया गया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। राजभवन जयपुर में राज्यपाल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में राजस्थान राज्य के समस्त सरकारी वित्तपोषित विश्वविद्यालयो के लिए सामान्य अधिनियम की संभावना, विश्वविद्यालयों की कार्यप्रणाली में सुधार एवं त्वरित भर्ती प्रक्रिया जैसे मुख्य बिन्दुओ पर कार्यवाही हेतु प्रदेश उच्च स्तरीय समिति गठित की गई है। बैठक में लिये गए निर्णयों के क्रियान्वयन के लिए महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि, उदयपुर के कुलपति डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक को भी सदस्य बनाया हैं। समिति में डॉ. कर्नाटक के अलावा संयोजक, शासन सचिव उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार व चार अन्य सदस्य शासन सचिव चिकित्सा शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार, शासन सचिव कृषि विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर, कुलपति वर्धमान महावीर खुला विवि, कोटा एवं उप सचिव राज्यपाल, राजस्थान है।

राजस्थानी सिनेमा ने जिफ में 21 फिल्में नामांकित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के 17वें संस्करण में राजस्थानी सिनेमा ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। राजस्थान और हिंदी भाषाओं की सात फिल्मों ने फीचर फिक्शन श्रेणी में नामांकन हासिल किया है। ये फिल्में न केवल मनोरंजन प्रदान करती हैं बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक मुद्दों को भी उजागर करती हैं।

फैमिली ड्रामा 'शांति निकेतन'

पारिवारिक संबंधों की जटिलताओं को दर्शाती दीपांकर प्रकाश की फैमिली ड्रामा 'शांति निकेतन' को इस श्रेणी में शामिल किया गया है। एस सागर की रोमांटिक एक्शन फिल्म 'भरखमा' ने प्रेम और साहस को खूबसूरती से पेश किया है। धर्मेंद्र उपाध्याय की सोशल ड्रामा 'म्हारी बिंदनी' समाज में महिलाओं की स्थिति और उनकी चुनौतियों को दर्शाती है। अमित कुमार की हॉरर फिल्म 'जंगल घोस्ट' रोमांच और भय का अद्भुत मिश्रण प्रस्तुत करती है। वहीं मनोज फोगाट की 'सपना एक उड़ान' महिला सशक्तिकरण पर आधारित फिल्म है और महिलाओं के सपनों को पंख देने की प्रेरणा देती है। इसके साथ ही सुदीप प्रतिहार की सोशल कमेंट्री 'काश' समाज की समस्याओं पर विचारशील दृष्टिकोण पेश करती है। हेमंत सीरवी की मोटिवेशनल ड्रामा 'छूमंतर' सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास को बढ़ावा देती है। ये फिल्में राजस्थान की भूमि, संस्कृति और लोगों के जीवन की झलक दिखाती हैं। बता दें की जिफ में राजस्थान की 21 फिल्मों ने विभिन्न श्रेणियों में नामांकन पाया है, जो राज्य की सांस्कृतिक धरोहर और सिनेमाई प्रतिभा को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करती हैं। फेस्टिवल में 9 शॉर्ट फिक्शन, 7 फीचर फिक्शन, 2 मोबाइल शॉर्ट फिल्म, 2 म्यूजिकल एल्बम और 1 एनिमेशन फिल्म को भी शामिल किया गया है। 17 से 21 जनवरी तक आयोजित होने वाले जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, आईनॉक्स जीटी सेंट्रल, और अन्य स्थानों पर किया जाएगा। इस आयोजन से राजस्थानी सिनेमा को नई पहचान और ऊंचाई मिलेगी।

पात्रता जांच एक से

जयपुर @ जागरूक जनता। आरपीएससी द्वारा आयोजित सहायक सांख्यिकी अधिकारी भर्ती 2024 के 14 पदों की सीधी भर्ती के लिए 56 अभ्यर्थियों को पात्रता जांच और दस्तावेज सत्यापन केलिए सूचीबद्ध किया गया है। अभ्यर्थियों की 1से 03 जनवरी तक पात्रता जांच और दस्तावेज सत्यापन का कार्य कृषि विभाग द्वारा कॉन्फ्रेन्स हॉल, प्रथम तल, पंत कृषि भवन, जयपुर में किया जायेगा। विस्तृत जानकारी कृषि विभाग की बेवसाइट पर उपलब्ध है।

अंतराष्ट्रीय ऊंट उत्सव 10 से

बीकानेर @ जागरूक जनता। अंतराष्ट्रीय ऊंट उत्सव 10 से 12 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने पोस्टर का विमोचन करते हुए उत्सव तैयारियों की समीक्षा की। जिला कलेक्टर ने बताया कि 10 जनवरी को भव्य सांस्कृतिक संध्या के साथ तीन दिवसीय कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। इसमें विभिन्न कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। साथ ही, ऊंट के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जायेगा।

गेहूं खरीद पंजीयन 1 से

जयपुर @ जागरूक जनता। रबी विपणन सीजन 2025-26 केलिए एमएसपी पर गेहूं बिक्री करने वाले किसान एक जनवरी से 25 जून तक msp-proc.rajasthan.gov पोर्टल पर अपना पंजीयन करवा सकेंगे। सरकारी खरीद एंजेसियां एमएसपी पर गेहूं की खरीद 10 मार्च से शुरू करेंगी। जो 30 जून तक जारी रहेगी। बता दें कि केन्द्र सरकार ने गेहूं काा न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। इसके अलावा राज्य सरकार की ओर से प्रति क्विंटल 125 रूपए का बोनस किसानों कोदिया जायेगा।

अनियमितता संबंधी प्रकरणों में जांच समयबद्ध सीमा में हो पूरी

जयपुर @ जागरूक जनता। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि जिन सहकारी समितियों में अनियमितता सबंधी प्रकरण सामने आए हैं और उनकी जांच सहकारी कानून के तहत धारा 55 या 57 के तहत करवायी जा रही है तो जांच को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किया जाए। दक ने अपेक्स बैंक सभागार में मुख्यमंत्री कार्यालय एवं सहकारिता मंत्री कार्यालय से प्राप्त शिकायतों के प्रकरणों में विभाग स्तर से की गई कार्यवाही प्रगति की समीक्षा करते हुये कहा कि पत्रों में जो भी शिकायत बिन्दु हैं, उन पर त्वरित कार्यवाही की जाए तथा लगातार फोलोअप भी करें ताकि न्यायसंगत कार्यवाही हो सके एवं शिकायत के प्रकरणों में नियमानुसार समयबद्ध राहत को सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में शिकायतकर्ता से भी संपर्क कर उसका पक्ष सुने एवं रिकार्ड से सत्यापन करके ही जांच रिपोर्ट दें। यदि किसी भी प्रकरण में जांच अधिकारी द्वारा फौरी तौर पर बिना रेकार्ड सत्यापित किये जांच रिपोर्ट दी गई है तो ऐसे अधिकारी के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। बैठक में सहकारिता विभाग की शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार मंजू राजपाल ने निर्देश दिये कि प्रदेश में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर मूंग, सोयाबीन एवं मूंगफली की खरीद की जा रही है। खरीद केन्द्रों पर खरीद की व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के लिये प्रतिदिन जिले के इकाई उप-रजिस्ट्रार एवं जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक के प्रबंध निदेशक विजिट करें और जो भी समस्या आ रही है, राजफैड के अधिकारियों के साथ सामंजस्य स्थापित कर उसका निराकरण सुनिश्चित करें।

जेएलएफः मकसद से छिटका और मार्केटिंग से लिपटा

पूनम चन्द्रा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

जयपुर। हर बार जयपुर के साहित्यप्रेमियों व आमोखास लोगों में चर्चा का विषय जरूर रहता है कि जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल अपने मूल मकसद से भटक रहा है। अधिकतर लोगों को निराशा ही हाथ लगती है। क्या यह डिग्गी पैलेस का जादुई असर था जो जेएलएफ को प्रतिष्ठित मंच की शक्ल में तब्दील कर दिया। या फिर आयोजन स्थल बदलते ही जेएलएफ का तिलिस्म काफूर हो गया। हालांकि लोगों की बड़ी तादाद में चहल-कदमी किसी आयोजन की कामयाबी की चाबी नहीं होती है, लेकिन लोगों का बड़ी तादाद में एकत्र होना किसी इवेंट को बड़ा रूप जरूर दे देता है, क्योंकि अवाम की ताकत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। इतना ही नहीं आयोजक भी खुद दावे के साथ आयोजन की कामयाबी की गवाही ही नहीं पैरवी भी करता दिखाई देता है।

आयोजनकर्ताओं का फिल्मी सेलिब्रिटीज को जेएलएफ का हिस्सा बनाने का मकसद भीड़ जुटाना भर है या फिर मूल मकसद से ध्यान बंटाना है। ये पब्लिक है सब जानती है...। अबकी बार जेएलएफ का 18 संस्करण है जो आगामी साल 30 जनवरी से 3 फरवरी तक यहां जेएलएन मार्ग स्थित होटल क्लार्क्स आमेर के प्रांगण में होगा। जेएलएफ के मंच की शोभा बढ़ाने वाले देश-दुनिया के नामी साहित्यकारों, चिंतकों व लेखकों समेत राजनीतिक हस्तियों की कई फेहरिस्त तो जारी हो चुकी हैं, कुछेक बाकी है। क्या उनके विषयगत करारे संवाद, उत्तेजक विचार समाज में क्रांतिकारी बदलाव की बुनियाद रखेंगे? या फकत तसव्वुर की दुनिया की ही सैर भर कराएंगे, यही विचारणीय सवाल है।

आयोजक खुद ही जेएलएफ को धरती का सबसे बड़ा साहित्योत्सव या साहित्यकुंभ कहते हैं। क्या एक झूठ को एक सौ बार बोलने से वह सत्य की सूरत बन जाता है? शायद जेएलएफ के आयोजनकर्ता भी इसी परिपाठी का अनुसरण हर बार करने लगे हैं। पिछले 18 बरस से जेएलएफ अपने खुले मंच पर खुल संवाद की आड़ में हौले-हौले रंग बदल रहा है। यही कारण है कि अच्छे साहित्य और दमदार संवाद की उम्मीद में आने वाला हर शख्स खुद को ठगा से महसूस करने लगा है। यहां फैशन, लाइफ स्टाइल के नए रंग जेएलएफ की रौनक जरूर बढ़ाते हैं पर, जमीनी सच्चाई को ओझल करना अपने मूल मकसद से भटकने जैसा है।

अब यह बात खुलकर देखने को मिल रही है कि साहित्य का यह प्रतिष्ठित मंच अब बाजारीकरण का हिस्सा अधिक बनता जा रहा है। शुबहा नहीं कि जेएलएफ में हर साहित्यकार, चिंतक व लेखक अपनी निजी पब्लिसिटी को महत्व देने के लिए आता है। या फिर इस मंच से किसी संवेदनशील मुद्दे पर विवादित बयान या टिप्पणी से सस्ती सुर्खियां बंटोरने की नाकाम कोशिश की जाती रही हैं। मसलन कोई समस्या को सुलझाने की बजाए सुलगाने की हदें पार होती दिखाई देती हैं।

जयपुर में जेएलएफ की बुनियाद मजबूत करने वाले टीमवर्क आर्ट के आयोजक-फाउंडर्स में नमिता गोखले, विलियम डेम्परिल और संजोए के.रॉय की कोशिश को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है पर, तेजी से बदलते दौर ने जेएलएफ की प्रकृति में तूफानी बदलाव कर दिया है। यही कारण है कि जेएलएफ में अब सुनकारों की कमी शिद्दत से महसूस होने लगी है। हालांकि सभी लोगों को खुश करना मुश्किल है पर, अधिकतर को अपने पाले में खड़ा किया तो जा सकता है, लेकिन हर बार की तरह अधिकतर पुराने ही चेहरे मंच पर अधिक नजर आते हैं। जेएलएफ के आयोजकों को यह लगने लगा है कि नामी चेहरे रिपीट नहीं किए तो लोग कैसे जुटेंगे। यदि जेएलएफ में जान फूंकनी है तो जोखिम तो उठाना ही पड़ेगा। *(ये लेखक के अपने विचार है)*

ऑटोमेशन के लिए 91 हेक्टेयर के लिए 26.85 लाख रुपए का अनुदान मिलेगा, 91 हैक्टेयर एरिया का लक्ष्य दिया

बूंद-बूंद सिंचाई में ऑटोमेशन व फर्टिगेशन तकनीकी से होगी खेती

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। राजस्थान सरकार कृषि सेक्टर में युवाओं को जोड़ने के लिए नई तकनीकों पर फोकस कर रही है। ताकि इससे युवा भी कृषि से जुड़कर इस सेक्टर में नया बूम लेकर आएं। इसके लिए उद्यान निदेशालय की और से खेती में ऑटोमेशन, फर्टिगेशन और समुदाय आधारित कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) समाधान परियोजना लागू की जा रही है। इन तकनीकों के कृषि सेक्टर में उपयोग होने से बिजली, पानी व खाद की बचत होगी।

उपनिदेषक उद्यान डॉ शंकर लाल जाट ने बताया कि राजस्थान में सूखाग्रस्त एरिया ज्यादा होने नई तकनीक में बूंद-बूंद पानी के उपयोग पर फोकस किया जा रहा है। इसके लिए जिलेवार लक्ष्य निर्धारित किए गए है। इसमें पहले आओ पहले पाओ के आधार पर राज किसान साथी पोर्टल के माध्यम से किसानों को योजना का फायदा दिया जाएगा। जिले में ऑटोमेशन के लिए 91 हेक्टेयर एरिया के 26.85 लाख रुपए का अनुदान मिलेगा, फर्टिगेशन के लिए जिले को 57 हैक्टेयर एरिया का लक्ष्य दिया गया है।

क्या है ऑटोमेशन व फर्टिगेशन कार्यक्रम

केंद्र सरकार से जारी पर ड्रॉप मोर क्रॉप योजना के तहत ऑटोमेशन कार्यक्रम के लिए ऑटोमेशन कम्पोनेंट के लिए किसान को प्रति हैक्टेयर 40 हजार रुपए मिलेंगे कृषक हिस्सा राषि जमा करानी होगी एवं विभाग की ओर से लाभार्थी को अनुमोदित लागत का 75 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। इस योजना में 0.40 से 5 हैक्टेयर क्षैत्र के लिए 2 लाख मिलेंगे। इस तकनीक में कंट्रोलर, सेंसर, सोलोनाइड वॉल्व, फिल्टर्स व अन्य माध्यमों से ड्रिप सिंचाई संयंत्रों का स्वचालन किया जाता है। ताकि अधिक से अधिक लाभ मिल सकें और उत्पादन भी अच्छा रहे। इसी प्रकार फर्टिगेशन में फसल को वांछित पोषक तत्वों की आपूर्ति ड्रिप सिचाई प्रणाली के माध्यम से सिंचाई के साथ जल विलेयक या तरल उर्वरक की ओर से सीधे ही पौधे की जड़ तक भेजा सकेगा। इस तकनीक से उर्वरक का प्रभावी रूप से उपयोग हो सकेगा।

पशुपालन निदेशक डॉ. भवानी सिंह राठौड़ हुए सेवानिवृत, विभाग ने दी भावभीनी विदाई

जयपुर @ जागरूक जनता। पशुपालन निदेशक डॉ. भवानी सिंह राठौड़ अपने 35 वर्ष 10 महीने की राजकीय सेवा के बाद मंगलवार को सेवानिवृत हो गए। वे डॉ. राठौड़ को विभाग की ओर से भावभीनी विदाई दी गई। सरल, सहज एवं बहुमुखी प्रतिभा के धनी डॉ. राठौड़ ने निदेशक के रूप में दो साल विभाग को अपनी सेवाएं दीं। डॉ. राठौड़ की सेवानिवृति के अवसर पर अपने शुभकामना संदेश में पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि डॉ. राठौड़ ने अपने कार्यकाल के दौरान निष्ठा, परिश्रम और दूरदर्शिता का अनुकरणीय परिचय दिया। उन्होंने नेतृत्व के उच्च मानदंड स्थापित किए और हर व्यक्ति को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित किया। कुमावत डॉ. राठौड़ को विदाई देने पशुधन भवन पहुंचे। विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने कहा कि डॉ. भवानी सिंह ने एक कुशल प्रशासक और राज्य सेवा तथा पशु चिकित्सक समुदाय के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्तित्व के रूप में काम किया। डॉ. राठौड़ द्वारा विभाग को दी गई सेवाओं के लिए उन्हें लंबे समय तक याद रखा जाएगा। डॉ. भवानी सिंह राठौड़ का जन्म बीकानेर जिले में हुआ था। उन्होंने सीकर और बीकानेर जिले में अपनी शिक्षा प्राप्त की। डॉ. राठौड़ ने वर्ष 1989 में बांसवाड़ा जिले के पशु चिकित्सालय तलवाड़ा में प्रभारी अधिकारी के रूप में अपनी सेवा प्रारम्भ की। वर्ष 1996 में सीधी भर्ती से चयनित होकर जिला स्तरीय अधिकारी बने। उन्होंने अतिरिक्त निदेशक उदयपुर, जयपुर, भरतपुर एवं अन्य कई पदों पर रहते हुए विभाग को अपनी उत्कृष्ट सेवाएं दी हैं। डॉ. राठौड़ भारतीय पशु चिकित्सा परिषद के सदस्य भी रहे। अपने सेवा काल दौरान विभिन्न समितियों के अध्यक्ष एवं सदस्य के रूप में पशु चिकित्सा नीति के निर्माण में डॉ. राठौड़ का अमूल्य योगदान रहा। डॉ. राठौड़ की सेवानिवृत्ति के बाद डॉ. आनंद सेजरा को पशुपालन विभाग के निदेशक पद का कार्यभार दिया गया है।

कश्मीर के गुलमर्ग, पहलगाम में शीतलहर से कड़ाके की ठंड, पर्यटक हुए खुश

श्रीनगर। कश्मीर के गुलमर्ग और पहलगाम में शीतलहर से कड़ाके की ठंड जारी है और तापमान हिमांक बिंदु से कई डिग्री नीचे चला गया है। हालांकि घाटी के अन्य हिस्सों में सर्दी से कुछ राहत मिली है। वहीं ठंड बढ़ने के साथ पर्यटन स्थलों पर बढ़ने लगी पर्यटकों की रौनक। मौसम विभाग ने बताया कि उत्तरी कश्मीर में 'स्कीइंग' गतिविधियों के लिए प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से 10 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात की तुलना में दो डिग्री कम है। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण कश्मीर में वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए आधार शिविर पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से 9.2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जबकि पिछली रात यह शून्य से 8.5 डिग्री सेल्सियस नीचे था। श्रीनगर में रात के समय तापमान शून्य से 0.9 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया जो सामान्य से एक डिग्री अधिक है। कुपवाड़ा में न्यूनतम तापमान हिमांक बिंदु से ऊपर रहा।

2024

साल 2024 में अदालतों के इन फैसलों की रही खूब चर्चा, चले दावपेंच...

दिल्ली की अदालतों में सुर्खियों में रही आबकारी नीति

नई दिल्ली। दिल्ली की अदालतें साल 2024 में कई मामलों की सुनवाई को लेकर चर्चा में रहीं। 2024 में राष्ट्रीय राजधानी की निचली अदालतों में सुर्खियां बटोरीं। वहीं कई मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय भी चर्चा में रहे।

पहले पदस्थ दिल्ली सीएम केजरीवाल की हुई गिरफ्तारी

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की 2021-22 की आबकारी नीति मामले में गिरफ्तारी और इससे जुड़े मामलों में सामने आए नाटकीय घटनाक्रम ने 2024 में राष्ट्रीय राजधानी की निचली अदालतों में सुर्खियां बटोरीं। देश में गिरफ्तार होने वाले पहले पदस्थ मुख्यमंत्री केजरीवाल को इस मामले में आरोपी बनाया गया और ईडी ने उन्हें 21 मार्च को हिरासत में लिया।

तेलंगाना विधान परिषद की सदस्य कविता बनीं आरोपी

एजेंसियों ने कथित घोटाले में "दक्षिण लॉबी" की भूमिका की तरफ इशारा किया। सीबीआई ने जुलाई में केजरीवाल के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया, जबकि इससे पहले दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और तेलंगाना की विधान परिषद की सदस्य कविता के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया था।

बृजभूषण पर पहलवानों के यौन उत्पीड़न के लगे आरोप

एक मई को एक अदालत ने ऑनलाइन समाचार पोर्टल 'न्यूजक्लिक' के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ के खिलाफ मामलों में दायर आरोपपत्रों पर संज्ञान लिया। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा नेता बृज भूषण सिंह पर महिला पहलवानों ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया और इस संबंध में शिकायत के बाद 21 मई को अदालत ने उनके खिलाफ आरोप तय कर दिए।

डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा किए कार्यों से ही देश वैश्विक पटल पर मजबूत अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रहा है-डोटासरा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय जयपुर पर आज पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन होने पर प्रार्थना सभा आयोजित हुई। प्रार्थना सभा में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. डॉ. मनमोहन सिंह के सम्मान में प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा शोक प्रस्ताव पारित किया गया व दो मिनट का मौन रखा गया तथा उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि प्रदान की गई। इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सी. पी. जोशी, डॉ. बी. डी कल्ला, एआईसीसी के बिहार प्रदेश प्रभारी मोहन प्रकाश सहित विधायक, सांसद, पूर्व मंत्री, पीसीसी पदाधिकारियों सहित प्रदेशभर से बड़ी संख्या में कांग्रेस नेतागण श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने मीडिया को सम्बोधित करते हुए कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह अपने कार्यों, स्वभाव एवं व्यक्तित्व के कारण पूरे विश्व में प्रसिद्ध थे। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह ने भारत को विश्व की मजबूत अर्थव्यवस्था बनाने तथा वैश्विक पटल पर देश को नम्बर वन बनाने हेतु कार्य किया। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह ने देश में आर्थिक उदारीकरण की नीति लागू कर अपने कार्यों से ऐसे समय में जब पूरा विश्व आर्थिक मंदी का सामना कर रहा था, देश को उन्नति के पथ पर ले जाने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि आज देश के सभी नागरिक डॉ. मनमोहन सिंह जी द्वारा किए गए कार्यों को श्रद्धा से याद कर रहे है। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह ने अपने 10 वर्षीय कार्यकाल में जो कार्य किए उसी का परिणाम है कि आज देश वैश्विक पटल पर मजबूत अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रहा है। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह जी ने देशवासियों को मनरेगा लागू कर रोजगार का अधिकार दिया, राईट-टू-एज्यूकेशन लागू कर शिक्षा का अधिकार दिया। उन्होंने कहा कि देशवासियों को खाद्य सुरक्षा अधिनियम के माध्यम से लाभान्वित करने के साथ ही किसानों का 72 हजार करोड़ रुपये का ऋण माफ करने जैसे उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय कार्य किये, जिनकी चर्चा पूरे विश्व में हो रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने देश के दलितों, पिछड़ों, किसान, मजदूर, महिलाओं, युवाओं, छोटे व्यापारियों के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण योजनाएं बनाकर कार्य किया। उन्होंने कहा कि देश में सर्वाधिक लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर ले जाने का कार्य डॉ. सिंह के कार्यकाल में ही हुआ था। उन्होंने कहा कि लोग डॉ. मनमोहन सिंह के 10 वर्षीय कार्यकाल एवं वर्तमान सरकार के कार्यकाल की तुलना कर रहे है। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह के कार्यकाल में एक तरफ गरीबों के उत्थान के लिए कानून एवं फ्लैगशिप योजनाएं लागू हुई, दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में नोटबंदी, किसानों पर थोपे गए काले कानून लागू हुए। उन्होंने कहा कि एकरतफ मनमोहन सिंह जी ने किसानों को 72 हजार करोड़ का ऋण माफ कर राहत दी थी।

राजसीड्स द्वारा 2024-25 में 362451 क्विंटल बीज का किया वितरण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान स्टेट सीड्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष एवं शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने कहा कि प्रदेश में अच्छी पैदावार के लिए उच्च गुणवता एवं उन्नत किस्म का बीज जरूरी है। उन्होनें कहा कि निगम इसके लिए हर संभव प्रयास कर रहा है, जिससे फसलों की उपज के साथ-साथ किसानों की आय में भी वृद्धि हो सके।

राजन विशाल की अध्यक्षता में दुर्गापुरा स्थित श्याम ऑडिटोरियम में राजस्थान स्टेट सीड्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड की 46वीं वार्षिक साधारण सभा का आयोजन किया गया। जिसमें उन्होनें बताया कि किसानों को उच्च गुणवतायुक्त बीज उपलब्ध कराने हेतु वर्ष 2015 से खरीफ फसलों के प्रमाणित बीजों का जी.ओ.टी. परीक्षण करवाया जा रहा है। इस प्रक्रिया को निरन्तर रखते हुए, वर्ष 2020-21 से रबी फसलों के प्रमाणित बीजों का भी जी.ओ.टी. करवाया जा रहा है। जी.ओ.टी. परीक्षण करवाने से बीजों की आनुवांशिक गुणवता सुनिश्चित हो रही है। राजसीड्स देश की प्रथम संस्था है जो प्रमाणित बीज की जी.ओ.टी. कराकर ही किसानों को बीज उपलब्ध कराती है।

उन्होनें बताया कि वर्ष 2023-24 में 3 लाख 69 हजार क्विंटल प्रमाणित एवं सत्य चिन्हित बीज उत्पादन किया गया है। 2024-25 में खरीफ व रबी फसलों में प्रमाणित व आधार बीज उत्पादन कार्यक्रम के तहत 46 हजार 306 हैक्टेयर क्षेत्र में बुवाई की गई है, जिसमें 7.34 लाख क्विंटल रॉ-बीज का उत्पादन संभावित है। जायद 2024 में संकर बाजरा बीजोत्पादन कार्यक्रत अन्तर्गत बीसलपुर बांध क्षेत्र में 483 क्विंटल रॉ-बीज का उत्पादन हुआ है।

राजन विशाल ने कहा कि रबी 2023-24 में उत्पादित गेंहू व जौ प्रमाणित व आधार बीज उत्पादन पर देय प्रीमियम राशि में रबी 2022-23 की तुलना में वृद्धि कर दोनों ही फसलों के प्रमाणित बीज उत्पादन 10 वर्ष तक अधिसूचित किस्मों हेतु 225 रूपये प्रति क्विंटल से बढाकर 350 रूपये प्रति क्विंटल एवं 10 वर्ष से अधिक अधिसूचित किस्मों हेतु 175 रूपये प्रति क्विंटल से बढाकर 350 रूपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है, जिसके कारण रबी 2024-25 में गत वर्ष से लगभग गेंहू में 26 प्रतिशत एवं जौ में 36 प्रतिशत बुवाई क्षेत्र में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि बीज उत्पादन के लिए ज्यादा से ज्यादा किसानों को जोडने का कार्य किया जा रहा है, साथ ही छोटी जोत के कृषकों को भी जोडने का कार्य निगम कर रहा है। राजस्थान ऑर्गेनिक फार्मिंग बोर्ड का गठन किया गया है, जो किसानों की ऑर्गेनिक पैदावार को उचित मूल्य दिलवाने व ऑर्गेनिक उत्पादों के विपणन में सहयोग करेगा।

उन्होंने कहा कि निगम के विधायन केन्द्रों के अधिकाधिक उपयोग के लिए सर्विस प्रोवाइडर के माध्यम से बीज उत्पादक कृषकों से ज्यादा उत्पादन करवाया जायेगा, साथ ही प्रतिबद्ध विक्रेताओं के माध्यम से राजस्थान के सुदूर क्षेत्र के किसानों को भी उन्नत एवं गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध करवाया जायेगा तथा केवीएसएस एवं जीएसएस पर कैम्प ऑफिस स्थापित कर बीज उत्पादक कृषकों से बीज कलेक्शन प्रायोगिक तौर पर करने के निर्देश दिये।

अध्यक्ष ने कहा कि राजसीड्स द्वारा खरीफ 2024 में 1 लाख 46 हजार 95 क्विंटल एवं रबी 2024-25 में 2 लाख 16 हजार 356 क्विंटल, इसी प्रकार वर्ष 2024-25 में कुल 3 लाख 62 हजार 451 क्विंटल बीज का वितरण किया गया है। प्रमाणित बीज की उपलब्धता को आम कृषक तक पहुंचाने के लिए बीज वितरण मुख्यतः ग्राम सेवा सहकारी समितियों और क्रय-विक्रय सहकारी समितियों के माध्यम से कराया गया है। उन्होनें बताया कि वर्तमान में निगम की 22 इकाईयां एवं 5 बीज विस्तार केन्द्र है। जिनकी कुल भण्डार क्षमता 10 लाख 21 हजार एवं कुल विधायन क्षमता 12.60 लाख क्विंटल है। वर्ष 2023-24 में निगम का सकल कारोबार 23,405.01 लाख रूपये रहा है तथा कर कटौती के पश्चात निगम का लाभ 1606.49 लाख रूपये है।

अध्यक्ष ने कहा कि निगम निष्ठा, समर्पण एवं कठिन परिश्रम से बीजों की गुणवता में सुधार करने का प्रयास कर रहा है। निगम सभी बीज उत्पादक बंधुओं का आभारी है, जिन्होनें अधिकाधिक उत्तम गुणवता का बीज उत्पादन कर निगम की प्रगति में सहयोग दिया है। बैठक में आयुक्त उद्यानिकी सुरेश कुमार ओला, राजस्थान स्टेड सिड्स कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक निमिषा गुप्ता, महाप्रबंधक रामलाल मीणा, निगम के निदेशक फतेह सिंह गुर्जर, कैलाश चंद चौधरी, निगम के अंशधारक कृषक एवं निगम के अधिकारीगण मौजूद रहे।

मेधा पाटकर को सुनाई सजा

नर्मदा बचाओ आंदोलन की नेता मेधा पाटकर को उपराज्यपाल वी के सक्सेना द्वारा दायर मानहानि के मामले में एक जुलाई को एक अदालत ने 5 महीने के साधारण कारावास की सजा सुनाई थी।

टाइटलर पर सिख दंगों के आरोप तय

कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर पर 1984 के सिख विरोधी दंगों में शामिल होने का आरोप है। 13 सितंबर को हत्या और अन्य अपराधों के आरोप तय किए गए। उन्होंने खुद को निर्दोष बताया है।

जेल से जीता लोकसभा चुनाव

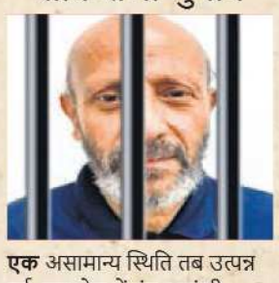

एक असामान्य स्थिति तब उत्पन्न हुई, जब जेल में बंद आतंकी फंडिंग मामले में आरोपी इंजीनियर रशीद ने 2024 के आम चुनाव में जम्मू-कश्मीर लोकसभा सीट से जीत दर्ज की।

ताहिर हुसैन को नहीं मिली कोर्ट से राहत

दिल्ली में हुए दंगों के अलग-अलग मामलों में आरोपी जेएनयू के पूर्व छात्र उमर खालिद, छात्र कार्यकर्ता शरजील इमाम और 'आप' के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को अदालत से कोई राहत नहीं मिली।

लालू व परिजनों को मिली जमानत

"जमीन के बदले नौकरी" मामले में पूर्व सीएम लालू प्रसाद, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव को विशेष अदालत से सात अक्टूबर को जमानत मिली।

अमानतुल्लाह की रिहाई से बवाल

एक ऐसा फैसला जिसने काफी हलचल मचाई वह था 'आप' विधायक अमानतुल्लाह खान की रिहाई। अदालत ने 14 नवंबर को उनकी रिहाई का निर्देश दिया। इससे काफी बवाल मचा था।

अलविदा 2024 : बॉलीवुड की बिब्बोजान अदिति से बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने इस साल मरूधरा में लिए सात फेरे

राजस्थान बना शाही शादियों का साक्षी

जयपुर। राजस्थान की रॉयल्टी देश ही नहीं विदेशों में भी लुभा चुकी है। विशाल महलों और भव्य पैलेस के लिए पहचाने जाने वाले राजस्थान की आबोहवा में ही रॉयल्टी झलकती है। भारत ही नहीं बल्कि विदेशी लोगों को भी यहां की प्राकृतिक और ऐतिहासिक खूबसूरती आकर्षित करती है। इसलिए इस साल कई बॉलीवुड, टीवी इंड्रस्ट्री और स्पोर्ट्स खिलाड़ियों की रॉयल वेडिंग का साक्षी बना राजस्थान। तो चलिए जानते है इस साल राजस्थान में किन किन सेलिब्रीटिज ने अपना हसमफर चुना और साथ जीने के 7 वचन यहां पर लिए।

इरा खान Weds नुपुर शिखरे

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान की बेटी इरा खान ने 3 जनवरी को फिटनेस ट्रेनर नुपुर शिखरे से अरावली हिल होटल, उदयपुर में शादी की।

सुरभि Weds करण

टीवी की सबसे हॉट अभिनेत्रियों में से एक सुरभि चंदना ने 2 मार्च को जयपुर के चौमूं पैलेस होटल में अपने लॉन्गटाइम बॉयफ्रेंड करण शर्मा से शादी की।

सोनारिका Weds विकास

टीवी की पार्वती उर्फ सोनारिका भदोरिया और उनके असल जिंदगी के 'महादेव' विकास पाराशर राजस्थान के रणथंभौर में एक-दूजे के हुए।

अदिति Weds सिद्धार्थ

बॉलीवुड की बिब्बोजान अदिति राव हैदरी ने अपने बॉयफ्रेंड और मशहूर एक्टर सिद्धार्थ से जयपुर के अलीला किला बिशनगढ़ में शादी की।

शुभांजलि Weds नवीन

मशहूर वेब सीरीज अभिनेता नवीन कस्तूरिया ने राजस्थान के उदयपुर में एक भव्य समारोह में अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड शुभांजलि शर्मा से शादी की।

सिंधु Weds वेंकट

बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने हैदराबाद के वेंकट दत्ता साईं को अपना जीवनसाथी चुना। उन्होंने झीलों की नगरी उदयपुर में 22 दिसंबर को उनकी शादी हुई।

नववर्ष का स्वागत नेक कार्य तथा एक नई उम्मीद के साथ करें-डॉ. मोनिका

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बीकानेर। 2025 का स्वागत राष्ट्रहित के लिए नेक कार्य के साथ कर सकते हैं। नेकी दान, दयालुता और समर्थन के कार्यों का प्रतिनिधित्व करता है, खासकर उन लोगों के प्रति जो कम भाग्यशाली हैं या संकट में हैं। इसका तात्पर्य जरूरतमंद लोगों व जीवों को प्रदान की जाने वाली सहायता से भी है, जैसे पड़ोसियों या गरीबों की सहायता। बहुत से लोग विभिन्न जरूरतमंद संगठनों के लिए सहायता जुटाते हैं जो संघर्ष कर रहे लोगों के लिए सार्वजनिक सहायता प्रदान करते हैं। कुछ लोग दान कर सकते हैं, जो मानवता के लिए करुणा और प्रेम की भावना का प्रतीक है। आमतौर पर, दान के सबसे उपयुक्त प्राप्तकर्ताओं में गरीब, विशेष रूप से विधवाएं, अनाथ, बीमार और घायल शामिल हैं। कई प्रकार के दान भोजन, पानी, कपड़े, स्वास्थ्य देखभाल और आवास जैसी आवश्यक जरूरतों की आपूर्ति पर जोर देते हैं।

अन्य गतिविधियों को भी देखा जा सकता है, जिसमें उन लोगों से मिलना शामिल है जो कैद में हैं या बंदियों की रिहाई सुनिश्चित करना, अनाथों को शिक्षित करना और सामाजिक आंदोलनों का समर्थन करना। उन पहलों में योगदान जो अप्रत्यक्ष रूप से वंचितों की सहायता करते हैं, जैसे कि वृद्ध, जानवरों व अनाथों के वित्तपोषण को भी नेक कार्य माना जाता है। छुट्टियों का मौसम अक्सर दान और सद्भावना के कार्यों का समय होता है, जहां परोपकारी कारणों से उपहार दिए जाते हैं, साथ ही उदार होने और दूसरों को समझने की प्रवृत्ति भी होती है।

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न :किसान-कुलपतियों की एक ही जाजम पर पॉलीहाउस टेक्नोलॉजी एवं संरक्षित खेती पर चर्चा

संरक्षित खेती का सफल उदाहरण बस्सीझाझड़ा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर और भारतीय कृषि विश्वविद्यालय संघ द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बलराज सिंह की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई, देशभर के कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति और अधिकारी एवं वैज्ञानिकों ने एक ही जाजम पर बैठकर पॉलीहाउस टेक्नोलॉजी की खेती पर गहन चर्चा की।

क्यों बना गांव बस्सी-झांझड़ा संरक्षित खेती के लिए आदर्श

कुलपतियों ने माना विषम परिस्थितियों में बस्सी झाझड़ा देश का सफलतम उदाहरण है। विषम परिस्थितिया जैसे संपूर्ण रूप से बारिश आधारित, जोबनेर के आसपास के क्षेत्र में पानी की है बड़ी समस्या, पानी की होल्डिंग कैपेसिटी कम है, गर्मियों में तापमान 50 सेल्सियस से अधिक व सर्दियों में तापमान माइनस 4 तक रहता है।

विषम परिस्थितियों का होता है समाधान

वैज्ञानिकों ने माना क्लस्टर में संरक्षित खेती के प्रभावी परिणाम कुलपति डॉ. बलराज सिंह ने कहा कि संरक्षित खेती को बढ़ावा देने की आवश्यकता है और बस्सी-झांझड़ा की पोलीहाउस टेक्नोलॉजी को पूरे देश में क्लस्टर के रूप में अपनाने की जरूरत है, वैज्ञानिकों ने माना क्लस्टर में पोली हाउस टेक्नोलॉजी ज्यादा सफल है। टमाटर व खीरे के पॉलीहाउस का निरीक्षण किया, किसानों की समस्याओं का समाधान किया, गौरतलब है कि बसेड़ी में बस्सी झाझडा में 1000 से अधिक पॉलीहाउस है।

किसानों की समस्याओं पर गहन चर्चा

किसानों ने अपनी समस्याओं को कुलपतियों और वैज्ञानिकों के सामने रखा, कुलपतियों ने फसलों की चुनौतियों पर चर्चा करते हुए बताया कि सरसों और रेपसीड में ओरोबैंकि का प्रकोप किसानों के लिए एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है। जीरे में विल्ट का समाधान मिल चुका है, लेकिन अब ब्लाइट एक बड़ी चुनौती के रूप में उभरा है। उन्होंने यह भी बताया कि पोलीहाउस में थ्रिप्स, व्हाइटफ्लाई और माइट का नियंत्रण रासायनिक कीटनाशकों से करना मुश्किल हो रहा है, लेकिन उनके कुछ बायोलॉजिकल उपाय का कुलपतियों ने मंथन किया।

बेहतरीन परिणाम हेतु फसल चक्र जरूरी

कुलपतियों ने यह भी माना की पोली हाउस टेक्नोलॉजी में खीरे के अलावा हरी मिर्च और टमाटर की फसल पर ध्यान देने की जरूरत क्योंकि इन गांवों में खीरे का बड़े स्केल पर होता है उत्पादन, जिससे कई बार भाव फसल के मूल्य में गिरावट आ जाती है, इस प्रकार की समस्या से भी आसानी से बचा जा सकता है साथ ही फसल चक्र से फसलों पर कीटों व बीमारियों का अटैक भी कम होगा।

गांव में खुले पोली हाउस प्रशिक्षण केंद्र

किसानों की ओर से खेमा राम महरिया ने गांव में पॉलीहाउस प्रशिक्षण केंद्र खोलने की मांग रखी। कुलपतियों ने माना पोली हाउस प्रशिक्षण केंद्र खुलने से गांव के आसपास के किसानों को तो फायदा होगा ही साथ इस टेक्नोलॉजी को आसानी से दूसरे क्षेत्र के किसानों को अपनाने में सुविधा व प्रशिक्षण देने में मदद मिलेगी।

संरक्षित खेती में चुनौतियां

संरक्षित खेती में उच्च लागत, विशेष तकनीकी ज्ञान की आवश्यकता, प्राकृतिक आपदाओं का खतरा, विशेष रोग, कीटों, निमेटोड और स्थिर बाजार पहुंच सुनिश्चित करना जैसी कई चुनौतियां शामिल हैं।

अन्य प्रमुख वक्ता और उनके विचार

डॉ. पी. कौशल, अध्यक्ष, भारतीय कृषि विश्वविद्यालय संघ और डॉ. दिनेश कुमार, सचिव, भारतीय कृषि विश्वविद्यालय संघ, पद्मश्री डॉ. बलदेव सिंह ढिल्लों, पूर्व कुलपति, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना ने संरक्षित खेती के क्षेत्र पर अपने विचार व्यक्त किए।

कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई जिला यातायात प्रबंध समिति की बैठक

सड़क दुर्घटना रोकने के लिए किए जाएंगे हर संभव प्रयास

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने कहा कि राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिये पुराने साइनेज को हटाकर नये साइनेज लगाए जाएं। डॉ. सोनी ने कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला यातायात प्रबंध समिति की बैठक में बोल रहे थे।

उन्होंने बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को राजमार्गों पर जारी फ्लाइओवर का गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही उन्होंने जिले में एक्सीडेंट फ्री सड़क को चिन्हित एवं विकसित करने के भी निर्देश दिये ताकि उन्हें आदर्श सड़क के रूप में पहचान दिलाकर अन्य सड़कों एवं राजमार्गों पर भी सुगम यातायात एवं दुर्घटना रोका जाना सुनिश्चित किया जा सके।

उन्होंने जयपुर जिले के शहरी, ग्रामीण क्षेत्र के राष्ट्रीय एवं राज्य मार्गों पर भारत सरकार के नये नोटिफिकेशन के अनुसार स्पीड लिमिट के साइनेज बोर्ड लगाने, राजमार्गों के प्रोटोकॉल के अनुसार चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स के निवारण करने एवं जिले में यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करने और राजमार्गों पर अनाधिकृत पार्किंग सहित रिफलेक्टिव टेप इत्यादि के उल्लघनों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये। साथ ही जयपुर विकास प्राधिकरण और राजस्थान राज्य सड़क विकास निगम के अधिकारियों को पिछली बैठक के बिन्दुओं की अनुपालना रिपोर्ट पेश करने के लिए निर्देशित किया गया है।

बैठक में ज्वलनशील पदार्थों को ले जाने वाले वाहनों की जीपीएस ट्रैकिंग करने, रूट उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने, टोल नाके पर नशा करके चलाने वाले वाहन चालकों को पकड़ने तथा बेसहारा पशुओं को रेडियम पट्टी लगा कर सर्दी में फोग से सेफ्टी के उपाय करने आदि पर भी चर्चा की गई। बैठक में पुलिस आयुक्त यातायात, पुलिस आयुक्त पश्चिम, अति. जिला कलक्टर (पूर्व), देवेन्द्र कुमार जैन सहित जयपुर विकास प्राधिकरण, परिवहन विभाग, सार्वजनिक निमार्ण विभाग सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और मुस्कान फाउंडेशन के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

केबिन हटाने की बात को लेकर विवाद

लोगों नें क़ी पत्थरबाजी, पुलिस नें कई लोगों लिया हिरासत में

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही। राजस्थान के सबसे सरूपगंज कस्बे में 31 दिसम्बर को सुभाष सर्कल पर ऑटो स्टैंड के लिए पंचायत के कार्मिक वहां लगे केबिन को व्यवस्थित कर रहे थे, इसी दौरान पास के दुकान मालिक सहित लोगों ने वहां विवाद कर दिया। भीड़ ममेसे कुछ लोगों ने पत्थरबाजी क़ी। पुलिस ने वहां मौजूद भीड़ को खदेड़ दिया। वहीं पुलिस ने इस मामले में पांच लोगों को हिरासत में लिया है। दुकान दार पर आरोप है क़ी उसने भीड़ को उकसाया जिसकी वजह से पूरा मामला बिगड गया और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए दो थाने क़ी पुलिस बुलानी पड़ी।

यह है पूरा मामला

31 दिसम्बर मंगलवार दोपहर को ग्राम पंचायत भावरी के ग्राम विकास अधिकारी जितेन्द्रसिंह, वार्ड पंच अशोक मीणा, मुश्ताक नागौरी, अशोक मेघवाल, फतेहदान चारण, नारायण कलबी, पंचायत समिति सदस्य पवन अग्रवाल सहित ग्रामीण सुभाष सर्कल पर आपसी सहमति से ऑटो स्टैंड के लिए जगह व्यवस्थित करने के लिए केबिन को हटाकर हाइड्रा मशीन से पास में रख रहे थे। इसी दौरान पास में स्थित दुकानदार वहां आया व मशीन से ऊंचे किए केबिन के नीचे सो कर विवाद खड़ा कर दिया। वहां पर काफी संख्या में भीड़ एकत्रित हो गई। वहीं सूचना मिलते ही थाना प्रभारी कमलसिंह व रोहिड़ा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। भीड़ में कुछ लोगों ने पत्थरबाजी करने का भी प्रयास किया। भीड़ बढ़ती देख पुलिस ने भीड़ को वहां से खदेड़ा।

राजकार्य में बांधा क़ी रिपोर्ट सौंपी

वहीं इस संबंध में ग्राम विकास अधिकारी जितेंद्रसिंह ने पुलिस को रिपोर्ट देकर बताया कि दुकानदार दिनेश कुमार, भरत कुमार पुत्र रावजी भाई, इनके परिवार की महिलाएं, इनके पुत्र अजय, अंकित, प्रतीक व अन्य लोगों ने पंचायत के वार्ड पंचों, जन प्रतिनिधियों व ग्रामीणों के साथ गाली गलौच कर केबिन में तोड़फोड़ कर हाथापाई कर राजकार्य में बाधा उत्पन्न की गई। वहीं पुलिस ने इस मामले में लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस नें रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज करके जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

केबिन रखने को लेकर विवाद हुआ था। उस दौरान कुछ लोगों नें शांति व्यवस्था को बिगाड़ने का प्रयास किया था। इसी को लेकर कुछ लोगों को शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार कर दिया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले क़ी जांच पड़ताल कर रहीं।

कमल सिंह, थानाधिकारी

गणतंत्र दिवस समारोह यथोचित ढंग से मनाए जाने हेतु बैठक आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। जिले में गणतंत्र दिवस समारोह को यथोचित ढंग से मनाये जाने हेतु आवश्यक तैयारियों के संबंध में अति कलक्टर भू अभिलेख रामचंद्र खटीक की अध्यक्षता में बैठक मंगलवार को जिला परिषद के ग्रामीण विकास सभागार में आयोजित की गई। बैठक में समारोह स्थल की व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, समारोह स्थल पर समयबद्ध कार्यक्रम, मंच संचालन, जिप्सी वाहनों की व्यवस्था, परेड कार्यक्रम, सामूहिक व्यायाम प्रदर्शन, पुरस्कार वितरण, झांकियों का प्रदर्शन, मिठाई वितरण, रोशनी की व्यवस्था, निमन्त्रण पत्र एवं प्रशंसा पत्र, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि पर चर्चा कर अधिकारियों को विभागवार उत्तरदायित्व सौंपे गए। एडीएम ने समसामयिक विषयों पर आकर्षक झांकियां बनाने, सार्वजनिक स्थलों पर साज सज्जा करने, स्वतंत्रता सेनानियों व वीरांगनाओं का सम्मान करने सहित आवश्यक निर्देश दिए। अति कलक्टर ने बताया कि 26 जनवरी को प्रातः 8 बजे जिला कलक्टर आवास पर, प्रातः 8:15 बजे राजकीय कार्यालयों में, प्रातः 8:30 बजे जिला कलेक्ट्रेट एवं प्रातः 9:05 बजे मुख्य कार्यक्रम स्थल इंदिरा गांधी स्टेडियम में ध्वजारोहण किया जाएगा।

बैठक में एसीईओ राकेश पुरोहित ने जमीनी स्तर पर बेहतर कार्य करने वाले कार्मिकों के नाम सम्मान हेतु भिजवाने की बात कही। इसके साथ ही अति कलक्टर ने जिला स्तरीय अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक लेकर विभिन्न विभागीय योजनाओं बजट घोषणाओं, डीएमएफटी के अंतर्गत कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को विभागीय घोषणाओं योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रगति लाने, बजट घोषणाओं के अंतर्गत भूमि आवंटन, प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति की स्थिति रिपोर्ट पेश करने एवं राइजिंग राजस्थान के अंतर्गत किए गए एमओयू के क्रियान्वयन हेतु की गई कार्यवाही की अद्यतन सूचना भिजवाने सहित आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे आवश्यक रूप से राजकाज पर पेंडिंग फाइलों का एवं संपर्क पोर्टल पर लंबित शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र निस्तारण करें। बैठक में उपाधीक्षक विनय चौधरी, सीएमएचओ डॉ ताराचंद गुप्ता, संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार दिनेश कुमार जागा, उपनिदेशक उद्यान डॉ शंकर लाल जाट, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी प्रमोद दशोरा, डीटीओ सुमन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

चार्टेड अकाउंटेंट बने प्रतिभागियों का किया अभिनन्दन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ महोत्सव समिति ने अभी हाल ही में उत्तीर्ण हुए क्षेत्र से 17 चार्टेड अकाउंटेंट का सांसद सी.पी. जोशी के मुख्य आतिथ्य में स्वागत एवं अभिनन्दन कार्यक्रम का आयोजन रखा गया। अभिषेक श्रीमाल ने बताया कि पंचायत समिति सभागार में समारोह का आयोजन किया गया अनुराग द्विवेदी ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद जोशी, कार्यक्रम की अध्यक्षता अनन्त समदानी ने की एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष मिठूलाल जाट, प्रधान देवेन्द्र कंवर, रघु शर्मा, अर्जुन मून्दड़ा, विपुल मेहता, सागर सोनी, वीणा दशोरा सहित सभी अतिथियों का स्वागत किया। सांसद जोशी ने सभी प्रतिभागियों व परिवारजनों को बधाई व शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 17 बच्चों के एक साथ उत्तीर्ण होने का चित्तौड़ के लिए बड़े ही हर्ष का विषय हैं। देश की अर्थव्यवस्था में सीए का एक महत्वपूर्ण योगदान रहता है, पूरे समाज व चित्तौड़ का नाम अपने क्षेत्र में रोशन करेंगे।

इस अवसर पर किंजल जैन, निहारिका भट्ट, प्रकुल कोठारी, अल्पित शारदा, श्रेयान ढ़ीलीवाल, आयूषी गगरानी, निखिल पूर्बिया, राधिका काबरा, श्रुति डाड, हर्षित मलानी, प्रेक्षा भराड़िया, यश बोहरा, आकांक्षा बाफना, अक्षिता भराड़िया, रानू सोनी, जयन्ती जैन का परिवार सहित मेवाड़ महोत्सव समिति की ओर से मौजूद अतिथियों ने उपरना व शॉल ओढ़ाकर अभिनन्दन पत्र, डायरी भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर रणजीतसिंह भाटी, गोपाल चौबे, राजकुमार सुखवाल, गोपाल राजोरा, राजु सुखवाल, सी.पी. नामधराणी, गौरव त्यागी, अभिमन्यु माहेश्वरी, गोपाल पोरवाल, अभिषेक व्यास, मुकेश आगाल, परमजीत वधवा, अलीअसगर बोहरा, शिरिष त्रिपाठी, अम्बालाल श्रीमाल, राधेश्याम आमेरिया, राकेश मंत्री, लालसिंह डूडी, अर्जून जोनवाल, मिठूलाल मीणा सहित कार्यकर्ता मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन लीला आगाल व आभार गोपाल भूतड़ा ने किया।

वाल्मिकी समाज ने मृतक परिजनों को न्याय दिलाने की मांग को लेकर सौपा ज्ञापन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। गांधीनगर क्षैत्र में हुई चाकूबाजी की घटना में मृतक के परिवार को न्याय दिलाये जाने एवं कानून व्यवस्था पुख्ता करने हेतु वाल्मिकी समाज ने जिला पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौपा। गांधीनगर में लखन पुत्र देवराज पंवार निवासी सियाला बस्सी की गांधी नगर कच्ची बस्ती में चाकू से वार कर हत्या कर दी गई थी, जिससे पीड़ित परिवार देवराज पवार एवं मृतक लखन पवार को न्याय दिलाया जावे एवं पीडित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और 50 लाख का मुआवजा दिलाते हुए दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के साथ ही भविष्य में इस तरह की घटना ना हो जिसको लेकर ठोस कानून व्यवस्था बनाई जाने को लेकर वाल्मीकी समाज के बडीसंख्या में जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंच कर ज्ञापन सौपा। इस दौरान अरूण कण्डारा, विजय चौहान, प्रकाश राठौड, अजय लोठ, राजेश आदिवाल, भगवतीलाल घारू, राजन मल्होत्रा, छवि देशबन्धु, आशीष लोठ, अकुंश गोरण, प्रकाश, देवराज पंवार, राम पंवार, गोपाल लोठ, अमन लोठ, रजनी लोठ, सुमन, राहित, हेमा संगीता, अुर्जन सोनवाल, रण, प्रवीण, शिवम, नारायण, मोनिका, श्याम, सुनिल, विनोद लोठ, कमलेश कोदली, विजय, रवि, शिवम, सुनील, ओमप्रकाश, कमला बाई, कानू, सहित बडीसंख्या मे वाल्मीकीजन उपस्थित थे।

162 परीक्षाओं के 214 प्रश्न-पत्रों की परीक्षाएं 82 दिनों में आयोजित करेगा आयोग

नववर्ष में जनवरी से दिसंबर तक हर 5वें दिन एक परीक्षा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। नव वर्ष 2025 में राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा जनवरी से दिसंबर माह तक 162 परीक्षाओं के 214 प्रश्न-पत्रों की परीक्षाओं का आयोजन 82 दिनों में करवाया जाना प्रस्तावित है। प्रस्तावित परीक्षा कार्यक्रमानुसार हर 5 वें दिन परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ-साथ ही नियमित रूप से साक्षात्कार आयोजन एवं विभिन्न भर्तियों के परिणाम जारी करने का कार्य भी किया जाएगा।

दोहरे आवेदन एवं डमी कैंडिडेट पर लगेगी आधार सत्यापन से लगाम

राजस्थान लोकसेवा आयोग को राजस्थान सरकार के कार्मिक विभाग से भी अभ्यर्थियों के बायोमेट्रिक सत्यापन की अनुमति प्राप्त हो गई है। 27 नवंबर 2024 को जारी की गई अधिसूचना अनुसार आयोग अभ्यर्थियों के द्वारा किए जाने वाले दोहरे आवेदनों की छंटनी, अभ्यर्थियों के सत्यापन, जालसाजी एवं डमी कैंडिडेट की रोकथाम के लिए आधार सत्यापन प्रणाली का उपयोग कर सकेगा। इससे पूर्व माह सितंबर 2024 में भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा भी आधार कार्ड के माध्यम से अभ्यर्थियों का बायोमेट्रिक सत्यापन करने की अनुमति आयोग को प्राप्त हो गई थी। भर्ती प्रक्रिया के विभिन्न चरणों यथा-ऑनलाइन आवेदन जांच, साक्षात्कार, काउंसलिंग, दस्तावेज सत्यापन, लिखित परीक्षा व नियुक्ति में अभ्यर्थी की पहचान का सत्यापन इसके माध्यम से किया जा सकेगा। गत् समय के दौरान सामने आए डमी अभ्यर्थियों के प्रकरणों को देखते हुए आधार बायोमैट्रिक सत्यापन आयोग की विश्वसनीयता, कार्य प्रणाली में मील का पत्थर होगा।

प्रवेश-पत्र पर आयोग का वॉटर मार्क, हस्तलेख नमूना, अंगूठा निशानी व क्यूआर कोड

भर्ती परीक्षाओं के शुचिता पूर्ण आयोजन एवं डमी अभ्यर्थियों की संभावना को रोकने के लिए आयोग द्वारा अभ्यर्थियों के हस्तलेख का नमूना भी अटेंडेंस शीट पर लिया जाना शुरू किया गया है। इसी प्रकार अटेंडेंस शीट पर अभ्यर्थी की स्पष्ट व बड़ी फोटो प्रिंट की जा रही है ताकि परीक्षा केन्द्र पर वीक्षकों द्वारा अभ्यर्थी की पहचान पूर्णतः सुनिश्चित करते हुए डमी अभ्यर्थियों को रोका जा सके। इसके अतिरिक्त आयोग द्वारा एडमिट कार्ड टेम्परिंग की संभावनाओं को रोकने के लिए क्यूआर कोड का भी प्रावधान किया गया है। इस क्यूआर कोड को स्केन करते ही अभ्यर्थी की जानकारी स्क्रीन पर प्रदर्शित हो जाती है। आयोग द्वारा जारी प्रवेश-पत्र के साथ अटेंडेंस शीट भी संलग्न होती है। इस शीट को परीक्षा केंद्र पर वीक्षक अभ्यर्थी की पहचान कर स्वयं के, केंद्राधीक्षक एवं अभ्यर्थी के हस्ताक्षर करवाकर प्रवेश-पत्र से अलग कर केन्द्र पर जमा करते हैं। परीक्षा संपन्न होने के उपरांत यह अटेंडेंस शीट परीक्षा सामग्री के साथ आयोग को भेजी जाती है।

जालसाजी पर लगाम के लिए वन टाइम रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में बड़ा बदलाव

राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा परीक्षाओं में जालसाजी व फोटों टेंपरिंग कर आवेदन करने वाले व्यक्तियों पर लगाम के लिए वन टाइम रजिस्ट्रेशन प्रक्रि या में बड़ा बदलाव किया गया है। अब वन टाइम रजिस्ट्रेशन के दौरान वेब केम के माध्यम से आवेदक की लाइव फोटो कैप्चर की जा रही है। आयोग की इस कार्यवाही से डमी अभ्यर्थियों पर लगाम के साथ ही आवेदन के दौरान गलत फोटों अपलोड होने का बहाना देने वाले अभ्यर्थियों की भी प्रभावी रोकथाम सुनिश्चित हो सकेगी। संशय की स्थिति में आयोग द्वारा परीक्षा दौरान की गई वीडियोग्राफी में उपस्थित अभ्यर्थी का मिलान ओटीआर में कैप्चर की गई फोटो से किया जा सकेगा। आयोग इस हेतु आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी इस्तेमाल करेगा।

वीडियोग्राफीः- अभ्यर्थी की उपस्थिति का प्रमाण, की जा रही मूल/डमी अभ्यर्थी की पहचान

राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा भर्ती परीक्षा दौरान सुरक्षा इंतजामों को और मजबूत करते हुए परीक्षा के लिए निर्धारित स्थान पर बैठे हुए प्रत्येक अभ्यर्थी की वीडियोग्राफी करवाई जाती है। इसके लिए अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश के लिए निर्धारित किए गए समय के पश्चात् 10 मिनट के भीतर ही परीक्षा कक्ष में अपने स्थान को ग्रहण करने का समय दिया जाता है। 10 मिनट के बाद पूरे परीक्षा केंद्र में प्रत्येक कक्ष में आवंटित स्थान पर बैठे हुए प्रत्येक अभ्यर्थी एवं अनुपस्थित रहे अभ्यर्थियों के रिक्त स्थानों की रोल नंबर के ₹ मानुसार वीडियो रिकॉर्डिंग की व्यवस्था की जाती है। यह रिकॉर्डिंग बाद में मूल अभ्यर्थी की पहचान सुनिश्चित करने के लिए उपयोग में लाई जाती है।

काउंसलिंग दौरान सघन जांच में फर्जी अभ्यर्थी व डिग्रियों का खुलासा

आयोग द्वारा अभ्यर्थियों की मुख्य सूची जारी करने के पूर्व विचारित सूची जारी कर अभ्यर्थियों की पात्रता जांच का कार्य काउंसलिंग के माध्यम से किया गया। इस दौरान अभ्यर्थी के आयोग कार्यालय में उपस्थित होने पर विस्तृत आवेदन-पत्र में चस्पा की गई फोटो एवं ऑन लाइन आवेदन-पत्र में दी गई फोटो एवं हस्ताक्षर का मिलान किया गया। संदेह के आधार पर की गई सघन जांच में यह सामने आया कि कतिपय अभ्यर्थियों द्वारा कूट रचित तरीके से स्वयं के स्थान पर अन्य व्यक्तियों को परीक्षा में प्रवेश दिलाकर परीक्षा उत्तीर्ण की गई है। ऐसे अभ्यर्थियों की व्यक्तिशः सुनवाई कर परीक्षा में जालसाजी करना पाए जाने पर उनके विरुद्ध एफआइआर दर्ज कराकर पुलिस हिरासत में भेजा गया। इसी प्रकार पात्रता जांच के दौरान यह भी सामने आया कि कतिपय अभ्यर्थियों द्वारा चयन पश्चात् फर्जी डिग्री व फर्जी निशक्तता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर दिये जाते हैं। आयोग द्वारा ऐसे ही मामले में फर्जी डिग्री का प्रकरण उजागर करते हुए आरोपी अभ्यर्थियों को पुलिस के सुपुर्द किया गया था।

भर्ती परीक्षा संबधी महत्वपूर्ण निर्णय किए आयोग की वेबसाइट पर अपलोड

राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के संबंध में उच्चतम एवं उच्च न्यायालय द्वारा पारित विभिन्न न्यायिक विनिश्चयों को आयोग की वेबसाइट पर अपलोड किया गया है। देश भर में संभवत प्रथम बार इस प्रकार की पहल किसी भर्ती आयोग द्वारा की गई है। आयोग की वेबसाइट के होम पेज पर "अदर लिंक्स" टैब के अन्तर्गत प्रदर्शित ड्राप डाउन मेन्यू में "इम्पोर्टेंट कोर्ट जजमेंटस" पर क्लिक कर इन न्यायिक निर्णयों को देखा व डाउनलोड किया जा सकता है। परीक्षा आयोजन प्रक्रिया से संबंधित अनेक विषयों पर कई विधिक प्रकरण विभिन्न माननीय न्यायालयों में प्रायः चलते रहते हैं। आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं में देश-प्रदेश के लाखों अभ्यर्थी बैठते हैं। इनमें से कई अभ्यर्थियों द्वारा तथ्यात्मक जानकारी के अभाव में उन समान तथ्य एवं बिन्दुओं पर भी विभिन्न न्यायालयों में आयोग के विरूद्ध वाद दायर कर दिए जाते हैं जिन पर माननीय सुप्रीम कोर्ट एवं हाइकोर्ट द्वारा पूर्व के प्रकरणों में भी आयोग के पक्ष में निर्णय दिया गया है। यह भी देखने में आया है कि अभ्यर्थियों द्वारा दायर वाद के विषय प्रमुखतः उत्तर कुंजी वैधता, स्केलिंग, श्रेणी तथा वर्ग परिवर्तन इत्यादि रहते हैं। इसी कारण आयोग द्वारा विभिन्न न्यायालयों द्वारा निर्णित चुनिंदा निर्णयों का चयन कर आयोग की वेबसाइट पर डाला गया है ताकि संशय की स्थिति में अभ्यर्थी इनका अवलोकन कर सके। इससे अभ्यर्थियों द्वारा विभिन्न न्यायिक वादों के दौरान व्यय किए जाने वाले समय एवं धन की बचत हो सकेगी।

श्री श्याम निशान पैदलयात्रा का किया स्वागत

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। ओंकारेश्वर से खाटूधाम तक जा रही श्रीश्याम निशान पैदलयात्रा का चित्तौडगढ आगमन पर श्रीश्याम चाकर परिवार सेवा समिति द्वारा भव्य स्वागत अभिनन्दन किया। प्रकाशचन्द्र सोनी एवं सुरेश बॉगड ने बताया कि ओंकारेश्वर से श्री श्याम प्रभु के दिव्य स्वरुप को कार में विराजमान कर एवं दिव्य निशान का पूजन कर निकले 15 श्याम प्रेमी सभी क्षेत्रवासियों एवं परिवारजन के खुशहाल जीवन की कामना कर खाटूश्याम जी दर्शनार्थ रवाना हुए। जिनका कलेक्ट्री चौराहा पहुँचने पर पुष्पवर्षा कर सभी श्याम चाकर ने बाबा श्याम जी के दर्शन, दिव्य निशान का दर्शन, पावन निशान की पूजा अर्चना कर सभी पदयात्रियों का स्वागत किया। श्याम चाकर बाबा श्याम के भजन कीर्तन करते नाचते-गाते ऋतुराज वाटिका पहुँचें, जहां बाबा श्याम का आलौकिक श्रृंगार कर दीपक प्रज्वलित कर भव्य संकीर्तन किया जिसमें भजन प्रवाहिका उमा शर्मा सहित सभी श्याम प्रेमियों ने मीठे मीठे भजनों से श्याम प्रभु को रिझाया। साथ ही प्रभु से सभी के लिए आने वाले नववर्ष की मंगलकामना की। इस दौरान समिति के ओमप्रकाश उपाध्याय, जगदीश सोनी, प्रकाशचन्द्र सोनी, मनोज मेनारिया, सुरेश बॉगड, रमेशचन्द्र सोनी, महेश शर्मा, दीपक सोनी, नरेंद्र न्याती, भरत सोनी, जगदीश चन्द्र वैष्णव, रतन टेलर सहित सभी महिलायें उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता सम्पन्न

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। अखिल मेवाड़ सुखवाल समाज द्वारा आयोजित तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का पांचवा चरण तुम्बडिया ग्राम में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में क्रिकेट कबड्डी और वॉलीबॉल की टीमों ने भाग लिया। खेलकूद प्रतियोगिता में लगभग 70 टीमों ने भाग लिया। राम प्रसाद सुखवाल ने बताया कि कार्यक्रम के समापन में मुख्य अतिथि सांसद सी पी जोशी, मिट्ठू लाल जाट, जिला प्रमुख भूपेन्द्र सिंह बडोली, प्रधान देवेन्द्र कंवर, कमलेश पुरोहित, हर्षवर्धन सिंह, राजमल सुखवाल, धीरज सुखवाल आदि उपस्थित रहे। विजेता में कबड्डी में गेगपुरा, वॉलीबॉल में उपविजेता बस्सी और क्रिकेट में संयुक्त विजेता लागच और बारू रहे । समापन कार्यक्र म में सुखवाल समाज के हरिशंकर, भेरूलाल, राजु, सुनील, अंबालाल, मुकेश पोटला, सोनु, रतन, कैलाश, मांगीलाल पुरोहित, रामचंद्र, गुलाब, कालू, कान्हा, गोपी लाल, रामपाल, भैरू शंकर, मिट्ठू लाल, मुकेश, सीताराम, पप्पू लाल, मनोहर लाल, अनिल जाट, संजय, रवि, नरेश, मिठु, आदि उपस्थित थे। आगामी खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन पांडोली ग्राम में किया जाएगा।

जिला पशु चिकित्सालय की व्यवस्था सुधारने की मांग

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। जिला पशु चिकित्सालय की व्यवस्थाओं में सुधार की मांग को लेकर शिवसेना जिला प्रमुख गोपाल वेद के नेतृत्व में जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। शिवसेना द्वारा सौंपे ज्ञापन में बताया कि जिला पशु चिकित्सालय में मवेशियों के उपचार की व्यवस्थाएँ चरमरा रही है। कई बार दुर्घटना में घायल पशुओं को समय पर इलाज नहीं मिल पाने से वो काल के ग्रास हो रहे हैं। गत दिनों रात्रि को सड़क दुर्घटना में घायल गाय को लाने पर चिकित्सालय में उसकी सुध लेने वाला कोई नहीं मिला। दुर्घटना में गाय के चारों पैर कट जाने से बुरी तरह तड़प रही थी। कोई चिकित्सक व कम्पाउण्डर नहीं मिला, आज भी वो गाय मरणासन्न अवस्था में है। किशन ओड़, दुर्गेश ओड़, कमलेश ओड़, बबलु, प्रकाश वैष्णव, भेरूलाल शर्मा, पप्पू गुर्जर, शम्भू गायरी, राजु गुर्जर, मोनु गुर्जर, दिलीप लोठ, शिवलाल माली, विनोद भोई, मनीष लोठ आदि ने ज्ञापन सौंप कर पशु चिकित्सालय में दिन व रात में इमरजेन्सी में एक चिकित्सक सहित स्थायी चिकित्सा व्यवस्था सुदृढ़ करा कर जीव जन्तुओं को राहत दिलाये जाने की मांग की।

प्रेस क्लब सदस्यों ने थिरकते हुए नववर्ष का स्वागत किया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पिंकसिटी प्रेस क्लब में नववर्ष की पूर्व संध्या पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। क्लब सदस्यों एवं उनके परिजनों ने डीजे पर थिरकते हुए नववर्ष का स्वागत किया। क्लब अध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्र सिंह राठौड़, महासचिव योगेन्द्र पंचौली कोषाध्यक्ष गिरिराज प्रसाद गुर्जर ने प्रबन्ध कार्यकारिणी की ओर से क्लब सदस्यों एवं उनके परिजनों को नववर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित की। नववर्ष पर प्रेस क्लब परिसर में लाईट डेकोरेशन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन एवं गणेश वन्दना के साथ हुआ।

क्लब अध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्र सिंह राठौड़, महासचिव योगेन्द्र पंचौली ने बताया कि सवरंग संस्था के लोक कलाकारों ने चिरमी, चरी नृत्य, पिया आओ तो, मत पियो छैल तम्बाकुड़ी, और रंग दे, मरू रंग, मोनिया युगल नृत्य, चन्द्र गोरजा, नखरों छोड़ दे भाभी, काजलियो, बीजणा, हिवडे सू दूर मत जाय मिल जावे, घूमर, उंचो घाल्यो पालणो, धरती धोरां री, सहित अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। जिसे देख दर्शक रोमांचित हो उठे। क्लब सदस्यों ने डीजे पर थिरकते हुए नववर्ष का आगाज किया। पण्डित राजेन्द्र राव के निर्देशन में राजस्थानी लोकनृत्यों की विशेष प्रस्तुति दी। लोक कलाकार शिल्पा शर्मा, तारा कंवर, सुरभि, आरती, मिनाक्षी, वैदेई, प्रकाश शर्मा, वंसिका ने मनोहर प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष गिरिराज प्रसाद गुर्जर, उपाध्यक्ष विमल सिंह तंवर, राहुल भारद्वाज, कार्यकारिणी सदस्य पुष्पेन्द्र सिंह राजावत, अनिता शर्मा, ओमवीर भार्गव, नमोनारायण अवस्थी, संजय गौतम, शालिनी श्रीवास्तव, उमंग माथुर, पूर्व अध्यक्ष राधारमण शर्मा, पूर्व महासचिव रोशन लाल शर्मा, पूर्व उपाध्यक्ष संतोष शर्मा, कानाराम कड़वा वरिष्ठ पत्रकार शंकर नागर, शंकर शिखर, निखलेश शर्मा, इकबाल खान, विक्रम राजपुरोहित, सहित अनेक वरिष्ठ एवं युवा पत्रकार परिवार सहित कार्यक्रम में शामिल हुए। मंच संचालन राजेन्द्र शर्मा हंस ने किया।

जिले खत्म होने के बाद तेज हुआ विरोध, बड़े आंदोलन की चेतावनी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार की ओर से 3 संभाग और 9 जिलों को खत्म करने के निर्णय के खिलाफ विभिन्न जगहों पर विरोध-प्रदर्शन जारी हैं। नए साल से आंदोलन को बड़े स्तर करने की रणनीति बनाई गई है। जिला खत्म करने के विरोध में सांचौर में सोमवार को शुरू हुआ महापड़ाव मंगलवार को भी जारी रहा। यहां टायर जलाकर उग्र प्रदर्शन किया गया। महापड़ाव में कांग्रेस नेता अमराराम माली पेट्रोल की बोतल लेकर पहुंच गए और इस निर्णय के विरोध में आत्मदाह का ऐलान कर दिया।

नीमकाथाना में भाजपा पदाधिकारियों ने दिया इस्तीफा

नीमकाथाना जिले को निरस्त करने पर जनाक्रोश लगातार बढ़ रहा है। इसके विरोध में नीमकाथाना शहर का बाजार बंद रहा। इधर जिला बचाओ संघर्ष समिति मंगलवार से कलक्ट्रेट के सामने आमरण अनशन शुरू किया है। खेतड़ी मोड़ पर भी सभा का आह्वान किया गया। जिले को निरस्त करने पर चंवरा भाजपा मंडल के सभी पदाधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया है। पदाधिकारियों ने कहा कि सबका साथ, सबका विकास करने वाली सरकार ने उदयपुरवाटी उपखंड क्षेत्र को पीछे धकेलने का काम किया। नीमकाथाना जिला बनने पर पहाड़ी क्षेत्र के गांवों व ढाणियों में मूलभूत सुविधाओं की उम्मीद जगी थी। यह उम्मीद एक सपना बनकर ही रह गई।

हर माह 28 तारीख को ब्लैक डे

केकड़ी जिले को निरस्त किए जाने के बाद जिला बार एसोसिएशन ने बैठक कर सरकार के फैसले का विरोध किया। बैठक में सर्वसम्मति से केकड़ी जिले का दर्जा बहाल करने के लिए हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर करने का फैसला किया गया। दो जनवरी को केकड़ी में आक्रोश रैली निकाली जाएगी। हर महीने की 28 तारीख को ब्लैक डे मनाने तथा न्यायिक कार्य के दौरान काली पट्टी बांधकर विरोध जताने का भी निर्णय किया गया। तीन जनवरी से 10 दिन तक केकड़ी न्यायालय परिसर में सुबह 10 से दोपहर 12 तक सांकेतिक धरना दिया जाएगा।